दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति   3 | राजधानी   7 | आंचलिक   12 | देश-विदेश

रांची, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025, पौष कृष्णपक्ष अष्टमी, विक्रम संवत-2082 वर्ष-10 अंक-231 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

किसी भी जीवन में आपका एकमात्र दायित्व स्वयं के प्रति सच्चा होना है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 06:19
अस्त : 05:03

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.0	09.0
जमशेदपुर	27.0	10.0
हजारीबाग	25.0	09.0
डालटनगंज	27.0	07.0

ठिठुरा झारखंड

हवाओं का कहर, धूप बेअसर, दो डिग्री गिरा पारा

4.5 डिग्री से नीचे आया कांके का तापमान, दिन में भी शीतलहर का असर, बढ़ी कनकनी

रांची : झारखंड की राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में ठिठुरन अचानक तेज हो गई है। लगातार उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण रांची के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। दिनभर कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि उत्तर और उत्तर-पश्चिमी जिलों में ठिठुरन तेज हो गई है, जिससे राजधानी रांची समेत आस-पास के जिलों में भी कनकनी बढ़ गई है। लगातार गिर रहे तापमान ने अहले सुबह और देर रात लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, जिससे वे अलाव और गर्म पेयों का सहारा ले रहे हैं।

कई जिलों में शीतलहर का असर

पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण कई जिलों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 4 डिग्री के आसपास रिकॉर्ड किया गया। जबकि, सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटनगंज में साढ़े 28 डिग्री के करीब रहा। रांची की बात करें तो यहां का न्यूनतम तापमान अब भी 8 डिग्री से ऊपर बना हुआ है, जबकि अधिकतम तपमान साढ़े 24 डिग्री के करीब है। राज्य के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र (पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार) के साथ-साथ निकटवर्ती मध्य भाग (रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी) में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।

कांके में शीत लहर का तीखा असर

रांची के कांके क्षेत्र में शीतलहर का असर सबसे तीखा देखने को मिल रहा। कांके का न्यूनतम तापमान लुढ़ककर साढ़े 4 डिग्री से नीचे आ गया है। यहां का अधिकतम तापमान साढ़े 21 डिग्री के आसपास रहा। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 4.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली सर्द हवाओं ने ठिठुरन को और तीव्र कर दिया है, जो शीतलहर के प्रभाव को दिखाता है।

अभी कोई बदलाव नहीं

रांची के मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों (11 और 12 दिसंबर) के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। तापमान में वृद्धि 13 से 15 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि संभव है। सुबह में कोहरा या धुंध रहेगा, बाद में आसमान साफ रहेगा। ठंड में उतार-चढ़ाव का ये दौर अगले एक सप्ताह तक चलता रहेगा, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता दीपावली के बाद से ही खतरनाक स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लगातार प्रयास के बावजूद गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 307 रहा। यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार गुरुवार शाम 4 बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 307 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। एनसीआर के अन्य इलाकों में प्रदूषण लगातार बहुत खराब श्रेणी के आसपास बना हुआ है। नोएडा का एक्यूआई 322, गाजियाबाद 343 और ग्रेटर नोएडा 301 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी को दर्शाते हैं। प्रदूषण के कारण सुबह के समय धुंध छाई रही और दृश्यता में कमी आने से लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री 15 से तीन देशों की यात्रा पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार (15 दिसंबर) से तीन देशों जॉर्डन, इथोपिया और ओमान की यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 15-16 दिसंबर तक जॉर्डन का दौरा करेंगे। इस दौरे के दौरान वे किंग अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन से मिलेंगे और भारत और जॉर्डन के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। दूसरे चरण में प्रधानमंत्री 16-17 दिसंबर तक इथियोपिया का राजकीय दौरा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का इथियोपिया का पहला दौरा होगा। वह प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली के साथ भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। अंतिम चरण में प्रधानमंत्री 17-18 दिसंबर तक ओमान का दौरा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का ओमान का दूसरा दौरा होगा। दिसंबर 2023 में ओमान के सुल्तान भारत के राजकीय दौरे पर आए थे। भारत और ओमान के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है।

सीएजी की रिपोर्ट में खुलासा : सिर्फ 21 बालू घाट ही चालू

लघु खनिज प्रबंधन में गड़बड़ी

रांची। राज्य की प्रधान महालेखाकार इन्दु अग्रवाल ने सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन को लेकर चौंकाने वाली अनियमितताएं उजागर की हैं। प्रधान महालेखाकार के अनुसार, बालू घाटों के संचालन, पत्थर खदानों के पट्टों की स्वीकृति और नीलामी में भारी गड़बड़ियां हुईं, जिससे राज्य को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि राज्य में कई खनन पट्टे वन भूमि पर अवैध तरीके से दे दिए गए, जबकि नीलामी प्रक्रिया बेहद धीमी रही और सिर्फ 3.77 प्रतिशत ब्लॉकों की ही नीलामी हो सकी। राजस्व 2017-18 के 1,082 करोड़ से घटकर 2021-22 में 697 करोड़ रुपये रह गया।

साहिबगंज में अधिकार से बाहर जाकर दिया गया भूमि पट्टा

उन्होंने बताया कि सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड के साहिबगंज, चतरा और पलामू जिलों में पट्टा आवंटन में गंभीर गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि साहिबगंज में उपायुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र से अधिक 4.74 हेक्टेयर भूमि पर पट्टा स्वीकृत कर दिया, जिसे ई-नीलामी के लिए जाना चाहिए था। चतरा और पलामू में तो वन भूमि को गैर-मजरुआ परती दिखाकर आठ पट्टे दे दिए गए। यह सीधे तौर पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन है।

बालू घाट संचालन में बड़ी चूक

झारखंड राज्य में बालू घाटों के संचालन को लेकर सीएजी ने बड़ा खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को सौंपे गए 608 बालू घाटों में से केवल 21 का ही संचालन किया जा सका। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइनिंग प्लान और पर्यावरणीय स्वीकृतियों में देरी के कारण 9,782 एकड़ क्षेत्र के 368 घाट वर्षों तक बंद पड़े रहे। इस निष्क्रियता के कारण सरकार को 70.92 करोड़ रुपये के राजस्व से हाथ धोना पड़ा। इसके अलावा 2019-22 के दौरान बालू से संबंधित स्वामित्व राशि में 82 लाख से 7.61 करोड़ तक की गडबडियां भी पाई गईं।

पट्टाधारियों ने किया तय सीमा से 33.21 लाख घन मीटर अधिक खनन

प्रधान महालेखाकार ने कहा कि झारखंड में अवैध खनन पर प्रशासनिक ढिलाई एक बार फिर सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार जिलों के 26 पट्टाधारियों ने तय सीमा से 33.21 लाख घनमीटर अधिक लघु खनिजों का खनन किया, जिसका जुर्माना 205.21 करोड़ बनता था। लेकिन जिला खनन कार्यालयों ने न तो जुमार्ना लगाया और न ही वसूली की। इसी तरह 30 मामलों में 27.53 करोड़ और 15 मामलों में 2.23 करोड़ की वसूली नहीं की गई, जिससे करोड़ों रुपये का राजस्व का नुकसान हुआ। सीएजी की रिपोर्ट में पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रिया में भी गंभीर खामियां उजागर की गई हैं। आवेदकों ने जाली प्रमाण-पत्र लगाकर बड़ी भूमि को छोटे श्रेणी में दिखा दिया, जिससे उन्हें गलत वर्ग में पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई। इन गलत मंजूरियों के आधार पर पंजीकृत पट्टाधारियों ने वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच 6.35 लाख घनमीटर पत्थर का अवैध उत्खनन किया, जिसका मूल्य लगभग 19.88 करोड़ है। खदानों में सुरक्षा अवरोध, पौधारोपण, वायु-ध्वनि निगरानी जैसे पर्यावरणीय उपायों को भी अधिकांश खदानों में नजरअंदाज किया गया।

जेएसएमडीसी के कारण 70.92 करोड की राजस्व हानि

रांची। सीएजी की ओर से गुरुवार को जारी किए गए रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2017-22 के दौरान झारखंड में चालू बालू घाटों के लिए मान्ये पटटाधारी के रूप में झारखंड राज्यू खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को प्रक्रियाओं का पालन करना था और प्रति एकड 30 हजार रुपये की दर से लगान या हटाए गए बालू की मात्रा का स्वाममित्वा (जो अधिक हो) का भुगतान करना था। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जेएसएमडीसी ने राज्ये के 608 बालू घाटों में से 389 घाटों को चालू करने का प्रयास किया, लेकिन केवल 21 घाटों को ही सफलतापूर्वक चला सका। इस प्रकार वर्ष 2017-22 के दौरान 368 बालू घाटों को नहीं चलाया जा सका। इस कारण 368 गैर परिचालित घाटों के कारण राज्या सरकार को नवंबर 2019 से मार्च 2022 के दौरान इन घाटों (9,782.55 एकड क्षेत्र) के लिए 70.92 करोड रुपये के राजस्व की हानि हुई।

बालू की बिक्री से प्राप्त आय का एक तिहाई से अधिक किया खर्च आईटी सोल्यूशन पर

सीएजी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि झारखंड राज्य् खनिज विकास निगम ने वर्ष 2018-22 के दौरान झारखंड के केवल 22 बालू घाटों के पर हुई बालू की बिक्री से प्राप्त् आय का एक तिहाई से अधिक खर्च आईटी सोल्यूशन पर कर दिया। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार जेएसएमडीसी ने इस अवधि में केवल 22 बालू घाटों के लिए खनन योजना को तैयार की और इसके लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की थी। लेकिन इस दौरान अधिकतम 16 बालू घाट ही चालू थे। वहीं जेएसएमडीसी ने 200 घाटों के चालू करने के लिए आईटी सोल्यूशन की व्यवस्था की और इसपर अत्यधिक खर्च किया। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि जेएसएमडीसी चाहता तो बालू घाटों के नेटवर्क लगाने की समय सीमा को संशोधित कर सकता था और उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण या छोटे पैमाने पर आईटी सोल्यूशन को लागू कर सकता था। साथ ही मुख्यालय स्तर पर कम संख्या में आईटी कर्मियों को तैनात कर सकता था, लेकिन जेएसएमडीसी ने ऐसा नहीं किया और इससे राजस्व की हानि हुई।

शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा

मुद्दाविहीन विपक्ष के पास कोई सवाल नहीं

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में विपक्ष को निशाने पर रखा। उन्होंने कहा कि मुद्दाविहीन विपक्ष के पास राज्य से संबंधित कोई भी सवाल नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सरकार के कामों का आइना दिखाना है, लेकिन ये सदन से गायब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के अभी एक साल पूरे नहीं हुए हैं। लेकिन एक साल में लंबी और गाढ़ी लकीर खींच दी है। राज्य ने सर्वांगीण विकास की राह में तेजी से चलना शुरू कर दिया है। यह शीतकालीन सत्र ही नहीं बल्कि न भूलने वाला विधानसभा का 25वां वर्ष भी है। युवा राज्य ऊर्जा से लबरेज और आगे बढ़ने को तत्पर है।

सत्र शुरू होने से लेकर समाप्ति तक विपक्ष के गायब रहने के पीछे कई कारण हैं। उनके पास न मुद्दा है, न सवाल है न तर्क है और न संवेदना है। विपक्ष ने सवालों से घेरने का प्रयास भी नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने पहले छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया, लेकिन इसमें भी केंद्र सरकार का सौतेला व्यवहार परिलक्षित हो रहा है। विपक्ष को सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। अपने आला-नेताओं से विचार-विमर्श करना चाहिए। विपक्ष की ओर से राज्य के कई बजट में भी कटौती कराई गई तो कई स्कूलों को बंद करा दिया गया।

केंद्र ने कर दी सभी छात्रवृत्तियों में कटौती

केंद्र सरकार ने दलित आदिवासी पिछड़ों के साथ अनुसूचित जाति को उच्च शिक्षा में मिलने वाली छात्रवृत्ति में 90 फीसदी, विदेश छात्रवृत्ति में 95 फीसदी, अल्पसंख्यक प्री मैट्रिक में 40 फीसदी, पोस्ट मैट्रिक में 63 फीसदी, मेधा आधारित छात्रवृत्ति टेक्नीकल और व्यावसायिक में 75 फीसदी और तकनीकी शिक्षण संस्थान के अनुदान में 61 फीसदी की कटौती कर दी। ऐसी स्थिति में विपक्ष की मांग उचित नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुजी क्रेडिट कार्ड में 15 लाख रुपए का ऋण सिर्फ चार फीसदी व्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है। सावित्री बाई फूले योजना चलाई जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के तर्ज पर सरकार स्कूलों को खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि कई जगह छात्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी हुई है। धीरे-धीरे शिक्षा में नया आयाम जुड़ रहा है। राज्य में कई बड़े प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी की स्?थापना की जा रही है। सरकार की ओर से 25 साल का रोडमैप बनाया गया है। साथ ही छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि एक बेहतर भविष्य के साथ राज्यवासी आगे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 7721 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश हुआ है। विपक्ष की ओर से इसमें बढ़ोत्तरी का सुझाव होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि देश के विकास में झारखंड की अहम भूमिका रही है। यहां से रेलवे को देश भर से सबसे अधिक राजस्व मिलता है। लेकिन इसके बदले हमें धूल मिट्टी पलायन और प्रदूषण मिलता है। हमारा राशन, हमारा वोट, हमारी बिजली और बदले में हम सभी का ही घर तोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस हो रही है। क्या इससे गरीबी खत्म होगी या इससे रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि इंडिगो जैसी घटना से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में जब भी कोई घटना होती है तो ये लोग दूसरे मुद्दों से लोगों को भटकाते हैं।

सदन में फिर उठा 100 रुपए में एक ट्रैक्टर बालू का मुद्दा

रांची। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को सदन में एक बार फिर बालू का मुद्दा उठा। सत्येंद्र नाथ तिवारी के गैर संकल्प सवालों का जवाब देते हुए प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि सदस्य सत्येंद्र नाथ तिवारी जिस 444 चिन्हित बालू घाटों की नीलामी की बातें कह रहे हैं। वह पेसा कानून लागू नहीं होने के कारण रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय की ओर से इसपर रोक लगाई गई है। बावजूद इसके राज्यवासियों को कैसे बालू मिले इसपर राज्य सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 374 बालू घाटों की नीलामी हो चुकी है। जहां स्थानीय स्तर के लोग अबुआ आवास सहित अपने कार्यों के लिए 100 प्रति ट्रैक्टर ले जा सकते हैं। इस सोच के साथ सरकार ने काम किया है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जहां से विपक्ष सोचना बंद करती है। वहीं से सरकार सोचना शुरू करती है। मंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय की ओर से आदेश मिलते ही 10 से 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार बचे 444 चिन्हित बालू घाटों की भी नीलामी कर दिया जाएगा। इससे पहले सत्येंद्र नाथ तिवारी ने गैर सरकारी संकल्प के तहत सभा पटल के समक्ष पिछले छह वर्षों से राज्य के लगभग 444 चिन्हित बालू घाटों की नीलामी का टेंडर नहीं होने के कारण जिम्मेदार पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने और इन सभी बालू घाटों की नीलामी टेंडर करने की मांगें की।

बिहार

शिवहर में वीमेन पावर! सांसद-विधायक-डीएम सब की सब महिला

पॉलिटिक्स से ब्यूरोक्रेसी तक आधी आबादी का दबदबा

शिवहर : बिहार का शिवहर जिला बीच-बीच में चर्चा में रहता रहा है। ये बिहार का सबसे छोटा जिला है, मगर इन दिनों इस जिले में जिस तरह विभिन्न क्षेत्रों/विभागों में महिलाओं की पोस्टिंग है, उससे ये जिला महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में एक मिसाल बन गया है। सूबे का ये पहला जिला है, जहां की सांसद, विधायक, विधायक और विधान पार्षद सब की सब महिला ही हैं। अब तो शिवहर की जिलाधिकारी की जिम्मेदारी भी एक महिला को सौंपी गई है। पहली बार ऐसा हुआ है कि चारों राजनीतिक पदों के साथ-साथ ब्यूरोक्रेसी की सबसे बड़े ओहदे पर महिला को आसीन कराया गया। बहरहाल, संभवतः ये पहला जिला है, जहां सबसे अधिक महिला अफसर कार्यरत हैं।

शिवहर की पहली महिला डीएम की पोस्टिंग

शिवहर जिले के इतिहास में पहली बार दो दिन पहले ही महिला डीएम आईएएस प्रतिभा रानी की पोस्टिंग हुई है। पिछले महीने संपन्न विधानसभा चुनाव में शिवहर विधानसभा से पहली बार बतौर महिला विधायक डॉ श्वेता गुप्ता विधायक बनीं हैं, जबकि लवली आनंद सांसद हैं। खास बात ये कि शिवहर से विधान पार्षद रेखा कुमारी भी महिला ही हैं। यानी, सांसद, विधायक, विधान परिषद और डीएम पर फिलहाल आधी आबादी का कब्जा है।

महिला अफसरों की शिवहर में बोलबाला

शिवहर में जिला खेल पदाधिकारी सह डीटीओ दीक्षा भगत हैं। वहीं, अन्य महिला अफसरों में डीएओ प्रीति कुमारी, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ अनुराधा कुमारी रंजन, नगर कार्यपालक पदाधिकारी नीलम श्वेता, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्वेता सुमन, डीपीओ, आईसीडीएस किसलय शर्मा, जिला कल्याण पदाधिकारी रंजना कुमारी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी सुनीता सोनू हैं। सहायक निदेशक दिव्यांगजन शुभांगी सिंह, शिवहर सीओ अनामिका कुमारी, पुरनहिया सीओ पल्लवी कुमारी, डुमरी कटसरी सीओ मोना कुमारी और पिपराही सीओ तरूलता हैं।

इन पदों पर भी महिला अफसरों की तैनाती

शिवहर राजस्व पदाधिकारी पल्लवी ठाकुर, निधि झा, आईसीटीसी काउंसलर केबीसी फेम मधुबाला, उद्यान वैज्ञानिक डॉ संचिता घोष, डीपीओ, सर्व शिक्षा अभियान नेहा रानी, तरियानी बीईओ अरुणा कुमारी, शिवहर एमओ खुशबू पुरम, आत्मा की उपनिदेशक शिखा आनंद, जिला कृषि विपणन पदाधिकारी सुमन प्रिया, सहायक निदेशक (शष्य) शगुफ्ता यासमीन, सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर, पुल निगम रूबी रानी, डीपीओ हेल्थ मुक्ता भारती और महिला थानाध्यक्ष कल्याणी कुमारी हैं।

हजारीबाग में डॉक्टर जमील के घर में एनआईए का छापा, सामान जब्त

हजारीबाग। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह हजारीबाग में मौजूद आतंकी नेटवर्क के लिंक्स और टेरर फंडिंग के एक व्यापक मामले की जांच के सिलसिले में छापेमारी की है। एनआईए ने फिलहाल डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। एनआईए ने हजारीबाग जिले के पेलावल थाना क्षेत्र के अंसार नगर इलाके में दांत के डॉक्टर जमील के घर पर छापेमारी की है, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एनआईए की टीम सीआरपीएफ के जवानों के साथ पहुंची और तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई घर में संदिग्ध गतिविधियों की जांच के संबंध में की गई है। सुरक्षा एजेंसी को पिछले कुछ समय से अंसार नगर क्षेत्र में संदिग्ध आवाजाही और कुछ डिजिटल संपर्कों के बारे में इनपुट मिल रहा था। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों ने इस इलाके में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। प्राथमिक जानकारी से पता चलता है कि कुछ विशिष्ट संचार लिंक और स्थानीय लोगों से मिले इनपुट के आधार पर एनआईए ने यह कार्रवाई की है। एनआईए की टीम को संदिग्धों के घर के अंदर से महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच टीम अब जब्त किए गए सबूतों के आधार पर संदिग्धों के संभावित नेटवर्क, उनके वित्तीय लेनदेन और किसी भी तरह के बाहरी या अंतरराष्ट्रीय लिंक की पड़ताल कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाशोत्सव के लिए प्रभातफेरी 15 से

रांची। खालसा पंथ के संस्थापक सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर से श्री गुरु सिंह सभा के दिशा निर्देशन में अलग-अलग गुरुद्वारों से प्रभातफेरी निकाली जाएगी। श्री गुरु सिंह सभा के महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने गुरुवार को बताया कि मेन रोड गुरुद्वारा से 15 दिसंबर से 22 दिसंबर तक सुबह 4.30 बजे से प्रभात फेरी निकालने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि पटना साहिब में होने वाले श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव और नगर कीर्तन में शामिल होने के लिए संगत का जत्था 24 दिसंबर को पटना श्री हरमंदिर साहिब के लिए रवाना होगा।

11 नक्सलियों पर चार्जशीट, एक करोड़ का इनामी पतिराम शामिल

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राउरकेला (ओडिशा) में हुई चार हजार किलोग्राम विस्फोटक लूट मामले में अहम खुलासा किया है। एनआईए की जांच में पता चला है कि झारखंड और ओडिशा के नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए विस्फोटक की लूट की थी। इस मामले में एनआईए ने 11 नक्सलियों पर चार्जशीट दाखिल किया है। इनमें झारखंड के सारंडा में सक्रिय एक करोड़ इनामी नक्सली पतिराम मांझी उर्फ अनल, जरजा मुंडा, पिंटू लोहरा, लालजीत, शिवा बोदरा, अमित मुंडा, सुखलाल मुंडा, रवि, राजेश, सोहन और अप्टन शामिल हैं। एनआईए ने अपनी जांच में पाया कि ये आरोपित लगभग 200 विस्फोटक पैकेट (एक में 20 किलोग्राम) की लूट की आपराधिक साजिश, योजना और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल थे। उल्लेखनीय है कि लूट गया विस्फोटक झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा से बरामद किया गया था।

वित्त मंत्री ने सदन में पेश की कैग की रिपोर्ट

रांची। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन और भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखा परीक्षा और विनियोग लेखा से संबंधित लेखा परीक्षा की रिपोर्ट 2024-25 (कैग रिपोर्ट) को सदन के पटल पर रखा।

रोजगार पर कोर्ट का हवाला देकर केवल गोलमटोल बातें न करे सरकार : जयराम

रांची। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम महतो ने सदन में झारखंड में 2 लाख 87 हजार रिक्त पदों की नियुक्ति प्रक्रिया कबतक पूरा होगी, इससे संबंधित सवाल उठाया। गैर संकल्प के तहत उठाए गए इस मुद्दे पर जयराम ने कहा कि वे हर बार सदन में सवाल उठाते हैं, लेकिन बारझबार विभागीय जबाव में मामला विचाराधीन या प्रक्रियाधीन है बताकर मामले को टाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट तौर पर बताए कि राज?य में रिक्तियों को कबतक पूरा किया जायेगा। इसपर कार्मिक प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग के प्रभारी मंत्री दीपक बिरूआ ने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता से नियुक्तियां कर रही है। नियुक्ति पत्र भी बांट रही है। अबतक 26 हजार नियुक्तियां सरकार ने की है और आगे भी नियुक्ति का दौरा जारी रहेगा। इसपर जयराम महतो ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र से दूसरे देश में मजदूरी करने गए, 10-12 लोगों की अबतक मौत हो गई है। वे वहां कोई आईएएस या आईपीएस की नौकरी करने नहीं गए थे, बल्कि मजदूरी का काम करने गए थे। लेकिन उस समय काफी दुख होता है जब विदेश से एक मजदूर अपने घर में फोन कर वहां हो रही गोलीबारी की खबरें सुनता है और अपनी अंतिम फोटो, मृत्यु होने से कुछ ही समय पहले व्हाट्सअप पर भेजता है।

केंद्रीय राशि के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में हुई नोक-झोक, मंत्री ने कहा

मिलने के लिए समय नहीं देते केंद्रीय मंत्री

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन गुरुवार को केंद्रीय राशि के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर नोक-झोक हुई। मामले को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से अधिकारियों की टीम को दिल्ली जाकर मिलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बार-बार कहा जाता है कि केंद्रीय राशि के लिए विपक्ष सहयोग करे, लेकिन जब उन्होंने इस मामले की पड़ताल की तो पता चला कि केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली राशि को लेकर कुछ गाइडलाइन होते हैं जिसका पालन करना राज्य के लिए जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गाइडलाइन की जगह राज्य सरकार ने खुद की अपनी गाइडलाइन बना ली इस वजह से केंद्र और राज्य के बीच राशि को लेकर सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रही है। बाबूलाल ने कहा कि वे भी जब क्षेत्र में जाते हैं तो पंचायतों में मुखिया पैसे की कमी की बात कहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से एसटी और एससी के बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राशि को लेने के लिए केंद्र सरकार की कुछ शर्तें होती हैं, जिसे राज्यों को पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि राशि को लेकर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर या ग्रामीण विकास मंत्री या जरूरत पडे तो मुख्यमंत्री को दिल्ली जाना चाहिए और इस मामले पर केंद्रीय मंत्रियों से बैठकर मामले को सुलझाना चाहिए। इस मामले में हमसभी सहयोग को तैयार हैं।

नेता प्रतिपक्ष को दी गई है गलत सूचना : मंत्री

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे सरकार की ओर से कई बार सुन चुके हैं कि 15 में वित्त आयोग की राशि केंद्र की ओर से नहीं दी जा रही है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष प्रश्नकाल के दौरान यह मामला उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या यह मामला अनुपूरक बजट से संबंधित है, यदि नहीं है तो प्रश्नकाल को चलने देना चाहिए। वहीं मामले पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को किसी ने इस संबंध में गलत सूचना दी है। उन्होंने कहा कि वे 15 में वित्त आयोग के पैसे के लिए पिछले एक वर्ष से प्रयास कर रही हैं। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार को कई बार उन्होंने पत्राचार भी किया है। उन्होंने कहा कि 15 में वित्त आयोग के 2700 करोड रुपये के लिए केंद्र सरकार की ओर से शर्तें रखी गई थीं, जिसे हमारी सरकार ने पूरा किया। इसे लेकर विभाग के सचिव और निदेशक के साथ पिछले छह माह से दिल्ली जाकर भी केंद्रीय मंत्रियों से मिलने की कोशिश की, लेकिन मामले में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री मिलने का समय ही नहीं देते हैं। मंत्री ने कहा कि राशि को लेकर केंद्र सरकार की बाद में लगाई गई चार शर्तों को भी हमारी सरकार ने पूरा किया। बावजूद इसके केंद्र की ओर से राशि नहीं दी जा रही है। विभागीय मंत्री ने कहा कि 24 नवंबर को उन्होंने दूरभाष पर भी बात कर केंद्रीय मंत्री से 15वें वित्त आयोग के 1385 करोड़ रुपये देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने इसे लेकर दिल्ली में केंद्रीय सचिव विवेक भारद्वाज से मिलकर राशि देने का आग्रह किया था। इस पर उन्होंने राशि जल्द मुहैया कराने की बात कही, लेकिन फिर भी केंद्र सरकार की ओर से अब तक राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि अफसोस की बात है कि केंद्र सरकार की ओर से जानबूझकर राशि नहीं दी जा रही है।

कांग्रेस कोटे के मंत्री-विधायक में नोकझोंक

5 लाख रु. कमीशन देने पर भी काम नहीं हुआ!

बाबूलाल ने पेश की ऑडियो सीडी

रांचीः झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच जमकर टकराव हुआ। सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई, जहां कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल उठाए गए और गरमागरम बहस देखने को मिली।

कमीशन विवाद और ऑडियो क्लिप की जांच की मांग

प्रश्नकाल शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रामगढ़ की विधायक ममता देवी और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बीच कथित नोक-झोंक और कमीशन के मामले को जोर-शोर से उठाया। मरांडी ने आरोप लगाया कि ममता देवी ने यह बात सार्वजनिक रूप से कही कि कमीशन देने के बावजूद काम नहीं हो रहा है। उन्होंने इससे संबंधित एक ऑडियो सीडी सदन के सामने रखी और इसकी फोरेंसिक जाँच कराने की मांग की ताकि सच्चाई सामने आ सके। इस आरोप पर, संसदीय कार्य मंत्री और कांग्रेस विधायक राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी का आंतरिक मामला है और पार्टी के वरिष्ठ नेता इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

झारखंड में मतदाता सूची मैपिंग में तेजी : 65 प्रतिशत काम पूरा

एसआईआर में दस्तावेजों का झंझट होगा कम!

रांची : झारखंड में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं का विगत एसआईआर के मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य 65 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में 70 प्रतिशत मतदाताओं का मैपिंग किया जा चुका है। उन्होंने शहरी क्षेत्र के मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे विगत एसआईआर के मतदाता सूची में अपना नाम ढूंढने में सहयोग करें। के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाताओं को विगत एसआईआर में नाम ढूंढने में सहायता के लिए एक ट्यूटोरियल वीडियो जारी किया गया है। इस वीडियो ट्यूटोरियल की सहायता से मतदाता, भारत निर्वाचन आयोग अथवा संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के वेबसाइट पर जाकर भी विगत एसआईआर के मतदाता सूची में नाम ढूंढ सकते हैं।

मतदाता सूची से मैपिंग में कठिनाई के परेशान न हो

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विगत एसआईआर के बाद राज्य में अन्य राज्यों से आए मतदाता और जिन मतदाताओं का विगत एसआईआर वाले मतदाता सूची से मैपिंग में कठिनाई आ रही है वो चिंतित न हों। वे अपने संबंधित राज्य के सीईओ वेबसाईट अथवा भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाईट का उपयोग करते हुए अपना अथवा अपने परिजनों का विवरण का प्रयोग कर ढूंढ सकते हैं। वहीं झारखंड के मतदाता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के वेबसाइट का उपयोग कर अपना अथवा अपने परिजनों का विवरण ढूंढ सकते हैं।

1950 पर कॉल कर हेल्पडेस्क मैनेजर से संपर्क करें

के. रवि कुमार ने कहा है कि वैसे मतदाता जो विगत के एसआईआर की मतदाता सूची में विवरण नहीं ढूंढ पा रहे वे 1950 पर कॉल कर हेल्पडेस्क मैनेजर से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि अधिक से अधिक पैतृक मैपिंग से एसआईआर के समय कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज समर्पित करना पड़ेगा और प्रक्रिया में आसानी आएगी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के दौरान कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे ध्यान में रखकर कार्य करें।

एक नजर

अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए लोगों को मिलेगा तिलैया नहर का पानी : मंत्री हसन

रांची। अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए तिलैया नहर का पानी स्थानीय लोगों को मिलेगा। इस योजना का डीपीआर यूडीपीएल के तहत तैयार किया रहा है। अंडरग्राउंड पाइपलाइन का उपयोग करने से स्थानीय लोगों से भूमि अधिग्रहण का झंझट नहीं रहेगा। ग्रामीण अपनी जमीन योजनाओं के लिए नहीं देना चाहते हैं। यह बातें जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को कही। उन्होंने कहा कि 1948 में डीवीसी का गठन हुआ था, लेकिन उस समय डीवीसी को ही सभी अधिकार दे दिए गए। उन्होंने बताया कि तिलैया डैम 1953 में बना था और उस समय के शर्तों के मुताबिक डैम के 246 एमटीएम जल का उपयोग झारखंड को करने का अधिकार दिया गया था। इस मामले को अल्प सूचित प्रश्न के तहत बरकटठा से भाजपा के विधायक अमित कुमार यादव ने उठाया था। उन्होंने सरकार से कोडरमा जिले के तिलैया नहर योजना के निर्माण कार्य के लिए जल्द डीपीआर बनाने की मांग की थी। विधायक ने कहा कि तिलैया नहर योजना का निर्माण कार्य 1950 से ही विचाराधीन है। इसे लेकर वर्ष 2014-15 में डीपीआर बनाने का निर्णय लिया गया था। लेकिन यह अब तक नहीं बन सका है। उन्होंने कहा कि डीवीसी के सभी डैम झारखंड में बने हैं, लेकिन यह दुखद है कि इन डैमों से सिंचाई का कार्य झारखंड के किसान नहीं कर सकते हैं। डीवीसी के डैम के पानी का इस्तेमाल पश्चिम बंगाल करता है।

भी.पी.एफ. की बकाया राशि की किस्त सितंबर के वेतन के साथ भुगतान की जाएगी : लीलाधर

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियनकी कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के महामंत्री तथा इंटक के राष्ट्रीय सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि भी.पी.एफ. की बकाया राशि की किस्त सितंबर माह के वेतन के साथ आगामी वेतन भुगतान में दे दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रबंधन पहले ही कार्यालय आदेश जारी कर चुका है जिसमें स्पष्ट किया गया था कि वेतन भुगतान के समय ही भी.पी.एफ. राशि की किस्तें मिलेंगी। लीलाधर सिंह ने भरोसा दिलाया कि 2018 बैच के तकनीकी कामगारों का प्रमोशन समय पर ही मिलेगा, इसमें घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिति कमजोर रहने और पूर्व निदेशक कार्मिक की कुछ तकनीकी भूलों के कारण केंद्र सरकार ने अस्थायी रोक लगाई थी, परंतु प्रबंधन जल्द ही इस त्रुटि को सुधार लेगा। महामंत्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में एकमात्र समाधान अनवरत उत्पादन है। उन्होंने स्पष्ट कहा, भारत सरकार से कोई आर्थिक सहयोग नहीं मिलेगा, न बैंक से वित्तीय सहायता। जमीन बेचने की भी अनुमति नहीं है। ऐसे समय में किसी भी बहकावे में न आकर पूरी तन्मयता से उत्पादन में लगना ही उद्योग और कामगार दोनों के हित में है। उन्होंने यह भी बताया कि कामगारों को हर माह मेहनत का पारिश्रमिक मिलना चाहिए, परंतु वेतन का स्रोत उत्पादन और उत्पादित सामान की बिक्री ही है। वहीं, बैंक हर माह करीब तीन करोड़ रुपये ब्याज में काट लेता है, इसलिए कामगारों को समझदारी से काम करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि एक दिन की बंदी या प्रदर्शन से कामगारों का ही नुकसान होगा और एच.ई.सी. जैसे पहले ही संकटग्रस्त उद्योग के लिए यह और अधिक हानिकारक हो सकता है। लीलाधर सिंह ने बताया कि ठेका कामगारों का नया अनुबंध जनवरी में हो जाएगा, और मार्च तक उत्पादन बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के उपाध्यक्ष गिरीश कुमार चौहान ने की। राजेन्द्र कान्त महतो, भोला साव, दिलीप कुमार, जगन्नाथ राम, दिलीप सिंह, खुर्शीद आलम, राममोहन बैठा, अनूप, सुधीर कुमार मिश्र, अजय सिंह, सी.एस. दास सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

सदन में कुशवाहा मेहता-देवेंद्र कुंवर ने उठाया ओबीसी आरक्षण का मुद्दा

रांची। विधानसभा शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को राज्य में ओबीसी आरक्षण शून्य करने से संबंधित मामले को भाजपा के विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता और विधायक देवेंद्र कुंवर ने गैर संकल्प के तहत सदन में उठाया। इसपर विभाग की ओर से तीन प्रभारी मंत्रियों दीपक बिरूआ, सुदिव्य कुमार और राधाकृष्ण किशोर ने बारी बारी से जवाब दिया। मामले पर मंत्री राधा कृष्ण ने कहा कि ओबीसी आरक्षण मामले में हेमंत सरकार भी चिंतित है। मामले पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इसके पूर्व विधायक देवेंद्र कुंवर ने मामला को उठाते हुए कहा कि संथाल परगना प्रमंडल में पिछड़ों और अति पिछड़ों की आबादी कुल आबादी का 60 प्रतिशत से अधिक है। लेकिन आरक्षण शून्य होने से इस बड़ी आबादी का अस्तित्व खतरे में है। वहीं मामले में विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि ओबीसी की आबादी हझारखंड की कुल आबादी का 55 प्रतिशत है, लेकिन इस वर्ग को केवल 14 प्रतिशत आरक्षण का ही लाभ दिया जा रहा है। राज्य के कई जिलों में ओबीसी वर्ग का आरक्षण शून्य कर दिया गया है। कुशवाहा ने कहा की हेमंत सरकार ने चुनावी घोषणा में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण करने की घोषणा की थी। इसपर प्रभारी मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि 2022 में कोर्ट के निर्णय को देखते हुए आरक्षण को बढाकर 27 प्रतिशत किया गया था। बाद में इसपर कोर्ट का हस्तक्षेप हुआ। उन्?होंने कहा कि हमारी सरकार ने केंद्र सरकार के समक्ष ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की मांग को भेजा है। वहां से रिपोर्ट आते ही आरक्षण को बढाकर 27 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसपर कुशवाहा ने कहा कि चुनाव के समय राज्य सरकार की ओर से जिस तरह बड़ीझबड़ी बातें कही गईं। आरक्षण बढ़ाने की घोषणा हुई तब तो सरकार ने केंद्र सरकार का हवाला देकर घोषणा नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मंत्री बताएं कि कब तक इस कार्य को सरकार पूरा कर लेगी। इसके बाद प्रभारी मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने जब अपने कार्यकाल में ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत किया तब क्या झामुमो से पूछकर किया था। इस बीच स्पीकर ने हस्तक्षेप किया। साथ ही मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने भी कहा कि सदस्य कुशवाहा जितनी उम्मीद से मामले पर गंभीरता दिखा रहे हैं। हेमंत सरकार भी उतनी ही गंभीरता से इसपर ठोस निर्णय लेने को चिंतित है। इसे निश्चित रूप से किया जाएगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

रांची-लोहरदगा सवारी गाड़ी के फेरे बढ़ाने की मांग

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की इस मुलाकात के क्रम में सेठ ने रांची को दी जा रही रेल परियोजनाओं के लिए उनके प्रति आभार जताया और रांची में रेल यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर आग्रह पत्र भी सौंपा।

अपने पत्र में सेठ ने कहा कि झारखंड की राजधानी होने के कारण रांची से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। कई शहरों से सीधे कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण उन्हें बड़ी समस्या होती है। इसके समाधान हेतु विभिन्न ट्रेनों के परिचालन और फेरे बढ़ाने जैसे विषयों की तरफ सकारात्मक पहल आवश्यक है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि रांची से आनंद विहार को जाने वाली हटिया आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस (ट्रेन नं.-12825/12826) का विस्तार जयपुर तक किया जाए। इससे झारखंड और राजस्थान की कनेक्टिविटी सुगम हो जाएगा। रांची से अहमदाबाद के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू किया जाए। इससे देश के कई राज्यों की कनेक्टिविटी हो सकेगी। इस ट्रेन के परिचालन से आम जनता का आवागमन भी सुगम हो सकेगा। रांची से लोहरदगा के लिए एक पैसेंजर ट्रेन चलती है। इस पैसेंजर ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग सुगम यात्रा कर सकें। इसकी मांग भी क्षेत्र की जनता लंबे समय से कर रही है। रांची, सिल्ली, मुरी के लिए भी एक नई मेमू ट्रेन के परिचालन की आवश्यकता है। प्रतिदिन इन क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, नौकरी-पेशा से और व्यवसाय से जुड़े रांची आवागमन करते हैं। ऐसे में नई मेमू ट्रेन का परिचालन यात्रा को और भी सुगम बनाएगा। हटिया-सांकी पैसेंजर/एक्सप्रेस (ट्रेन नं०-58663/58664/58665/58666) का विस्तार बरकाकाना-हजारीबाग टाउन तक किया जाए। ऐसा किए जाने से आम जनता की यात्रा कम खचीर्ली और सुगम हो सकेगी। बड़ी आबादी इससे लाभान्वित होगी। रक्षा राज्य मंत्री ने रेल मंत्री से रांची बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में तीन दिन वाया बक्सर होते हुए चलाने का आग्रह किया। उसके अतिरिक्त धरती आबा एक्सप्रेस, हटिया पुने एक्सप्रेस, हटिया एलटीटी एक्सप्रेस, हटिया बेंगलुरु एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जाने का भी आग्रह सेठ ने रेल मंत्री से किया है। सेठ ने मंत्री से कहा कि क्षेत्र की जनता की भावनाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए उपरोक्त मांगों पर आवश्यक कार्यवाही कर, दिशा निर्देश जारी किया जाए।

कोयला खदान से उड़ती धूलकण पर पानी छिड़काएगी सरकार : योगेंद्र

रांची। सदन में प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि अब सभी कोयला खादान या आसपास की सड़कों पर वाहनों के चलने के कारण निकलती और उड़ती धूलकण को देखते हुए क्षेत्र की सड़कों में सुबहझशाम टैंकर से पानी का छिड़काव होगा। इसके साथ ही कोयला ढुलाई करने वाले वाहनों को हर हाल में त्रिपाल ढकने के निर्देश दिया जाएगा। ताकि लोगों को उड़ते धूलकण से श्वांस से संबंधित बीमारियों से जूझना नहीं पड़े। मंत्री विधानसभा के शीताकलीन सत्र के दौरान गुरुवार को दूसरी पाली में झामुमो के विधायक हेमलाल मुर्मू की ओर से लाए गए गैर संकल्प के तहत पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पाकुड़ जिला के अमडापाड़ा प्रखंड में कोयला खादान का धूल पूरे क्षेत्रवासियों को प्रभावित करता है। स्थानीय लोग टीबी (यक्ष्मा), हृदय रोग, अस्थमा सहित अन्य श्वांस से संबंधित बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र आदिवासी बहुल है। इसलिए सरकार कोयला खादान से होनेवाले प्रदूषण को रोकने की दिशा में समुचित कदम उठाए। इसपर मंत्री ने जबाव देते हुए कहा कि जो बातें सदन में आई हैं। उसपर राज्य सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

ठंड का तोहफा 2.0 : सर्दी की सौगात

दृष्टि व झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ का सेवा अभियान

रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि आज दृष्टि संगठन के स्वयंसेवकों ने अरगोड़ा चौक पर ठंड का तोहफा 2.0 : सर्दी की सौगात शीतकालीन सहायता अभियान का सफल आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सर्द मौसम में समाज की सेवा में लगे लोगों तक गर्मजोशी और सहयोग पहुँचाना था।

यह कार्यक्रम दृष्टि के सह-संस्थापक शुभांशु शेखर शुक्ला के मार्गदर्शन तथा चैप्टर लीड आदित्य सुनार के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें ऑटो और रिक्शा चालकों–विशेषकर महिला रिक्शा एवं पिंक ऑटो ड्राइवरों–को गर्म स्कार्फ, दस्ताने और भोजन पैकेट वितरित किए गए। दिशा और दामिनी (महिला सशक्तीकरण) पहल के तहत किए गए इस वितरण ने न केवल ठंड से राहत दी, बल्कि इन महिलाओं के दैनिक समर्पण, मेहनत और साहस का सम्मान भी किया। लाभार्थियों ने इस सहयोग को गर्मजोशी से स्वीकार किया, और पूरे कार्यक्रम में कृतज्ञता व सौहार्द का माहौल बना रहा।

इस सेवा अभियान को सफल बनाने में स्वयंसेवक पियूष श्रीवास्तव, तनु कुमारी, श्रृष्टि पुष्कर, शिवांगी तिवारी, मोहित कुमार सहित कई अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सामूहिक प्रयास ने समाज सेवा, संवेदनशीलता और सकारात्मक बदलाव के प्रति दृष्टि की निरंतर प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया।

आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं को सफल बनाई जाए : उप विकास आयुक्त

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला: उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की विस्तृत उपायुक्त के आदेश पर बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, निर्माण कार्यों तथा जनकल्याण कार्यक्रमों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई और त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता गुमला, निदेशक डी आर डी ए , सिविल सर्जन गुमला, एसडीओ चैनपुर, बसिया,एल आर डी सी गुमला, बसिया सहित सभी विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले के 106 आयुष्मान मंदिरों तक पहुंच मार्ग दुरुस्त नहीं है। इस महत्वपूर्ण

विषय पर विस्तार से चर्चा की गई और संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी स्थलों का सर्वेक्षण कर पहुंच मार्ग निर्माण की सूची तैयार करें तथा निर्माण हेतु आवश्यक एस्टीमेट बनाकर प्रस्तुत करें। साथ ही आयुष्मान कार्ड एवं सिकल सेल अभियान की समीक्षा करते हुए सभी बीडीओ एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करें।

कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं, धूमकुड़िया भवन, सरना-मसना स्थल, छात्रवृत्ति योजनाएं एवं ग्रामीण कल्याण अस्पताल नागफेनी के मरम्मत कार्यों की समीक्षा की गई। धूमकुड़िया भवन निर्माण हेतु सभी अंचल अधिकारियों को उपयुक्त भूमि चिन्हित कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के लाभुकों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने एवं छात्रवृत्ति योजना के तहत मैपिंग में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। उप विकास आयुक्त ने बैंकों को यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया।

एम आई योजना अंतर्गत लंबित आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सभी अंचल एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में गति लाने का निर्देश भी दिया गया। जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में 82 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की गई। संबंधित विभागों को लंबित कार्यों के तुरंत निष्पादन और भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान के निर्देश दिए गए।

अंचल स्तरीय योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अंचल कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी और प्राथमिकता के साथ निष्पादन किया जाए, ताकि नागरिकों को समयबद्ध सरकारी सेवाएं उपलब्ध हों। इसके अतिरिक्त उप विकास आयुक्त द्वारा अन्य कई विभागों अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई, जिसमें बिजली विभाग, पी एच ई डी , कृषि विभाग, उद्यान, भूमि संरक्षण आदि अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

गुमला नगर परिषद की टीम की बड़ी कार्रवाई,

नवप्रदेश, गुमला: उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में नगर परिषद गुमला की स्वच्छता एवं प्रवर्तन टीम ने आज विशेष जांच अभियान चलाते हुए बाजार क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान टीम ने दुकानों एवं गोदामों की तलाशी में कुल 133 बंडल प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किए एवं 2000 रुपये का आर्थिक दंड भी वसूला गया। नगर परिषद द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद भी कई दुकानदार प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का उपयोग और बिक्री कर रहे थे। इसी के मद्देनजर परिषद ने सख़्ती दिखाते हुए यह कार्यवाही की।नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक प्रतिबंध के नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना एवं आगे और कठोर कार्रवाई की जाएगी।नगर परिषद ने आम नागरिकों और व्यापारियों से भी अपील की है कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग तुरंत बंद करें और पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का प्रयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा रांची ग्रामीण जिला का संगठनात्मक चुनाव संपन्न

नवप्रदेश, मांडर: भारतीय जनता पार्टी के रांची ग्रामीण की विशेष बैठक गुरुवार को टाटीसिलवे के पताला पेंट सभागार में आयोजित की गई। चुनाव प्रभारी पूर्व सांसद भवन राम जी की गरिमा में उपस्थिति में यह चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई तथा बब्लु गोप को मांडर मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विनय महत्व,धीरज उपाध्यक्ष मनोज चौधरी,सुधाकर चौबे महामंत्री नरेंद्र सिंह,प्रीतम साहू महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।उनके निर्वाचन पर मांडर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी व भाजपा नेता सन्नी टोप्पो जिला मंत्री रामकुमार दुबे पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर पूर्व सांसद सुदर्शन भगत,कृष्ण मोहन विजय खलखो ,हेमंत कुमार ,मुकेश प्रसाद रामबालक ठाकुर, शिवा गोप अब्दुल रहमान आकाश कुमार सहित अन्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सिल्ली में शिक्षक शिक्षिकाओं की मासिक गुरू गोष्ठी सम्पन्न

नवप्रदेश, सिल्ली: एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय सिल्ली में बुधवार को शिक्षक शिक्षिकाओं की मासिक गुरू गोष्ठी सम्पन्न हुई । जिसमें शिक्षक शिक्षिकाओं को मध्याह्न भोजन , दैनिक एसएमएस शत–प्रतिशत , एन आई एल पी , उल्लास , रसोईया का मास्टर डाटा का विवरण , स्वच्छ विद्यालय , सीएमसी की मासिक बैठक आदि से संबंधित जानकारी दी गई । साथ ही साथ अन्य कई आवश्यक सुझाव एवं दिशा–निर्देश भी दिए गए । मौके पर बीपीओ मनोज कुमार , डीडीओ सुधांशु प्रमाणिक तथा प्रदीप कुमार महतो , शोभा सिंह , प्रेम किशोर महतो , रजनी रानी बाड़ा , संगीता टोप्पो एवं अन्य तथा सभी सीआरपी आदि समेत प्रखंड के विद्यालयों के प्रधान शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया ।

मांडर पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवप्रदेश, मांडर: मांडर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले का खुलासा करते हुए गुरुवार को एक युवक को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लोहरदगा थाना क्षेत्र के 19 वर्षीय जयंत भगतके रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, विगत 6 दिसंबर को ब्राम्बे स्थित साप्ताहिक हाट से जाहेर निवासी बाबूलाल लोहरा की पैशन प्रो मोटर साईकल JH 01DB - 9274 अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी, इसकी लिखित शिकायत मांडर थाने को दी गई थी, मांडर पुलिस ने गुप्त सुचना के आधार पर मांडर थाना क्षेत्र के कैम्बो ग्राम से उक्त मोटर साईकल के साथ जयंत भगत को गिरफ्तार कर लिया।

राहे से मेघनाथ महतो, सोनाहातू से खगेश महतो, बारेंदा से सुभाष महतो भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोनीत

सोनाहातू/राहे: भाजपा झारखंड प्रदेश के निदेर्शानुसार पूर्व सांसद घुरन राम ने भाजपा राहे मंडल से मेघनाथ महतो, सोनाहातू से खगेश महतो,बारेंदा से सुभाष महतो,को मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है। मंडल अध्यक्ष मनोनीत के बाद संगठन में मजबूती आयेगी। तीनों मंडल पर अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ, ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने बधाई दिया है।

जिंदगी की न टूटे लड़ी, रक्तदान कर लो घड़ी दो घड़ी : अशोक

नवप्रदेश, गुमला: जिला के जाने माने समाजसेवी शानदार बेजोड़ एनाउंसर ,खेल प्रेमी रक्तदान करने वाले शतकवीर अशोक त्रिपाठी ने फिर एक बार मानवता का परिचय देते हुए रिंची हॉस्पिटल रांची में अपने मित्र घाघरा निवासी शैलेस सिंह की ग्यारह वर्षीर्या बेटी के लिए रक्तदान किया।विदित हो कि पिछले वर्ष 2024 में भी इन्होंने 6 दिसम्बर को रक्तदान करने के बाद 17 दिसंबर को अपना 117 वा रक्तदान अपने मित्र शास्त्री नगर निवासी सुरेन्द्र साहू के कार एक्सीडेंट होने पर किया था रक्तदान को मानवता का परम आभूषण मानने वाले और आज अपना 122 रक्तदान महादान करने वाले अशोक त्रिपाठी का कहना है कि जानकारी होने पर यदि मित्र के काम न आ सका तो हमारी बेकार जिंदगानी है। इतना ही नहीं इन्होंने पिछले कई वर्षों से बिना कोई संकोच के जाति धर्म से ऊपर उठकर सैकड़ो लोगों को अपना रक्त का दान किया है और कई जिंदगियों को बचाने का कार्य क्या है इन्होंने कहा है कि रक्तदान करने से शरीर में किसी तरह का कोई कमजोरी और ना कोई परेशानी होती है सिर्फ आदमी का सोच और वह भी बिना तथ्य के होने से लोग रक्तदान करने में आनाकानी करते हैं मैं सभी लोगों से अपील करता हूं वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य रक्तदान जरूर करें।

सड़क दुर्घटना में कुंजला के युवक की मौत

नवप्रदेश, खूंटी: खूंटी– सिमडेगा मुख्य मार्ग पर अंगराबारी स्वास्थ्य उप केंद्र के पास बुधवार की देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दिलीप कुमार नामक 24 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक मुरहू थाना क्षेत्र के कुंजला गांव का रहने वाला। वैसे मूल रूप से उसका परिवार कर्रा थाना क्षेत्र के घासीबारी गांव का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार दिलीप कुमार अपने दोस्तों के साथ कृष्णा ढाबा में किसी का जन्मदिन मना कर वापस अपनी बाइक से कुंजला लौट रहा था। बाबा आमरेश्वर धाम के पहले स्वास्थ्य उप केंद्र के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इससे घटनास्थल पर ही दिलीप कुमार की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मुरहू थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया।

आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण वार्ड नंबर 9 आजाद बस्ती में तेज गति से किया जा रहा है

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला: आयुष्मान भारत कार्ड बनाने हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता आजाद बस्ती डीलर मुनव्वर जमा, सहिया सय्यदा खातून की अध्यता में यह कैम्प वार्ड के राशन डीलर के दुकान पर लगाया गया, जहाँ वार्ड नंबर 9 की 02 राशन डीलर शबनम खातून, मंनौववर जमा की राशन कार्ड धारियों की लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनवाने का कार्य सदर अस्पताल गुमला के आयुष्मान मित्र फ्लेमिंग बरला द्वारा किया गया।

कैम्प के दौरान लोगों को सहिया सय्यदा खातून नें आयुष्मान भारत योजना के महत्व, इसके लाभ तथा इसका कार्ड बनवाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी । अधिक से अधिक परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें, इसी उद्देश्य से वार्ड में यह पहल की गई।

स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक कैम्प में भाग लिया और बड़ी संख्या में लाभुकों ने अपना कार्ड बनवाया। आयुष्मान कार्ड एवं आभा कार्ड बनवाने का कार्य को सफल बनाने में मुख्य रूप से सभी लोगों नें मुख्य रूप से भूमिका निभाया और यह कार्य समय 4:00 बजे तक चला,वार्ड के आमजन ने इस पहल के लिए संबंधित टीम का आभार व्यक्त किया! जिसमें मुख्य रूप से वार्ड नंबर 9 की सहिया परवीन नाज एवं सभी कार्डधारी उपस्थित थे।

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

नवप्रदेश संवाददाता

मांडर : मांडर के कंदरी स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के अंतगर्त सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कन्दरी, माण्डर, राँची में दिनांक 11एवं 12 दिसंबर को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।गुरुवार दिनांक 11 दिसंबर को अतिथि के रूप में अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर एवं शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर, महाविद्यालय की उप-प्रचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय, प्रो० डॉ० सुदेश कुमार साहू, डी०एस०डब्लू० (राँची विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड), श्रीमति आर० कृष्णावेनी, डॉ० एकान्स देबुका (राँची), प्रो० डॉ० सुधा देवी एम० (रिम्स,राँची) उपस्थित थे इनके द्वारा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किय। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय ग्लोबल पर्सपेक्टिवस एंड प्रेक्टिसेस इन ट्रांसफॉर्मिंग नर्सिर्सः वर्ल्डवाईड स्कोप एंड

अपोर्चुनिटिजह्न, था। इस कार्यक्रम में सभी व्याख्याताओं ने अपना-अपना विचार व्यक्त कर उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभागियों को लाभान्वित किया।

इस कार्यक्रम में पोस्टर प्रजेन्टेशन भी किया गया, प्रतिभागियों के रूप में छात्र पल्लव कुमार, प्रकाश कुमार तथा आनन्द कुमार ने पोस्टर के माध्यम से नर्सेस के ट्रासफामिंग पर प्रकाश डाला। साथ ही संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक । कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण भी भाग लिए तथा कार्यक्रम से लाभ उठाए। कार्यक्रम में इस ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर, शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय एवं उप-प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए तथा छात्र-छात्राओं के लिए मार्गदर्शन दिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव एवं शिक्षकगण अंजेला गाड़ी, रश्मि तिर्की, गोपाल तिर्की, प्रतिमा कुजूर, मो० अब्दाल अन्सारी, चिरंजीव कुमार, मोनिका बाड़ा, पूर्णिमा कुमारी, लवकुश कुमार, संगीता कुमारी, शशिभूषण जायसवाल, मनीषा कुमारी, तुलसी दास, सहित अन्य की भूमिका सराहनीय रही ।

झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन के अध्यक्ष दिलीप कुमार नितेश 17 दिसंबर से 21 दिसंबर तक होगा

नवप्रदेश, गुमला: झारखण्ड प्रदेश राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार नीलेशजी का संगठनात्मक दौरे का कार्यक्रम तय हुआ है, जो इस प्रकार है। आगामी दिनाँक 17 दिसम्बर 2025 दिन बुधवार को बोधगया में बिहार के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहूजी के साथ सामाजिक विचार गोष्ठी सम्मेलन में भाग लेंगे,19 दिसम्बर 2025 दिन शुक्रवार को दिन के 11:00 बजे कोडरमा में जिला। कार्यसमिति की बैठक की संबोधित करेंगे, तत्पश्चात उसी दिन शाम 4:00 बजे हजारीबाग में जिला कार्यसमिति की बैठक को सम्बोधित करेंगे।दिनांक 21 दिसम्बर 2025 दिन रविवार को गढ़वा में जिला कार्यसमिति की बैठक में भाग लेंगे।उसी दिन कार्यक्रम के पश्चात गुमला आगमन होगा यह जानकारी प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन के संजय कुमार साहू द्वारा दी गई है

एम टी सी डुमरी में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी का औचक निरीक्षण

कुपोषित बच्चों के डाइट सप्लीमेंट एवं स्वच्छता व्यवस्था की सराहना

नवप्रदेश, गुमला: जिला प्रशासन एवं द हंस फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) डुमरी में गुरुवार को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुमला प्रकाश चंद्र गुग्गी के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अति गंभीर कुपोषित बच्चों को दिए जा रहे डाइट, हेल्थ सप्लीमेंट और देखभाल की व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की प्रशंसा की तथा केंद्र में तैनात कर्मियों और पूरे परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को संतोषजनक बताया। उन्होंने उपस्थित कर्मियों को निर्देश दिया कि स्वच्छता पर और भी विशेष ध्यान दिया जाए ताकि बच्चों के उपचार में अधिक प्रभावशीलता लाई जा सके। निरीक्षण के दौरान

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि कुपोषण दूर करने के लिए समुदाय आधारित गतिविधियाँ बेहद आवश्यक हैं।

उन्होंने माताओं एवं परिवारों को पोषण शिक्षा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे शिशु एवं मातृ पोषण को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। वहीं कुपोषण कीट का भी वितरण किया साथ ही उन्होंने कुपोषित बच्चों के खेलने हेतु बनाए गए प्लेयिंग एरिया को देखकर खुशी जाहिर करते हुए कहा इस तरह के खेल गतिविधि के माध्यम से बच्चों में शारीरिक व मानसिक रूप से लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों को हमार पोषण पुस्तिका, आहार विविधता मार्गदर्शिका, तथा काउंसलिंग बुक भी उपलब्ध कराए गए, ताकि जमीनी स्तर पर पोषण संबंधी जागरूकता को और मजबूत किया जा सके।

अमरदीप गोप हत्याकांड का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

नवप्रदेश, खूंटी: तोरपा थाना क्षेत्र के बिलसिरिंग के पास जंगल में एक जून को बरामद शव, (जिसकी पहचान बाद में डूमरगड़ी निवासी अमरदीप गोप के रूप में हुई थी), उस हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अर्जुन मुंडा उर्फ अर्जुन उर्फ बंबईया (उम्र 49 वर्ष) को बुधवार को डूमरगड़ी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। तोरपा, बेड़ो, लापुंग और कर्रा थाने में उसके खिलाफ कुल आठ मामले लंबित हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी से हत्या में प्रयुक्त टीवीएस अपाचे बाइक (जेएच 01एफएक्स-5788), आरोपी का आधार कार्ड, पहचान पत्र, चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड तथा मृतक का एटीएम कार्ड बरामद किया है। गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) क्रिस्टोफर किड्डर ने अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी।

सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान दो वाहनों को जप्त कर गुमला थाना लाया गया

नवप्रदेश, गुमला: गुमला जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 11 नवंबर, 2025 को एक सघन सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। यह पहल उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशों पर की गई, जिसका नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ), ज्ञान शंकर जायसवाल ने डी.ए.बी मोड में इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य उन चालकों पर नकेल कसना था जो बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करके दुर्घटनाओं का कारण बन रहे थे। ओवरलोडिंग टेंपो एवं टोटो वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों को लादना, जो सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।कड़ी कार्रवाई और जागरूकता,अभियान के दौरान, नियम तोड़ने वाले टेंपो और टोटो को पकड़ा गया। विशेष रूप से, ओवरलोड पाए गए दोनों वाहनों को जब्त कर गुमला थाना परिसर में रखा गया है। डीटीओ ज्ञान शंकर जायसवाल ने चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ उन्हें

जागरूक करने पर भी जोर दिया। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से चालकों को लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं के गंभीर परिणामों के बारे में समझाया और उन्हें भविष्य में सभी यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। अधिकारियों की स्पष्ट चेतावनी दी है कि गुमला जिले में सुरक्षित और अनुशासित सड़क परिवहन व्यवस्था स्थापित करने के लिए भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।यह अभियान गुमला जिले में सड़क सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम है, जिसका उद्देश्य जिले के नागरिकों, विशेषकर स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सरस फूड फेस्टिवल 2025 में गुमला की महिलाओं की चमकदार उपस्थिति, सर्वेश्वरी महिला समूह का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवप्रदेश, गुमला: सरस फूड फेस्टिवल 2025 में गुमला जिले के बिशुनपुर की सर्वेश्वरी महिला समूह ने अपनी उत्कृष्ट भागीदारी से झारखंड का मान बढ़ाया। फेस्टिवल में झारखंड की सखी मंडल की दीदियों द्वारा पलाश ब्रांड के अंतर्गत पारंपरिक, स्थानीय एवं स्वादिष्ट खाद्य उत्पादों की आकर्षक प्रस्तुति की गई, जिसे देशभर से आए आगंतुकों ने अत्यंत सराहा।इस अवसर पर सर्वेश्वरी महिला समूह की सदस्य अनीता देवी को नेशनल फूड काउंसलिंभ में उनकी उत्कृष्ट सहभागिता और पलाश उत्पादों के सफल प्रदर्शन के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल समूह के लिए, बल्कि पूरे

गुमला जिले के लिए गर्व का विषय है।गुमला जिला प्रशासन द्वारा महिला समूहों को सशक्त करने, बाजार से जोड़ने एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंच उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों का यह परिणाम है कि ग्रामीण महिलाओं की कड़ी मेहनत, कौशल और उद्यमशीलता आज राष्ट्रीय मंचों पर भी प्रशंसा पा रही है। इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि झारखंड की ग्रामीण महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और गुणवत्ता के दम पर देश के हर बड़े मंच पर अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं।

स्वतंत्रता सेनानी बुली महतो के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : शैलेन्द्र महतो

नवप्रदेश, सोनाहातू: प्रखंड के भकुवाडीह मोड़ पर गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानी बुली महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण सभा का आयोजन किया गया। सभी लोगों के द्वारा बुली महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया।सभा में पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो ने बुली महतो के जीवनी और इतिहास पर एवं कोल विद्रोह में भूमिका को लेकर विस्तार से बताए। देश के आजादी के लिए किस तरह बुली महतो ने घर परिवार छोड़ कर बलिदान दिया,इसकी जानकारी सभा के माध्यम से लोगों को दिए।बुली महतो के संघर्ष की कहानी का कई इतिहास के पुस्तकों में दर्ज है उनकी भी जानकारी दी गई। इन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनके त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कुड़माली भाषा परिषद के अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो ने कहा कि आजादी आसानी से नहीं मिली है,इसके पीछे असंख्य वीरों का संघर्ष निहित है।बुली महतो हमारे प्रेरणा स्रोत है। इसके गांव कोड़ाडीह ऐतिहासिक रूप में विकसित किया जाएगा। सरकारी योजना से गांव को सौन्दर्यीकरण किया जायेगा।इस क्रम में आयोजनकर्ता समाज सेवी धनपति महतो ने स्वतंत्रता सेनानी के परिजनों को सम्मानित किया और कहा कि बुली महतो की जीवनी को गांव गांव तक बताया जायेगा।इस अवसर पर लोक कलाकार रेवती देवी ओर टीम के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र प्रसाद महतो ने किया।मौके पर कुड़माली कवि देवेंद्रनाथ महतो,बनमाली महतो, सत्यनारायण महतो,नीरज कुमार महतो,प्रदीप महतो,राजू महतो, प्रसिद्ध महतो,जगतपाल महतो,सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Ramgarh.

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं०– BCD/EE/RAMGARH/ 31 /2025-26 दिनांक– 11.12.2025

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Repair & Painting work of entire Court Complex & the Complete Boundary wall of the Civil Court, Ramgarh	97,42,600/-	6 (Nine) Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	19.12.2025	
ii	वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	02-01-2026 को अपराह्न 3.00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	03-01-2026 को अपराह्न 3.00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	e- Procurement Cell Office of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Ramgarh.	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	8789037009	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9340378587	

• किसी भी प्रकार का बदलाव http:// jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
• अन्य किसी भी प्रकार की सूचना http:// jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
note: UCAN Registration is mandatory for the bidders.

Nodal Officer
e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Ramgarh.

PR 368279 Building(25-26).D

एम जे एम पब्लिक स्कूल को मिला एजुकेशन बेंचमार्क अवॉर्ड 2025

नवप्रदेश, बोकारो: बोकारो के बिजुलिया स्थित एम जे एम पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया है। गुरुवार को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में आयोजित भव्य समारोह में विद्यालय के निदेशक डॉ. मो. मोईन अंसारी को एजुकेशन बेंचमार्क अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। जैसे ही उनका नाम पुकारा गया, सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ स्कूल एक्रेडिटेशन द्वारा प्रदान किया गया। संस्था ने एम जे एम पब्लिक स्कूल को ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्रणाली लागू करने और नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए चयनित किया है। इसके साथ ही इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क ने विद्यालय के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, उन्नत सुविधाओं और संतुलित शैक्षणिक वातावरण को देखते हुए इसे अपनी विशेष रैंकिंग में शामिल किया है। विद्यालय को यह सम्मान मिलने के बाद शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों में हर्ष और गर्व का माहौल है। निदेशक डॉ. मोईन अंसारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के सभी शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बच्चों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराना ही हमारे विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। अवॉर्ड मिलते ही एम जे एम पब्लिक स्कूल ने न सिर्फ बोकारो बल्कि पूरे राज्य का गौरव बढ़ाया है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्प को लेकर कॉलेज प्रशिक्षुओं ने अलग-अलग परिधान धारण कर इस कार्यक्रम को साकार किया

नवप्रदेश संवाददाता

गिरिडीह: इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शालिनी खोवाला ने पप्रशिक्षूं को संबोधित करते हुए कहा कहा कि आज यह एक साधारण कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। भारत अनेक भाषाओं का देश है, पर हमारी भावना एक है—अनेक भाषाएँ, एक भाव।

हम इस पावन दिन पर महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी की जयंती भी मना रहे हैं। भारती जी केवल महान कवि ही नहीं थे, बल्कि भाषा, स्वतंत्रता और मानवता के अद्भुत प्रहरी थे। प्राचार्य ने महाकवि के कथन को याद कर कहा कि जो भाषा हमें जोड़ती है, वही राष्ट्र को सशक्त बनाती है। उनके शब्द हमें यह संदेश देते हैं कि भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सेतु है—एक ऐसी शक्ति जो हमें सोचने, समझने और एक-दूसरे का सम्मान करने की प्रेरणा देती है। प्राचार्य डॉ खोवाला ने छात्रों से अपील किया कि वो अपनी मातृभाषा का सम्मान करें, अन्य भारतीय भाषाओं को आदर से सीखें, और संवाद को अपना सबसे सशक्त उपकरण बनाएं। भाषाएँ सीखने वाला छात्र हमेशा अधिक संवेदनशील, अधिक समझदार और अधिक सक्षम बनता है। आज का यह उत्सव हमें हमारे बहुरंगी भारत की सुंदरता और एकता का एहसास कराता है। आइए संकल्प लें—हम भाषा के माध्यम से ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रीय एकता को आगे बढ़ाएंगे। अपने उद्बोधन के पश्चात प्राचार्या डॉ खोवाला ने हरी झंडी दिखाकर भाषा उत्सव रैली को रवाना किया। इस दौरान प्रशिक्षुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। प्रशिक्षुओं ने भारत के विभिन्न भाषा को प्रस्तूत करते हुए भाषा अनेक, भाव एक का संदेश दिया।इस कार्यक्रम में डॉ हरदीपजी कौर भी मौजूद रहीं एवं समन्वयककी भूमिका डॉ प्रवीण कुमार मिश्रा व डॉ सुधांशु शेखर जमैयार ने निभाया। इस दौरान सभी सहायक व्याख्यातागण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी व प्रशिक्षु छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लाखों की चोरी का बेंगाबाद पुलिस ने किया खुलासा

नवप्रदेश, गिरिडीह : शहर के प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान के संबंध में बेंगाबाद पुलिस ने खुलासा किया।मकतपुर स्थित प्रदीप इलेक्ट्रिक से लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान की चोरी का खुलासा बेंगाबाद पुलिस ने कर लिया है। थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार सिंह व एसआई विजय कुमार मंडल के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी सहयोग से महुआर पंचायत के जामबाद में छापेमारी कर चोरी के सरगना द्वारिका तिवारी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके घर से हैवल्स, एंकर, वी–गार्ड, आरआर जैसे ब्रांडों के कई इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किए हैं। दुकान संचालक रूपक केडिया ने पुष्टि की कि आरोपी पहले उसकी दुकान में ही काम करता था और गोदाम में रहते हुए चोरी करता था। करीब आठ लाख रुपये मूल्य का माल गायब पाया गया। पुलिस अब उन दुकानदारों पर नजर रख रही है, जिन्होंने सस्ते दाम में चोरी का माल खरीदा था। थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आजा नचले राष्ट्रीय प्रतियोगिता 23-24 दिसंबर को गिरिडीह में

नवप्रदेश, गिरिडीह : गिरिडीह की सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था द रंग की ओर से 23 व 24 दिसंबर को राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता आजा नचले का आयोजन किया गया है। दो दिवसीय यह कार्यक्रम गिरिडीह नगर भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी आयोजकों ने आज संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर दी। संवाददाता सम्मेलन में संस्था के संरक्षक अरविंद कुमार, अध्यक्ष श्रुति सिन्हा व सचिव पुरुषोत्तम कुमार दास उपस्थित थे। बताया गया कि आजा नचले प्रतियोगिता में क्लासिकल, सेमी क्लासिकल, फोक व मॉडर्न डांस को शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में झारखंड, बिहार, बंगाल, ओडिसा, उत्तर प्रदेश, आसाम, गुजरात, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के लगभग 350 प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। गिरिडीह में पहली बार राष्ट्रीय स्तर के इतने बड़े नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों ने कार्यक्रम की सफलता में शहरवासियों से सहयोग की अपील की है।

सालूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फामेर्सी ने आयोजित किया Drug Pricing Awareness Program

नवप्रदेश, गिरिडीह : सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फामेर्सी मोतीलेदा गिरिडीह में दवा मूल्य निर्धारण पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) के विशेषज्ञ द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जानकारीपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दवा मूल्य नियंत्रण, नियमों तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर मूल्य निर्धारण के प्रभाव के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दिवाकर तिवारी ने कहा, इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। कॉलेज में ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थी फामेर्सी के विभिन्न क्षेत्रों में अद्यतन ज्ञान प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम ने पारदर्शी दवा मूल्य निर्धारण के महत्व और छात्रों की नीति संबंधी समझ बढ़ाने में इसकी अहम भूमिका को रेखांकित किया।

श्री श्री माँ शारदा देवी की योगीडीह में 173 वीं जयंती मनी

नवप्रदेश, बोकारो : चंदनकियारी प्रखण्ड पंचायत देवग्राम स्थित श्री श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवा आश्रम योगीडीह में श्री श्री माँ शारदा देवी की 173 वीं जयंती मनाई गयी। इस अवसर पर पुजा पाठ, मंगल आरती, मां शारदा देवी कथा अमृत पाठ महाप्रसाद खिचड़ी भोग व गरीब असहाय व दिव्यांग के बीच कंबल का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि चंदनकियारी अंचलाधिकारी रविकुमार आंनद व विशिष्ट अतिथि प्रखण्ड प्रमुख निवारण सिंह चौधरी व मंगलम कोलफील्ड प्राईवेट लिमिटेड के डारेक्टर प्राशल्य अग्रवाल, प्रखर गर्ग ने संयुक्त रुप से कंबल का वितरण किया।कहा गरीबों की सेवा से जो आनन्द मिलता व किसी में नहीं। गरीब की सेवा नारायण की सेवा। इसके पुर्व संस्था के अध्यक्ष अशौक सिंह सचिव सुकुमार मुखर्जी ने माँ शारदा देवी की जीवनी पर प्रकाश डाले।संस्था के संचालक सह कोषाध्यक्ष मिहिर कुमार मुखर्जी ने कहा कि 2005 से स्थापना समय से ही यह कार्यक्रम चल रही है।सभी का सहयोग प्राप्त होती है। मौके पर बालापन मुखर्जी,मुखिया मदनमोहन राजवार, दीपक शैखर,राकेश मुखर्जी, दिपक मुखर्जी, रीना मुखर्जी, माला मुखर्जी, रामेश्वर कुंभकार,अनुप घोषाल, कृष्ण मुखर्जी,पांव घोषाल,दया मय मोदक , प्रताप मुखर्जी,,सहित सदस्य व ग्रामीण शामिल थे।

ब्राउन शुगर तस्करी के आरोप में छह गिरफ्तार, 60 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद

पूर्वी सिंहभूम : शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सीतारामडेरा और मानगो क्षेत्र में अलगझ्रअलग जगहों पर छापेमारी कर कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 60 पुड़िया ब्राउन शुगर, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए अधिकांश आरोपित पूर्व से ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और कई बार जेल जा चुके हैं। गुरुवार को पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय–1 भोला प्रसाद ने बताया कि बीती रात करीब 7.40 बजे पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि सीतारामडेरा स्लैग रोड स्थित न्यू सीतारामडेरा पार्क में ब्राउन शुगर का सौदा किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और वहां से बादल बनिया (25) और गौरव राम (25) को मौके से दबोच लिया। तलाशी के दौरान इनके पास से 15 पुड़िया ब्राउन शुगर और नगद राशि बरामद की गई। दोनों पर हत्या, चोरी, लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। बादल बनिया हाल ही में चर्चित टकलू हत्याकांड में जेल से बाहर आया था। इसी दौरान मानगो पुल के पास स्वर्णरेखा नदी किनारे भी पुलिस टीम ने अलग से छापेमारी अभियान चलाया। यहां भी अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीदझ्रफरोख्त की जा रही थी। वहीं पुलिस ने अन्?य चारों आरोपित शिवाजी गोप उर्फ नाडू, सर्जन कुमार उर्फ साजन, अता मोहम्मद और टुनटुन यादव को भी गिरफ्तार कर लिया।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ चन्दनकियारी में प्रतिरोध सभा

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारोः उड़ीसा के क्योंझर के पटाना तहसील के 18 गॉवों के किसानो की खेतिहर जमीन बचाने के सवाल पर जिले के जमुनापासी गांव में जिंदल-पोस्को प्रतिरोध मंच की आयोजित जनसभा को किसान नेताओं ने संबोधित के उपरांत संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सत्यवान एवं सदाशिव दास तथा उनके साथियों को 9 दिसंबर 2025 के शाम को पुलिसिया दमनकारी नीतियों के साथ पुलिस ने अकारण नेताओं को हिरासत में लेने व किसानों की आन्दोलन के दबाव में गिरफ्तार नेताओं को बिना शर्त रिहा के सवाल पर संयुक्त किसान मोर्चा,चन्दनकियारी ने गुरुवार को शहीद चौक, चन्दनकियारी मे सभा की अध्यक्षता ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कुमुद महतो व संचालन संयुक्त किसान मोर्चा चन्दनकियारी के संयोजक जगन्नाथ रजवार ने किया. वहीं कुमुद महतो ने आक्रोश व्यक्त करते कहा कि जिन्दल-पोस्को द्वारा किसानों की खेतीहर जमीन जबरन हड़पी जा रही है. जिंदल -पोस्को प्रतिरोध मंच ने लोकतांत्रिक तरिके से जमीन बचाने की आवाज उठाने पर किसानों की आवाजों को दबाने के लिए षड़यंत्र के तहत अकारण किसान नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर किसानों की आन्दोलन से विवस होकर देर रात को सभी गिरफ्तार किसान नेताओं को बिना शर्त रिहा किया गया. हठधर्मिता की सरकार लगातार किसानों को उपेक्षित करने कि साज़िश की कड़ी निन्दा करते हुए. मॉग किया की अकारण किसान नेताओं का अलोकतांत्रिक तरिके से दमनकारी करने की साज़िश करना बन्द करो. अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए किसान बाध्य होंगे. मौके पर ऑल इंडिया किसान सभा के नेता विश्वनाथ बनर्जी,हरिपद महतो, नुनी वाला देवी, गोपाल महतो, मुस्लिम अंसारी, शान्ति राम रजवार, शिबु राय, युनुस अंसारी, सुबोध रजवार, हाबुलाल महतो, दिगम राय आदि शामिल रहे।

रेलवे आरक्षण काउंटर की अव्यवस्था पर भाजपा नेता ने उठाई आवाज

नवप्रदेश, पश्चिमी सिंहभूमः रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर में अव्यवस्था और यात्रियों को हो रही परेशानियों को लेकर भाजपा पिछड़ा जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री हेमंत कुमार केशरी ने गुरुवार को चक्रधरपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र भेजकर तत्काल सुधार की मांग की है। अपने पत्र में केशरी ने लिखा है कि तत्काल टिकट प्राप्त करने के लिए यात्रियों को उचित व्यवस्था न होने के कारण घंटों परेशानी झेलनी पड़ती है। यात्री सुबह 4 बजे से ही ठंड में लाइन लगाते हैं, जबकि टिकट काउंटर हाल सुबह 8 बजे खोला जाता है। उन्होंने बताया कि तत्काल टिकट के फार्म यात्रियों को खुद क्रमांक लिखकर काउंटर की खिड़की में छोड़ने पड़ते हैं और कई बार देखा गया है कि जमा किए गए फार्मों को फाड़कर फेंक दिया जाता है। केशरी के अनुसार, इसका वीडियो भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आरक्षण हाल में रेलवे के किसी कर्मचारी की मौजूदगी नहीं रहती।

पशुधन विकास योजना के तहत 1603 में से 779 लाभुकों को दी गई राशि

नवप्रदेश संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः समाहरणालय स्थित प्रकोष्ठ में गुरुवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में गव्य विकास, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत किया। मौके पर उपायुक्त को जानकारी दी गई कि वित्त वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 1603 लाभुकों को लाभ देने का लक्ष्य तय है। अब तक चयन समिति के माध्यम से 779 लाभुकों को डीबीटी से राशि हस्तांतरित की गई है और 195 यूनिट का वितरण पूरा हुआ है। वहीं वर्ष 2024-25 में 2596 लाभुकों को डीबीटी से राशि दी गई और 2082 यूनिट का वितरण किया गया।इस दौरान उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि चालू वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप सभी लाभुकों का चयन और उनके एस्क्रो बैंक खातों का समय पर संचालन सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राशि हस्तांतरण में देरी न हो। गव्य प्रक्षेत्र से संचालित योजनाओं पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। विभाग ने बताया कि 2 गाय, 5 गाय और 10 गाय वितरण योजना के अलावा चारा कटिंग मशीन, खोवा मेकिंग मशीन सब्सिडी दर पर लाभुकों को उपलब्ध कराई जा रही है। 2 गाय वितरण योजना में 150 लाभुकों के लक्ष्य के विरुद्ध 134 का चयन किया जा चुका है और लगभग 60 लाभुकों के एस्क्रो खाते खोले गए हैं।

मत्स्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि 498 तालाबों की बंदोबस्ती लक्ष्य के विरुद्ध 435 तालाबों का कार्य पूरा कर लिया गया है। जिले की तीन बंद खदानों में केज कल्चर के माध्यम से मछली पालन किया जा रहा है और अन्य बंद खदानों का सर्वेक्षण भी जारी है।

सोसायटी 15 तक करे लंबित मामलों का निपटारा नहीं तो होगा घेराव : दुबे

नवप्रदेश, पूर्वी सिंहभूमः जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने टेल्को कोऑपरेटिव सोसायटी प्रबंधन को 17 मई 2018 से लंबित अनुमोदन-संबंधी मामला सहित कामगारों के हित से जुड़े सभी अधूरे अधिकारों का निपटारा 15 दिसंबर तक करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में लगातार पत्राचार के बावजूद न तो कोई ठोस निर्णय सामने आया है और न ही महीने का वेतन भुगतान समय पर किया गया। इससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष है। दुबे ने बातें गुरुवार को टेल्को कोऑपरेटिव सोसायटी के समक्ष आयोजित धरने को संबोधित करते हुए कही। मौके पर दुबे ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रबंधन यदि तय समय-सीमा तक फाइलों का निपटारा, आदेशों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराने और आवेदकों को सूचित करने की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है तो 16 दिसंबर को सोसायटी के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाधान नहीं मिलने की स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन और अनिश्चितकालीन घेराव जैसे कठोर कदम भी उठाए जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रबंधन की होगी। उन्होंने कार्यकताओं और आम नागरिकों से 16 दिसंबर को प्रस्तावित आंदोलन में अधिक संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि संयुक्त दबाव ही प्रबंधन को जवाबदेह बनाएगा और वर्षों से लंबित मामलों के समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा।धरना में सामंतो कुमार, धीरज कुमार सिंह, त्रिनाथ, सुशील घोष, अभिनीत कुमार यादव, सन्नी कुमार सिंह, निखिल तिवारी, रोहन कुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और सैकड़ों कामगार शामिल हुए।

जेएलकेएम के विधि सलाहकार सह अधिवक्ता स्वर्गीय सुभाष चन्द्र महतो के प्रथम पुण्य तिथि पर जरुरतमंदों के बीच बांटे कम्बल

नवप्रदेश, बोकारो: जेएलकेएम के विधि सलाहकार सह अधिवक्ता स्वर्गीय सुभाष चन्द्र महतो की प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर किसान नेता जगन्नाथ रजवार ने गुरुवार को तिरंगा मोड़, आसनबनी में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि दी. अध्यक्षता बोकारो जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल व संचालन जगन्नाथ रजवार ने किया. वहीं श्रद्धांजलि कार्यक्रम उपरांत जेएलकेएम महिला मोर्चा, चन्दनकियारी नेत्री ,पिंकी कुमारी, मंजु कुमारी, झुना कुमारी, गीता कुमारी, अनिता कुमारी, रेखा महतो जेएलकेएम अ.जा.मोर्चा के केन्द्रीय संगठन मंत्री सिमन्त रजक, परशुराम सेवा समाज बाईसी के कोषाध्यक्ष किशन महाथा, भाजपा के वरिय नेता खगेन महाथा, अर्जुन रजवार जेएमएम नेता अशोक दशौंधी, महतो,किसान नेता कुमुद महतो, विजय रजवार,शिक्षाविद खिरोधर महतो, बोकारो जिला अधिवक्ता संघ के कोषाध्यक्ष अधिवक्ता सोमनाथ शेखर, आलोक कुमार महतो एवं जगन्नाथ रजवार ने संयुक्त रुप से श्रद्धा पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि उपरांत उनकी याद में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए जरुरतमंदों को कम्बल प्रदान किया. तथा जेएलकेएम के संगठन महासचिव लोकेश कुमार महतो ने श्रद्धांजलि अर्पण उपरांत उनके धर्म पत्नी नुनी वाला देवी माता यशोदा देवी एंव पिता झामुमो संस्थापक सदस्य दुर्गा चरण महतो को शॉल प्रदान कर हर एक सुख दुख में साथ रहने का संकल्प के साथ भरोसा दिया.

मौके पर पुर्व मुखिया नरेश कुमार रजवार, जेएलकेएम नेता अंकित कुम्भकार, महाराज महाथा, असीम गोस्वामी, अमृत महतो, रुपेश कुमार महतो महतो, युधिष्ठिर महाथा, धिरेन महतो, विश्वनाथ कुम्भकार, बब्लु गोस्वामी, मनसु मॉझी, मुकेश कुमार महतो, राकेश कुमार महतो, जवाहरलाल महाथा, राजु महतो, बलराम महतो, करुणामय गोस्वामी, सुधीर उपाध्यक्ष, गयाराम महतो, युधिष्ठिर टुडू, प्रदीप कुमार गोस्वामी, दिलीप कुमार महतो, गौरांग कुम्भकार, मनबोध महतो, पटेल चन्द्र महतो अर्जुन कर्मकार आदि शामिल रहे।

हाथियों के हमले में युवक की मौत, ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश

पश्चिमी सिंहभूमः पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव थाना क्षेत्र के आसनपाठ पंचायत में जंगली हाथियों के हमले से एक युवक की मौत हो गई। मृतक राजू पूर्ति (24) सादोमसाई गांव का रहने वाला था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। गुरुवार को वह अपने दोस्तों के साथ जोबासाई जंगल में हाथियों का झुंड देखने गया था। इसी दौरान हाथियों को भगाने की कोशिश में मची अफरातफरी में राजू जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद हाथियों के झुंड ने उसे पटक-पटककर कुचल डाला। हादसे के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की लापरवाही पर कड़ा आक्रोश जताया है। उनका कहना है कि पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड इस क्षेत्र में घूम रहा था, लेकिन विभाग ने किसी तरह की कार्रवाई नहीं की। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है और वे खेतों में जाने से भी डर रहे हैं, क्योंकि हाथियों का झुंड अभी भी आसपास मौजूद बताया जा रहा है। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जा रही है और नियम के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

आदर्श विद्या मंदिर में एनसीसी प्रशिक्षण का भव्य उद्घाटन

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारोः आदर्श विद्या मंदिर में एनसीसी प्रशिक्षण के प्रथम बैच का शुभारंभ गुरुवार को उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के हार्दिक स्वागत के साथ हुई। विद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार ने प्रेरणादायक संबोधन देते हुए कहा कि एनसीसी छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना का विकास करता है। उन्होंने सभी कैडेट्स को इस सुनहरे अवसर का पूर्ण लाभ उठाने की प्रेरणा दी। विशेष अतिथि के रूप में एनसीसी के सम्मानित अधिकारी श्याम सिंह और नरेंद्र ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दोनों अतिथियों ने नव-नामांकित कैडेट्स को एनसीसी के मूल्यों—अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति—का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान नए कैडेट्स का औपचारिक रूप से नामांकन किया गया तथा उन्हें एनसीसी प्रतिज्ञा दिलाई गई, जिसके साथ ही उनके अनुशासित एवं जिम्मेदार कैडेट बनने की

> विद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार ने प्रेरणादायक संबोधन देते हुए कहा कि एनसीसी छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना का विकास करता है।

यात्रा का आरंभ हुआ। कैडेट्स को एनसीसी प्रशिक्षण की संरचना, भविष्य में होने वाली गतिविधियों और उन चुनौतियों के बारे में अवगत कराया गया, जिनके माध्यम से वे स्वयं को एक आदर्श एनसीसी कैडेट के रूप में विकसित कर सकेंगे।

कार्यक्रम का समापन एनसीसी गान हम सब भारतीय हैं। के सामूहिक गायन के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थित लोगों में गर्व और उत्साह की भावना भर दी। इस आयोजन के साथ विद्यालय में एनसीसी प्रशिक्षण के प्रथम बैच का सफलतापूर्वक शुभारंभ हुआ। मारवाड़ी पंचायत समिति एवं विद्यालय प्रबंधन समिति ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया तथा नवनिर्वाचित एनसीसी कैडेट्स को बधाई दी।

ऑरेंज द वर्ल्डः महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकें थीम पर गिरिडीह सनशाइन क्लब की जागरूकता रंगोली बनी आकर्षण

नवप्रदेश, गिरिडीहः इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने ऑरेंज द वर्ल्ड - स्टॉप वायलेंस अगेंस्ट वीमेन ह्व अभियान के तहत एक अनोखे और प्रभावशाली रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका मकसद महिलाओं पर होने वाली हिंसा के प्रति समाज को जागरूक करना था।

रंगोली भारतीय संस्कृति में सकारात्मक ऊर्जा और रचनात्मकता का प्रतीक मानी जाती है। विभिन्न रंगों और सुंदर पैटर्न से सजी यह कला प्रकृति की खूबसूरती और महिलाओं की सृजनात्मक शक्ति को दशार्ती है।

लेकिन अफसोस की बात है कि कभी-कभी इसी कला का उपयोग महिलाओं पर होने वाली हिंसा की कड़वी सच्चाई को दिखाने के लिए भी करना पड़ता है।

इसी हकीकत को प्रभावशाली तरीके से सामने लाने और समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की महिलाओं ने सामूहिक रूप से यह विशेष रंगोली तैयार की।

इस रंगोली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि – जब महिलाओं के खिलाफ हिंसा समाप्त होगी, तब जीवन फिर से उजले रंगों और खुशियों से भर जाएगा। यह रंगोली महिला स्थिति तथा ऑरेंज द वर्ल्ड (स्टॉप वायलेंस अगेंस्ट वीमेन) श्रेणी में बनाई गई, जिसने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

यह कार्यक्रम इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की अध्यक्ष कविता राजगढ़िया के निवास पर हुआ जिसका नेतृत्व पीडीसी पूनम सहाय जी ने किया । साथ ही क्लब की वाइस प्रेसिडेंट राखी झुनझुनवाला, सेक्रेटरी स्मृति आनंद, मेम्बर्स सुमन गौरीसारिया, रंजना बागड़िया आदि लोग उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया। इस सामाजिक पहल को जनता ने खूब सराहा और इसे सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया

उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा कोल इंडिया के चेयरमैन का किया स्वागत

केंदुआडीह गैस रिसाव स्थिति पर हुई विस्तृत समीक्षा

प्रभावित लोगों की सुरक्षा और राहत के लिए त्वरित कार्रवाई पर जोर

नवप्रदेश/धनबाद। गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिले से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, विशेषकर केंदुआडीह में उत्पन्न गैस रिसाव की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक केंदुआडीह क्षेत्र की वर्तमान परिस्थिति, प्रभावित परिवारों की स्थिति, सुरक्षा उपायों तथा तात्कालिक आवश्यकताओं से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। गैस रिसाव की गंभीरता को देखते हुए साइंटिफिक एजेंसियों (आईआईटी आईएसएम, सिंफर, पीएमआरसी एवं सीएमपीडीआई) की रिपोर्ट और सुझावों पर विचार किया गया।

कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा ने सभी एजेंसियों के साथ मिलकर बढ़ते गैस रिसाव के कारणों का विस्तार और संभावित समाधान पर गहन मंथन किया। उन्होंने वैज्ञानिक एजेंसी, ठ्ठझ्न्न टीम तथा स्थानीय अस्पताल को निरंतर मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया, तथा बढ़ते खतरे को देखते हुए स्थानीय लोगों से डेंजर जोन से बाहर आने की अपील की।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि बेलगड़िया में प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित आवास, चिकित्सा सहायता और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। स्थानीय लोगों का रोजगार बाध्य ना हो इसके मद्देनजर बागड़िया से केंदुआडीह के लिए आवागमन हेतु बस की सुविधा उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा और समयबद्ध राहत उपलब्ध कराना है। क्षेत्र में पुलिस बल, सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय प्रशासन की टीम को लगातार तैनात रखा गया है ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कोल इंडिया चेयरमैन ने जिला प्रशासन के साथ भविष्य में भी पूर्ण सहयोग जारी रखने तथा विकासात्मक परियोजनाओं को और मजबूत बनाने का आश्वासन दिया।

डॉ नीलम मिश्रा व झामुमो ने दिया केंद्र सरकार समेत बीसीसीएल को चेतावनी

नवप्रदेश/धनबाद। गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की केन्द्रीय सदस्य सह केन्द्रीय मीडिया पैनलिस्ट डॉ नीलम मिश्रा ,जिला अध्यक्ष लखी सोरेन जी एवं महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान सहित तमाम जिला एवं महानगर समिति के पदाधिकारीगण के साथ केंदवाडीह पांच नंबर नया धौड राजपूत बस्ती में पहुंचे जहां विगत दिनों जहरीली गैस रिसाव से हुए दो महिलाओं की मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार होने से संबंधित मामले की बीसीसीएल के संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी ली एवं अधिकारियों से पूछा कि इतने सालों से बीसीसीएल कोयले का दोहन कर रही है फिर क्यों नहीं इस तरह के हादसे के रोकथाम के लिए पहले से ही पुख्ता व्यवस्था की गई, क्यूं नहीं अब तक धनबाद से जब बीसीसीएल के माध्यम से केंद्र सरकार को अरबों रुपए मिल रहे हैं तो खनन स्थल और आसपास के लोगों की अच्छी सेहत स्वास्थ्य और रहना सहन की व्यवस्था के लिए उचित कदम क्यों नहीं उठाए गए , डॉ. नीलम मिश्रा ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेकर चेतावनी देते हुए कहा कि झामुमो इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए कोयला भवन सीएमडी कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी। साथ ही सभी मिलकर पीड़ित परिवार से मिले और वहां के निवासियों को ये भरोसा दिलाया कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन इस विषय पर गंभीर है और राज्यस्तरीय हर सुविधा और राहत देने को तत्पर है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य जग्गू महतो , उपाध्यक्ष मुकेश सिंह,अजय रवानी ,राज आनंद , समीर रवानी ,हरीश सिंह ,बंटी सिंह,राजु प्रमाणिक,मदन राम, नईम अंसारी, टिंकू सरकार ,जितेंद्र पासवान, रीना पासवान, कुणाल, समीम अंसारी, कुणाल कुमार,मंसूर अंसारी, महादेव हँसदा ,सुधीर यादव फरीद मलिक, दिलीप महतो ,आदि उपस्थित थे।

मैथन सिरामिक लिमिटेड की सजनी से मेडा पंचायत में लगा निशुल्क स्वास्थ्य जाट शिविर

धनबाद/चिरकुंडा। मैथन सिरामिक के तर्फ से मेडा पंचायत में लगा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, जिसमें 150 मरीजों को मिला इसका लाभ, मैथन सिरामिक के सौजन्य से मेडा पंचायत सचिवालय में गुरुवार को अशर्फी अस्पताल के सहयोग से मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निशुल्क नेत्र रोग जांच, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, स्त्री रोग, चर्म रोग सामान्य चिकित्सा निशुल्क दवाइयां का व्यवस्था किया गया। शिविर के शुरुआत से ही ग्रामीणों की भीड़ उड पड़ी मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित मैथन सेरिमिक के निदेशक अजय शर्मा ने बताया कि मैथन सेरेमिक के द्वारा लगातार सीएसआर मत से जनहित में कार्य किया जाता रहा है। इसी क्रम में पिछले साल की भांति इस साल भी, मेडा पंचायत में अशर्फी अस्पताल की मदद से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया है। इसके अलावा मैथन सिरामिक शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम कर रही है।

फिलहाल ठंड को देखते हुए क्षेत्र में कंबल वितरण किया जा रहा है। वही मेडा पंचायत के मुखिया मनोज रावत ने कहा कि मैथन सिरामिक सराहनीय कार्य कर रहा है। ऐसी योजना से गरीब ग्रामीणों को काफी लाभ मिलता है।

इसके लिए मैथन सिरामिक कंपनी के निदेशक एवं पदाधिकारी धन्यवाद के पात्र है।

डॉक्टर एवं पदाधिकारी संतोष सिंह ने बताया कि इस तरह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यही है कि ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा स्वस्थ रखा जा सके। मरीजों ने इसका लाभ उठाया, इस दौरान सीएसआई गोविंद प्रसाद, आना चौरसिया, डॉक्टर एके सिंह, पंचायत समिति मोयना बाउरी उपस्थित रहे।

इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कॉन्क्लेव का 13 व 14 दिसंबर को होगा आयोजन

धनबाद: झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन और एल्यूर सोसाइटी के द्वारा संयुक्त रूप से आगामी 13 एवं 14 दिसंबर को धनबाद के गोविंदपुर स्थित राजविलास लग्जरी रिसॉर्ट में इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नॉलेज पार्टनर के तौर पर आईआईटी आईएसएम की बड़ी भूमिका है। इसी संदर्भ में गुरुवार को यूनियन क्लब में प्रेस वार्ता आयोजन कर झारखंड इंडस्ट्री ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष अमितेश सहाय एवं महासचिव राजीव शर्मा ने मीडिया को बताया कि इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं संस्कृति, स्वास्थ्य, उद्योग एवं व्यवसाय तथा खनन क्षेत्र पर विचार-विमर्श करना है, ताकि झारखंड की औद्योगिक प्रगति को नई गति प्रदान की जा सके।

पहला कदम स्कूल में त्रिदिवसीय सीआरइ कार्यक्रम का दूसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न

नवप्रदेश/धनबाद: गुरुवार को पहला कदम स्कूल में आयोजित त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम के दूसरे दिन का प्रशिक्षण सत्र आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम में पहला कदम स्कूल की सचिव अनीता अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि गंगोत्री कुजूर (पूर्व विधायक, मांडू) एवं भोगन सोरेन (सचिव, एस.के.एस.एन. ट्रस्ट) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दिनभर चले प्रशिक्षण सत्रों का संचालन सी आर सी रांची से पधारे विशेषज्ञ मुकेश कुमार, सहायक प्रोफेसर (वाक् एवं श्रवण) द्वारा किया गया।प्रशिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में पहला कदम स्कूल की टीम सुधा पांडेय, मेघा गुप्ता, जय भारत कुमार और एम.डी. अनवर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पूरे सत्र में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।प्रतिभागियों ने दूसरे दिन श्रवण बाधित बच्चों की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन, प्रारंभिक हस्तक्षेप में फिजियोथेरेपी की भूमिका, प्रारंभिक हस्तक्षेप से स्कूल तैयारी तक संक्रमण, तथा सहायक उपकरणों एवं डिजिटल साधनों के उपयोग जैसे विषयों पर आधारित प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन सत्रों ने प्रशिक्षुओं को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के समर्थन हेतु आवश्यक सिद्धांत, व्यावहारिक ज्ञान और नवीन तकनीकों की बेहतर समझ प्रदान की।नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट और पहला कदम स्कूल विशेष बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सेवाओं और समग्र विकास के अवसर सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। इसी उद्देश्य की दिशा में यह सीआरइ कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभर रहा है।

फुटपाथ दुकानदारों ने निगम दफ्तर का घेराव कर किया विरोध-प्रदर्शन

धनबाद। धनबाद के सड़क किनारे फुटपाथ दुकानदारों ने गुरुवार को नगर निगम भवन के सामने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की माने तो नगरपालिका द्वारा उनकी रेहड़ियों और ठेलों को हटाने तथा उन्हें किसी प्रकार का वैकल्पिक स्थल उपलब्ध न कराने के विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया है। फुटपाथ दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम बिना पूर्व जानकारी दिए उनकी दुकानें उजाड़ रही है, जिससे कारण उनके जीवनयापन पर गहरा संकट उत्पन्न हो गया है। इसी नाराजगी के चलते सैकड़ों फुटपाथ व्यापारी एकत्र होकर निगम कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए और अपनी मांगों के पक्ष में जोरदार नारे लगाए। धरने के दौरान फुटपाथ दुकानदार संघ के अध्यक्ष श्यामल मजूमदार ने कहा कि पिछले दिनों धैया क्षेत्र में हमारे कई विक्रेताओं के साथ धनबाद के सीओ साहब द्वारा दुर्व्यवहार किया गया और दुकानों को तोड़–फोड़ कर नुकसान पहुँचाया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी समस्याओं का संतोषजनक निराकरण नहीं होता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। नेताओं ने नगर निगम प्रशासन से आग्रह किया कि फुटपाथ विक्रेताओं को व्यवस्थित ढंग से पुनर्स्थापित किया जाए तथा उन्हें व्यवसाय करने की वैध अनुमति प्रदान की जाए।

गैस रिसाव क्षेत्र का ड्रोन कैमरे से हुआ मेजरमेंट, सीएमपीडीआई रांची की टीम पहुंची केंदुआडीह

धनबाद। केंदुआडीह गैस रिसाव इलाके का ड्रोन कैमरे से मेजरमेंट किया जा रहा है। इसके लिए सीएमपीडीआई यानी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड रांची के जयोलॉजी मैनेजर भुवनेश कुमार गुप्ता अपनी टीम के साथ यहां पहुंचे हैं। केंदुआडीह गैस रिसाव मामले का आज नौवा दिन है। हर दिन यहां गैस रिसाव का मेजरमेंट विशेषज्ञ टीम के द्वारा जारी है और अभी भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। गुरुवार को रांची से सीएमपीडीआई यानी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड की टीम भी मेजरमेंट के लिए पहुंची है। टीम ने ड्रोन के जरिए तापमान का पता लगाया। टीम में सीएमपीडीआई के जयोलॉजी मैनेजर भुवनेश गुप्ता ने बताया कि इस समय काफी ठंड का समय है और ऐसे में अधिकतम तापमान 22 से 23 डिग्री है। अब अगर कहीं तापमान सामान्य से ज्यादा पाया जाता है तो यह समझा जा सकता है कि तापमान अधिक होने के पीछे गैस रिसाव हो सकता है। ड्रोन तापमान के साथ-साथ क्षेत्र की आबादी, घरों की संख्या आदि का डेटा भी कलेक्ट करेगी। उन्होंने बताया कि यह मेजरमेंट रिपोर्ट भी होगा, ताकि मेजरमेंट का आकलन सही सही हो सके। उन्होंने बताया रिपोर्ट आने में 15 से 20 दिनों का समय लगेगा। बहरहाल, केंदुआडीह गैस रिसाव क्षेत्र में जाँच प्रक्रिया तेज है। गैस निकलने के कारणों का पता लगाने में सभी वैज्ञानिक तरीके अपनाये जा रहे हैं। दूसरी तरफ 9 दिनों के बाद भी अभी गैस का स्तर सामान्य से कहीं अधिक पाया जाना अभी भी चिंता का करण बना हुआ है।

धनबाद बस स्टैंड सड़क पर नगर निगम व ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अतिक्रमण हटाने से लोगों ने ली राहत की सांस

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद बस स्टैंड स्थित सड़क पर रोजाना लगने वाली भीषण जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए गुरुवार को नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। लंबे समय से सड़क पर अवैध रूप से लगी दुकानों, ठेलों और खड़े वाहनों के कारण उक्त सड़क पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी। लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने आज सुबह से ही कार्रवाई शुरू की और इलाके से अतिक्रमण हटाया।

अभियान के दौरान बस स्टैंड रोड पर कई दुकानदारों द्वारा सड़क पर बढ़ाए गए चूल्हों और ढांचों को तोड़ा गया। फुटपाथ और सड़क पर फैलाए गए सामान को हटाया गया तथा गलत तरीके से खड़े वाहनों को भी मौके से हटवाया गया। वहीं, सब्जी बेचने वाले उन दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई जो सड़क के बीचोंबीच ठेला लगाकर यातायात बाधित करते थे। टीम ने स्पष्ट कहा कि यदि दोबारा अतिक्रमण पाया जाता है तो भारी जुर्माना लगाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर जब्ती की कार्रवाई भी होगी।

कार्रवाई के दौरान कई ठेले हटाए गए और आगे से इस स्थान पर ठेला न लगाने की चेतावनी दी गई। मौके पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर लव कुमार, नगर निगम अधिकारी अनिल कुमार तथा ट्रैफिक जवान पूरी टीम के साथ मौजूद रहे।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव में वंदे मातरम पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

नवप्रदेश/धनबाद। वंदे मातरम इस राष्ट्रजागरण के पावन गीत को इस वर्ष 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर तथा सनातन संस्था की 25 वर्षों की कार्ययात्रा का सुवर्ण संगम साधते हुए, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से ह्यसनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव में वंदे मातरम पर आधारित भव्य प्रदर्शनी और विशेष सत्रों का आयोजन किया जा रहा है, ऐसी जानकारी सनातन संस्था के प्रवक्ता अभय वर्तक ने दी। संस्था के प्रसिद्धिपत्र में कहा गया है, वंदे मातरम ने सम्पूर्ण भारत को राष्ट्रभावना के सूत्र में बाँधा। इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्रोत, त्याग तथा राष्ट्रनिष्ठा के भाव को जनमानस में जगाया। इस प्रेरणा को आज की युवा पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा उद्देश्य है।

विशेष आकर्षण:

1000 जनों का सामूहिक गायन : वंदे मातरम राष्ट्रभावना का महाअभियान

ऐतिहासिक चलचित्र प्रदर्शनी : वंदे मातरम का उद्भव, संघर्षगाथा और राष्ट्रनिर्माण में योगदान केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह **शेखावत का मार्गदर्शन :** वंदे मातरमके सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व पर व्याख्यान इस प्रदर्शनी में मातृभूमि के प्रति प्रेम, राष्ट्र के लिए त्याग और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को अनुभवात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

समस्त नागरिकों से आह्वान सनातन संस्था की ओर से समस्त हिन्दू समाज, राष्ट्र भक्त नागरिकों और युवा वर्ग से आग्रह है कि वे इस अविस्मरणीय प्रदर्शनी में सम्मिलित होकर वंदे मातरमकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासत से परिचित हों। उपस्थित होते समय सरकारी पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य है।

एक नजर

इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कॉन्क्लेव का 13 व 14 दिसंबर को होगा आयोजन

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन और एल्यूर सोसाइटी के द्वारा संयुक्त रूप से आगामी 13 एवं 14 दिसंबर को धनबाद के गोविंदपुर स्थित राजविलास लग्जरी रिसॉर्ट में इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कांक्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नॉलेज पार्टनर के तौर पर आईआईटी आईएसएम की बड़ी भूमिका है। इसी संदर्भ में गुरुवार को यूनियन क्लब में प्रेस वार्ता आयोजन कर झारखंड इंडस्ट्री ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष अमितेश सहाय एवं महासचिव राजीव शर्मा ने मीडिया को बताया कि इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं संस्कृति, स्वास्थ्य, उद्योग एवं व्यवसाय तथा खनन क्षेत्र पर विचार-विमर्श करना है, ताकि झारखंड की औद्योगिक प्रगति को नई गति प्रदान की जा सके।

समाहरणालय में कार पर्किंग निर्माण कार्य प्रगति पर

64 कार व 80 दुपहिया हो सकेंगे खड़े

नवप्रदेश/धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर समाहरणालय आने वाले आगंतुकों के लिए समाहरणालय के पूर्वी हिस्से में विशाल पार्किंग शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पार्किंग का फ्रेमवर्क पूरा हो चुका है। शीघ्र शेड लगाने का कार्य आरंभ होगा। इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी तादाद में आम लोग अपने विभिन्न कार्यों से समाहरणालय आते हैं। आम जनों के साथ पदाधिकारी, मीडिया कर्मी भी समाहरणालय आते हैं। अक्सर उनके वाहन खुले में खड़े रहते हैं। इसलिए चार पहिया और दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग शेड युक्त विशाल पार्किंग एरिया बन रहा है। पार्किंग शेड बन जाने के बाद उसमें 64 चार पहिया तथा 80 से अधिक दुपहिया वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा। उपायुक्त ने बताया कि पार्किंग शेड के साथ-साथ आगंतुकों के लिए सिटिंग व वेटिंग एरिया एवं पार्क का भी निर्माण कार्य प्रगति पर है।

योग नगरी-हावड़ा एक्सप्रेस से आइपीएफ ने बरामद किया 7 कछुआ, वन विभाग को सौंपा गया

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद में रेलवे सुरक्षा बल ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस के जनरल कोच में तलाशी अभियान चलाकर लावारिस हालत में सात कछुआ बरामद किया है। सभी कछुओं की प्राथमिक जांच के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से वन विभाग को सौंप दिया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि कछुओं की तस्करी एक गंभीर अपराध है, जिसके तहत अज्ञात व्यक्ति पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने आश्वस्त किया है कि कछुओं को उचित संरक्षण, देखभाल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा तथा ऐसे अवैध कार्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।

केंदुआडीह गैस प्रभावित इलाके का निरीक्षण में पहुंची झामुमो की केंद्रीय समिति

नवप्रदेश/धनबाद। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार झामुमो की केंद्रीय समिति के सदस्यों ने गुरुवार को निरीक्षण करने केंदुआडीह पहुंची। टीम ने केंदुआडीह गैस रिसाव प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। सबसे पहले टीम केंदुआडीह थाना प्रभारी से वार्ता के बाद सभी प्रभावित क्षेत्रों में गई। इस दौरान प्रभावित क्षेत्र में रह रहे लोगों के घर पर चिपकाये गए गैस रिसाव की मात्रा एवं बीसीसीएल के नोटिस का भी आकलन किया। केंद्रीय समिति सदस्यों ने प्रभावित लोगों से बात कर उनकी समस्याएं सुनी एवं उनके मंतव्यों को भी जाना। केंद्रीय समिति सदस्य डॉ. नीलम मिश्रा ने बताया कि प्रभावित इलाके में गैस रिसाव का उतार चढ़ाव जारी है और स्थिति अच्छी नहीं है। बीसीसीएल प्रबंधन गैस रिसाव को बंद करने में किये जानेवाले प्रयासों को ज्यादा तवज्जो न देकर स्थानीय लोगों को विस्थापित करने पर ज्यादा जोर दे रही है, जोकि न्याय संगत नहीं है। निरीक्षण में ऐसा लगा कि इसके पीछे कोई साजिश के तहत हटाने का प्रयास हो रहा है। गैस रिसाव की घटना के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। कई लोग बीमार पड़ गए। लोगों को हटाने के बजाय बीसीसीएल पहले गैस रिसाव को बंद करे। उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन इस मामले में गंभीर हैं। उन्होंने ट्वीट भी किया है और पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार ही केंद्रीय समिति आज यहां पहुंची है। वहीं, टीम में शामिल झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने सीधे सीधे बीसीसीएल पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीसीसीएल केवल कोयला खनन में ही ध्यान दे रही है, लोगों की सुरक्षा को लेकर बीसीसीएल गंभीर दिखाई नहीं पड़ती है। इस निरीक्षण में डॉ. नीलम मिश्रा, जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह के अलावे अन्य जिला कमिटी के पदाधिकारी पहुंचे थे।

संपादकीय

पाक-बांग्लादेश आ रहे साथ!

चीन पाकिस्तान और बांग्लादेश को साथ लाने का प्रयास कर रहा है। बांग्लादेश में पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से ही स्थितियां गंभीर बनी हुई हैं। खासकर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में बांग्लादेश लगातार कट्टरपंथ की तरफ बढ़ा है। आलम यह है कि उसकी विदेश नीति भी भारत से दूर होकर पाकिस्तान पर केंद्रित होती दिख रही है। बुधवार को बांग्लादेश के मौजूदा विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि यह कूटनीतिक तौर पर संभव है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान के उस क्षेत्रीय गठबंधन में शामिल हो जाए, जिसमें भारत शामिल नहीं है। चीन इसी समीकरण का फायदा उठाने का प्रयास कर रहा है। हालांकि तौहीद ने कहा कि इस तरह के कूटनीतिक समूह में नेपाल और भूटान का शामिल होना शायद संभव न हो। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने हाल ही में दावा किया था कि बांग्लादेश-चीन और पाकिस्तान का त्रिपक्षीय गठबंधन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है और इसे बाकी क्षेत्रीय और क्षेत्र के बाहर की ताकतों को शामिल कर के बढ़ाया जा सकता है। अगस्त 2024 में शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही इस देश का रुख पाकिस्तान की तरफ नरम हुआ है। बांग्लादेश ने उसी देश के साथ अपने रिश्तों को गहरा करना शुरू कर दिया है, जिसकी सत्ता ने कभी पूर्वी पाकिस्तान में बांग्ला भाषियों पर जुल्म ढाए थे। यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रक्षा, व्यापार, कूटनीतिक और ढाचांगत मामलों से जुड़ी चर्चा और समझौते हुए हैं। दक्षिण एशिया में भारत के बिना अलग-अलग देशों के गठबंधन की संभावनाओं को चीन ने ही जोर-शोर से बढ़ाया। इस एवज में चीन ने इस साल जून में एक त्रिपक्षीय बैठक भी रखी थी, जिसमें चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के सचिव स्तर के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। इस बैठक को चीन के कुनमिंग में रखा गया था। इसी दौरान ऐसी खबरें आयी थीं कि पाकिस्तान और चीन साथ में एक नया क्षेत्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जो कि सार्क (साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपेशन) का विकल्प बन सकता है। चूंकि सार्क में भारत सबसे प्रमुख ताकत वाला देश है, इसलिए पाकिस्तान की आवाज इस संगठन में कमजोर पड़ जाती है। सार्क बीते कुछ वर्षों में पूरी तरह से निष्क्रिय है। 2016 में पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से अंजाम दिए गए उड़ी हमले के बाद से ही इस संगठन की प्रमुख बैठकें नहीं हुई हैं। इसी मौके का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने चीन की मदद से दक्षिण एशिया में भारत के बिना एक गठबंधन बनाने की कोशिशें शुरू कर दीं। चूंकि बांग्लादेश में भी भारत का समर्थन करने वाली शेख हसीना को सत्ता से हटा दिया गया, ऐसे में पाकिस्तान को यूनुस सरकार को अपने साथ लाने में सफलता मिली। अब देखना है चीन इस लक्ष्य पर कितना दूर तक पहुंच पाता है।

मुद्दा

ऐसे होते हैं नाम के संकट

शंकर जालान

शेक्सपियर ने कहा था कि नाम में क्या रखा है और कई मायने में यह कथन सच लगता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में इन दिनों यह उक्ति मिथ्या साबित हो रही है। यहां नाम को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल में दो-दो हुमायूं कबीर को लेकर अफरा-तफरी मची है। मजे की बात है कि दोनों ही हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस के नेता हैं और दोनों ही विधायक भी। एक हुमायूं कबीर हैं भरतपुर के विधायक, जो मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में बीते छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखने के बाद चर्चा में बने हुए हैं और दूसरे हुमायूं कबीर हैं डेबरा के विधायक, जो पहले भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में थे। डेबरा वाले पुलिस सेवा से राजनीति में आए और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। भरतपुर वाले ने कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा पहुंचने के बाद तृणमूल का दामन थामा था। एक ही नाम होने के कारण डेबरा वाले हुमायूं कबीर को बीते दो-तीन दिनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनकी फोन की घंटी लगातार बज रही है और वह यह बताते-बताते थक से गए हैं कि मैं बाबरी मस्जिद वाला हुमायूं कबीर नहीं हूं। दरअसल, भरतपुर के विधायक ने छह दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी और इसके निर्माण के लिए लोगों से क्यूआर कोड के जरिये आर्थिक मदद देने का आग्रह किया था। जिन्हें नहीं मालूम कि बंगाल में हुमायूं कबीर नाम के दो-दो विधायक हैं, वे मस्जिद निर्माण में आर्थिक सहयोग देने के लिए लगातार डेबरा वाले विधायक को फोन कर क्यूआर कोड या गूगल-पे नंबर या बैंक अकाउंट नंबर मांग रहे हैं। डेबरा विधायक ने बताया कि एक जैसा नाम होने के कारण बीते तीन दिनों में 300 से अधिक लोगों ने चंदा देने की इच्छा से उन्हें फोन किया। ये फोन बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान और विदेशों से भी आ रहे हैं। अब भी अजनबियों के फोन आ रहे हैं। पूर्व आईपीएस और मौजूदा विधायक हुमायूं कबीर ने बताया कि लगातार फोन और संदेश का जवाब देने में बहुत मुश्किल हो रही है। उन्हें बार-बार समझाना पड़ रहा है कि वह मुर्शिदाबाद वाले हुमायूं कबीर नहीं हैं। वह सफाई देते फिर रहे हैं कि उनका नाम भी हुमायूं कबीर है, लेकिन उन्हें तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थिति थोड़ी अजीब हो गई है, लेकिन वह विनम्रतापूर्वक लोगों को सही नंबर ढूंढने और भरतपुर वाले हुमायूं कबीर से संपर्क करने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट भी लिखा कि मंदिर और मस्जिद राजनीतिक अखाड़ा नहीं, बल्कि प्रार्थना व पूजा के स्थल हैं।

अंग्रेजी ने बढ़ायी आर्थिक-सामाजिक असमानता

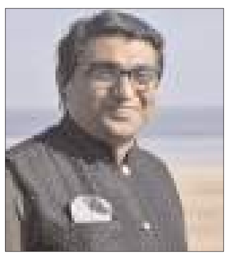

पंकज जगन्नाथ जयसवाल

अंग्रेजी पढ़े-लिखे एलीट वर्ग को आर्थिक अवसरों तक ज्यादा पहुंच मिली, जिससे सामाजिक और आर्थिक असमानता और बढ़ गई। जो लोग अंग्रेजी में माहिर नहीं थे, वे नुकसान में थे, जिससे गरीबी और हाशिए पर रहने का सिलसिला जारी रहा। जो लोग अंग्रेजी में माहिर नहीं थे, वे नुकसान में थे, जिससे गरीबी और हाशिए पर रहने का सिलसिला जारी रहा।

मैकाले कोई इंडोलॉजिस्ट नहीं था। वह कोई शिक्षाविद् या जाने-माने बुद्धिजीवी नहीं थे। फिर भी, उन्होंने भारत के सामाजिक और शैक्षिक ढांचे को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाया। वह निःस्संदेह आत्महीनता की मानसिकता के सबसे बड़े दोषी थे, जो आज भी हिंदू समुदाय को परेशान करती है। उन्होंने हिंदू दिमाग में अपनी महान साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति नफरत सफलतापूर्वक भर दी। संस्कृत को पुराना बताकर और अंग्रेजी की तारीफ कर मैकाले का मकसद न सिर्फ पहली भाषा को बदलना था, बल्कि उसके लिए नफरत के बीज भी बोना था। इससे एक तरह की सांस्कृतिक गुलामी पैदा हुई, जिसमें हिंदू समाज ने पश्चिमी मूल्यों को आंख बंद करके अपना लिया। संस्कृत के बाद में हुए पतन से सांस्कृतिक और बौद्धिक पूंजी का भारी नुकसान हुआ, जिससे भारत का सामाजिक माहौल अपरिवर्तनीय रूप से बदल गया। मैकाले की थोपी गई नीति ने भारत में एक तरह की अंग्रेजी भाषाई और सांस्कृतिक गुलामी को जन्म दिया। गुरुकुल प्रणाली, जो पीढ़ियों से भारतीय शिक्षा की नींव रही थी, धीरे-धीरे हाशिये पर चली गई। संस्कृत, दर्शन, आयुर्वेद और शास्त्रीय कला जैसे पारंपरिक विषयों, जो गुरुकुल पाठ्यक्रम के लिए जरूरी थे, उसे नजरअंदाज कर दिया गया। इस नीति के कारण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का धीरे-धीरे पतन हुआ। गुरुकुल प्रणाली न सिर्फ अकादमिक शिक्षा देती थी बल्कि नैतिक आदर्श, सांस्कृतिक परंपराएं और आध्यात्मिक अभ्यास भी सिखाती थी। मैकाले की नीति, जिसने पश्चिमी सिद्धांतों पर जोर दिया, उसने इन तत्वों को खत्म कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षित अभिजात वर्ग में सांस्कृतिक पहचान का नुकसान हुआ। कई स्थानीय शिक्षक और बुद्धिजीवी जो पारंपरिक ज्ञान के संरक्षक थे, उन्हें हटा दिया गया। उनके कौशल और प्रतिभा को कम आंका गया, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक शिक्षकों की स्थिति और संख्या में कमी आई। ध्यान समग्र शिक्षा से हटकर रटने और परीक्षा-उन्मुख पढ़ाई पर चला गया। गुरुकुल प्रणाली का छात्रों के पूर्ण विकास (लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए) पर जोर शिक्षा के एक सीमित, उपयोगितावादी दृष्टिकोण में बदल गया। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा, खासकर उसका अभिजात वर्ग, बहुत ज्यादा पश्चिमी हो गया। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी में शिक्षित लोगों और पारंपरिक तरीकों का पालन करने वालों के बीच एक सामाजिक-सांस्कृतिक विभाजन पैदा हुआ। यह विभाजन आज भी बना हुआ है, जो सामाजिक-आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। अंग्रेजी पर जोर देने से शैक्षिक और प्रशासनिक संदर्भों में

स्वदेशी भाषाओं के उपयोग में गिरावट आई। इससे साहित्य और मौखिक परंपराओं के कई पारंपरिक रूपों का धीरे-धीरे विलुप्त होना शुरू हो गया। लगातार आने वाली पीढ़ियों में पहचान का संकट था, जो पश्चिमी प्रभावों और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच बंटी हुई थीं। नतीजतन, बहुत से लोगों में अपनी जड़ों पर गर्व की कमी है और वे पश्चिमी जीवन शैली और आदर्शों को पसंद करते हैं। स्कूल सिस्टम का पश्चिमी तौर-तरीकों के साथ तालमेल होने से पश्चिमी ज्ञान प्रणालियों और तरीकों पर निर्भरता बढ़ गई। इससे क्रिएटिविटी और मौजूदा चिंताओं के लिए स्थानीय समाधानों के विकास में रुकावट आई। अंग्रेजी पढ़े-लिखे एलीट वर्ग को आर्थिक अवसरों तक ज्यादा पहुंच मिली, जिससे सामाजिक और आर्थिक असमानता और बढ़ गई। जो लोग अंग्रेजी में माहिर नहीं थे, वे नुकसान में थे, जिससे गरीबी और हाशिए पर रहने का सिलसिला जारी रहा। भारतीय आंतरिक, अक्सर आसानी से उपलब्ध संसाधनों, जैसे पारंपरिक ज्ञान, समझ और प्राकृतिक संसाधनों से पूरी तरह अप्रभावित हैं, लेकिन वे बाहरी संसाधनों, जैसे पश्चिमी तरीकों, जानकारी और बाजारों के आदी हो गए हैं।

ऐतिहासिक विवि और गुरुकुल संस्थानों का प्रसार

एक अनुमान के अनुसार, प्राचीन भारत में एक समय 50 से ज्यादा विश्वविद्यालय थे। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी विश्वविद्यालय, ओदंतपुरी, मिथिला विश्वविद्यालय, तेलहारा विश्वविद्यालय, शारदापीठ मंदिर विश्वविद्यालय, पुष्पगिरि विश्वविद्यालय, सोमपुरा विश्वविद्यालय और बिक्रमपुर विश्वविद्यालय कुछ जाने-माने संस्थान हैं। तक्षशिला के कुछ जाने-माने पूर्व छात्रों में व्याकरणविद् पाणिनी शामिल हैं, जिन्होंने क्लासिक पुस्तक अष्टाध्यायी लिखी थी और आचार्य चाणक्य, जिन्होंने अर्थशास्त्र की रचना की थी। इस पहले अध्ययन में, डब्ल्यू. एडम्स ने देखा कि 1830 के दशक के दौरान बंगाल और बिहार में लगभग 1,00,000 गांव में स्कूल थे। मद्रास प्रेसीडेंसी के गवर्नर थॉमस मुनरो ने एडम्स से पहले देखा था कि हर गाँव में एक स्कूल था। प्रेंडरगास्ट ने देखा कि हमारे पूरे क्षेत्रों में शायद ही कोई गांव हो, बड़ा या छोटा, जिसमें कम से कम एक स्कूल न हो और बड़े गाँवों में ज्यादा। 1882 में डॉ. जी.डब्ल्यू. लीटनर के अवलोकन से पता चलता है कि पंजाब में लगभग साल 1850 में शिक्षा इसी स्तर तक फैली हुई थी। थॉमस मुनरो ने इन गुरुकुलों में पढ़ने वाले छात्रों के जातिगत डेटा भी एकत्र किए और उनमें से अधिकांश गैर-ब्राह्मण थे। कुछ इलाकों में, ब्राह्मणों की संख्या केवल 8% थी, जबकि सबसे ज्यादा संख्या लगभग 37% थी। धर्मपाल की किताब द ब्यूटीफुल ट्रीƶ में यह सारी जानकारी है। गुरुकुल प्रणाली बच्चे की समग्र शिक्षा सुनिश्चित करती है। गुरुकुल प्रणाली द्वारा पढ़ाए जाने वाले मुख्य विषय इस प्रकार हैंः खगोल विज्ञान, दर्शनशास्त्र, गणित, विज्ञान, धर्मसूत्र (कानूनों का अध्ययन), अर्थशास्त्र (राजनीति विज्ञान), आयुर्वेद (चिकित्सा), धनुर्वेदम् (रक्षा अध्ययन), वेद व वेदांग। ये गुरुकुलों में पहले पढ़ाए जाने वाले कुछ ही पाठ्यक्रम हैं। संगीत और मिट्टी के बर्तन बनाने सहित और भी बहुत कुछ है। गुरुकुल प्रणाली के प्राथमिक लाभों में से एक कौशल का विकास है। गुरुकुल प्रणाली का लचीलापन इसे आज की तेजी से बदलती परिस्थितियों में एक व्यवहार्य विकल्प बनाता है।

मैकाले ने भारतीय समाज को कैसे बर्बाद किया

भारत में क्या हुआ? भारतीय शिक्षा के लिए रखे गए एक लाख रुपये की मामूली रकम से भी विदेशी ईसाई मिशनरी नाराज हो गए। जी.डी. ट्रेवेलियन के अनुसार लाइफ ऑफ लॉर्ड मैकाले (वॉल्यूम 1, पृष्ठ 164) में 1835 में एक नए भारत का जन्म हुआ। अंग्रेजों ने वित्तीय संसाधन कम कर दिए और कई नियम लागू किए, जैसे पक्की इमारत होनी चाहिए वगैरह। लेकिन, यह अंत नहीं था। उन्होंने टी.बी. मैकाले को बुलाया ताकि यह तय किया जा सके कि पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जाए, शिक्षा का माध्यम क्या होना चाहिए और भारतीयों को शिक्षित करने का तरीका क्या होना चाहिए। मैकाले के शिक्षा संबंधी मिनट्स, जिसमें यह अनिवार्य किया गया था कि भारत पश्चिमी भाषा, अंग्रेजी के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करे, उसने वह कर दिखाया जो सिकंदर और पश्चिमी मिशनरी नहीं कर पाए थे। जिससे प्राचीन सभ्यता की मूलभूत नींव हिलने लगी। मैकाले ने कुछ और भी ज्यादा नुकसानदायक किया जिसे ज्यादा लोग नहीं समझते। उसने भारतीयों को पढ़ाने के लिए डाउनवर्ड फिल्ट्रेशन मेथड का इस्तेमाल किया। यह तकनीक क्या है? मैकाले की समस्या यह थी कि भारतीय बहुत ज्यादा थे और अंग्रेज बहुत कम। वे भारतीयों को कैसे पढ़ाने वाले थे? इस देश को इस हद तक कैसे कमजोर किया जा सकता था कि वह अनजाने में ब्रिटिश राज का समर्थन करे? कहानी यह है कि एक बार जब वह ऊटी में अपने महल में थे, तो उन्होंने देखा कि एक भारतीय अधिकारी उनके घर के पास उनके ऑफिस के बाहर बैठे एक चपरासी के पैर छू रहा था और वह जाहिर तौर पर हैरान रह गए। एक अधिकारी एक चपरासी के पैर क्यों छू रहा था? आप नहीं जानते, यह भारतीय समाज एक अजीब समाज है। यहां ब्राह्मणों का सम्मान किया जाता है और चपरासी उसी जाति का है। इसके बाद, मैकाले ने कुछ बदलाव किए जिन्हें पब्लिकेशन में अच्छी तरह से रिकॉर्ड और वेरिफाई किया गया है। हालांकि इसे बहुत बाद में डेवलप किया गया था लेकिन डाउनवर्ड फिल्ट्रेशन अप्रोच के तहत स्कूलों में ऊंची जाति को फायदा दिया गया। उन्होंने कहा, लेकिन हमारे सीमित साधनों से सभी को अंग्रेजी में पढ़ाना हमारे लिए नामुमकिन है। फिलहाल, हमें ऐसे लोगों का एक वर्ग बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए जो बुद्धि, नैतिकता, पसंद और विचारों में अंग्रेजी हों, लेकिन खून और रंग में भारतीय हों। 12 अक्टूबर, 1836 को लिखे एक पत्र में, मैकाले ने अपने पिता को लिखाः हमारे इंग्लिश स्कूल बहुत अच्छी तरह से फल-फूल रहे हैं; हमें सभी को शिक्षा देना मुश्किल हो रहा है।

नेपाल ने फिर छेड़ा काली का राग

जयसिंह रावत

यह विवाद नया नहीं है, जिसे नेपाल पिठले 208 वर्षों से यदाकदा उठाता रहा है। भारत जिस नदी को काली नदी मानता है, नेपाल उसकी जगह कूटी यांग्ती को असली काली नदी बताता है। ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच 2 दिसंबर 1815 को हुयी सुगोली की संधि में काली नदी को ही भारत और नेपाल के बीच विभाजन रेखा माना गया है।

नेपाल ने लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और काला पानी को दशार्ने वाले मानचित्र के साथ अपना 100 रुपये का नया करेंसी नोट जारी कर भारत के साथ दो सदी से भी पुराने सीमा विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है। मई 2020 में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने भी एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी किया, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को नेपाल का क्षेत्र दिखाया गया था।

भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच नयी दिल्ली में गत 18 अगस्त को हुयी वार्ता में आपसी व्यापार के लिये जिन तीन नये रास्ते खोलने पर सहमति बनी है उनमें से एक लिपुलेख भी है जिस पर नेपाल ने आपत्ति जताई है। जिस कूटी यांग्ती नदी को नेपाल काली बता रहा है वह पश्चिम से पूरब की ओर बहती है। जिसमें दो किनारों की विभाजक दिशाएं पूरब पश्चिम नहीं बल्कि उत्तर - दक्षिण हैं। इस कूटी घाटी के निचले आबादी वाले क्षेत्र में नदी के दोनों ओर भारत और नेपाल के गांव हैं। जबकि, भारत जिस नदी को काली मानता है वह उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। इसलिये संधि के हिसाब से पूरब में नेपाल के दाचुर्ला जिले के छांगरू, दिलीगाड़, तिंकर और कौआ गांव हैं, जबकि पश्चिम में भारत की गुंजी, नपलच्यू, रौंगकौंग, नाबी, कूटी, गर्ब्यांग और बुदी ग्राम सभाएं हैं। उत्तराखण्ड में मुख्य सचिव और मुख्य सूचना आयुक्त रह चुके नृपसिंह नपलच्याल का गांव इसी क्षेत्र के नपलच्यू में है। गुंजी, नाभी और कूटी के एक दर्जन से अधिक आइएएस, आइपीएस, पीपीएस और पीसीएस अधिकारी उत्तराखण्ड और

भारत सरकार की सेवा में हैं।

यह विवाद नया नहीं है, जिसे नेपाल पिठले 208 वर्षों से यदाकदा उठाता रहा हैं। भारत जिस नदी को काली नदी मानता है, नेपाल उसकी जगह कूटी यांग्ती को असली काली नदी बताता है। ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच 2 दिसम्बर 1815 को सम्पन्न हुयी सुगोली की संधि में काली नदी को ही भारत और नेपाल के बीच विभाजन रेखा माना गया है। नेपाल की नवीनतम आपत्ति इस बात को लेकर है कि दोनों देशों ने लिपुलेख से व्यापार खोलने पर संधि कर ली जबकि काली नदी की उसकी अपनी परिभाषा के अनुसार यह क्षेत्र नेपाल का भू भाग है। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुयी सहमति के परिणाम स्वरूप भारत की ओर से लिपुलेख, शिप्की लॉ और नाथू लॉ से प्राचीन व्यापारिक मार्ग खुलने हैं। लेकिन इस सहमति के बाद नेपाल ने अड़ंगा खड़ा करने के लिये एक बाद फिर नये नोट पर विवादित मानचित्र छाप कर पुराने विवाद को हवा दे दी। भारत के लिये लिपुलेख दर्रा आर्थिक, सामरिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त महत्व का है। यहीं से चीन के साथ व्यापार शुरू होने के साथ ही यही कैलाश मानसरोवर का रास्ता भी है। यही वह दर्रा है जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सबसे मजबूत मोर्चा साबित हुआ था। इसलिये तभी से यहां पर भारत की सुरक्षा चौकियां स्थापित हैं। हालांकि, नेपाल का यह सपना कभी साकार होने वाला नहीं है फिर भी नेपाल में भारत विरोधी तत्व सदैव काली नदी के विवाद को दोनों देशों के बीच तनातनी का मुद्दा बनाये रखेंगे। चीन भी ऐसे तत्वों को हवा देता रहेगा। सुगोली में 2 दिसम्बर 1815 को नेपाल के महाराजा विक्रमशाह बहादुर शमशेर जंग के प्रतिनिधि राजगुरू गजराज मिश्र और चन्द्रशेखर उपाध्याय तथा कंपनी की ओर से ले0 कर्नल ब्रैडशॉ ने जिस संधि पर हस्ताक्षर किये थे, उसमें सतलज से लेकर घाघरा और मेची के बीच का सारा भूभाग अंग्रेजों के अधीन मान लिया गया था। नेपाल इस संधि को तो मानता है, लेकिन वह कालापानी से 16 किमी दूर लिम्पिया धुरा से निकलने वाली उस नदी को काली नदी मानता है जिसे भारत कूटी यांग्ती मानता रहा हैं। अगर नेपाल का दावा मान लिया जाए तो न केवल लिपुलेख दर्रा और कालापानी अपितु उत्तराखण्ड राज्य के पिथौरागढ़ जिले की 7 ग्राम सभाएं भी नेपाल में चली जाती हैं। सुगोली की संधि की धारा 5 में साफ लिखा गया है कि काली नदी के पश्चिम वाला हिस्सा ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिक्षेत्र होगा और उस क्षेत्र पर तथा क्षेत्र वासियों पर नेपाल का राजा या उसके उत्तराधिकारी कभी दावा नहीं करेंगे। इन दोनों जलधाराओं का गुंजी के निकट मनीला में संगम होता है। तवाघाट में काली नदी में धौली, जौलजीवी में गोरी, पीपली में चरमा और पंचेश्वर में सरयू नदियां मिलती हैं। टनकपुर से काली नदी शरदा और लखीमपुर से घाघरा हो जाती है।

दरअसल, सुगोली की संधि के बाद से ही नेपाल अंग्रेजों से ही काली नदी को लेकर विवाद करने लग गया। कारण यह कि संधि के समय उस क्षेत्र का कोई नक्शा ही नहीं था। वह क्षेत्र इतना दुर्गम था कि उस समय के शासकों के लिये उससे राजस्व की कोई उम्मीद ही नहीं थी। हिमालयन गजेटियर (सन 1884: वाल्यूम-2 पार्ट-2: 679-680) में ई.टी. एटकिन्सन लिखता है कि संधि के अनुसार टौंस से शारदा तक पूरा क्षेत्र ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण में आ गया, मगर उत्तर में केवल एक छोटे तथा महत्वहीन क्षेत्र पर विवाद बना रहा। इसके साथ ही संधि के अनुसार ब्यांस परगना के दो हिस्से हो गये थे, जबकि अब तक वह कुमाऊं का अभिन्न हिस्सा था। वैसे भी यह जुमला और डोटी से अलग क्षेत्र था। नेपाल ने कुमाऊं के कमिश्नर और नेपाल के रेजिडेंट ई0 गार्डनर को 4 फरबरी 1817 को परगना ब्यांस में काली के पूर्व में पड़ने वाले तिंकर और छांगरू गावों पर अपना दावा पेश करते हुये पत्र लिखा तो वे सचमुच काली नदी के पूरब में थे, इसलिये उन्हें डोटी के तत्कालीन सूबेदार बमशाह के अधिकार में दे दिया गया। इससे भी नेपाल सन्तुष्ट नहीं हुआ और उसने कूटी तथा नाभी की भी मांग करनी शुरू कर दी। इस पर नेपाल के रेजिडेंट एवं कुमाऊं कमिश्नर ने कैप्टन वेब से नेपाल के दावे की जांच कराई तो उसने सन 1818 तक कुमाऊं का व्यापक दौरा किया। 11अगस्त और 20 अगस्त 1817 को सौंपी गयी अपनी रिपोर्ट में वेब ने माना कि पवित्र कालापानी चश्मे से निकलने वाली, मगर कम पानी वाली जलधारा ही सदैव काली की मुख्य शाखा मानी जाती रही है।

भारत-रूस संबंध और बदलता वैश्विक समीकरण

डॉ प्रियंका सौरभ

पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी भारत के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। रूस से होने वाले रक्षा आयात और महत्वपूर्ण स्पेयर पार्ट्स पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण धीमे पड़ रहे हैं। भारत की वायुसेना और थलसेना जिन कई प्रमुख प्रणालियों पर निर्भर हैं, वे रूस द्वारा निर्मित या रूस के सह-उत्पादन वाले हैं।

रूस के साथ भारत के संबंध दशकों से सामरिक साझेदारी, रक्षा सहयोग और राजनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर टिका रहा है। शीतयुद्ध के दौर से लेकर वर्तमान तक रूस उन कुछ देशों में रहा, जिसने कठिन समय में भी भारत के हितों का समर्थन किया। परंतु साल 2022 में शुरू हुए रूसझ्यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार, वित्तीय ढांचे और सामरिक गठबंधनों को जिस तरह बदल दिया है, उसने भारतझ्रूस संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने न केवल रूस की अर्थव्यवस्था और उसकी रक्षा-उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है, बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के लिए भी अभूतपूर्व कूटनीतिक चुनौतियाँ पैदा की हैं। एक ओर अमेरिका, यूरोप और इंडो-पैसिफिक साझेदार भारत से पश्चिमी मानदंडों का पालन करने की उम्मीद करते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत रूस से ऊर्जा, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय संतुलन की जरूरतों को अनदेखा नहीं कर सकता। इस दोराहे पर भारत की सबसे बड़ी परीक्षा है कि कैसे रूस के साथ संबंधों को बनाए रखते हुए अपनी सामरिक स्वायत्तता को मजबूती से स्थापित किया जाए।

आज की सबसे बड़ी जटिलता यह है कि रूस धीरे-धीरे चीन के करीब जाता दिख रहा है और यह समीकरण भारत के हितों की दृष्टि से पूरी तरह अनुकूल नहीं कहा जा सकता। चीन के साथ रूस का बढ़ता आर्थिक, तकनीकी और सैन्य सहयोग उस क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर रहा है, जिसमें भारत अपनी सुरक्षा रणनीति का निर्माण करता है। भारत जानता है कि चीन की मंशा केवल एशिया प्रभुत्व तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को बदलने की है। ऐसे में रूसझ्चीन निकटता भारत की सामरिक गणना को कठिन बनाती है।

पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी भारत के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। रूस से होने वाले रक्षा आयात और महत्वपूर्ण स्पेयर पार्ट्स पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण धीमे पड़ रहे हैं। भारत की वायुसेना और थलसेना जिन कई प्रमुख प्रणालियों पर निर्भर हैं, वे रूस द्वारा निर्मित या रूस के सह-उत्पादन वाले हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूसी रक्षा उद्योग पर जो दबाव बढ़ा है, उसने भारत को कई सैन्य परियोजनाओं की समय-सीमा को लेकर चिंतित कर दिया है। कुछ हथियार प्रणालियों और मिसाइल डिलीवरी में देरी भी इसे दशार्ती है। यह स्थिति भारत को मजबूर करती है कि वह दीर्घकालिक रूप से अपने रक्षा स्रोतों को विविध बनाए और घरेलू उत्पादन पर अधिक ध्यान दे। इसी बीच व्यापारिक असंतुलन भी भारतझ्रूस संबंधों का एक गंभीर पहलू बनकर उभरा है। कच्चे तेल के आयात में भारी वृद्धि ने रूस के साथ भारत के व्यापार को एकतरफा बना दिया है। रूस को भारत से निर्यात बेहद कम है और भुगतान

प्रणाली भी स्पष्ट ढंग से स्थिर नहीं हो पाई है। रुपया-रूबल व्यापार व्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नियमों के कारण अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर पाई है। इससे दोनों देशों के व्यापारिक ढांचों में अनिश्चितता और जोखिम बढ़ा है।

दूसरी ओर पश्चिमी देश भी चाहते हैं कि भारत रूस को समर्थन कम करे और यूक्रेन मुद्दे पर एक ₹नैतिक₹ रुख अपनाए। लेकिन भारत की विदेश नीति का आधार साझा नैतिकता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कई बार मतदान से दूरी बनाकर यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी पक्ष का सीधा समर्थन नहीं करेगा। भारत का यह संतुलित रुख उसकी सामरिक स्वायत्तता का प्रतीक है। परन्तु पश्चिमी देशों में इसे लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। कुछ इसे भारत की प्रैगमैटिक डिप्लोमेसी कहते हैं, तो कुछ इसे रूस के प्रति अतिरिक्त सहानुभूति की तरह देखते हैं। भारत को इन दबावों के बीच अपनी विदेश नीति को चतुराई से साधना होगा। भारत के सामने एक चुनौती यह भी है कि रूस और अमेरिका दोनों उसके महत्वपूर्ण साझेदार हैं। अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा तकनीकी और आर्थिक भागीदार है, साथ ही क्वाड के माध्यम से एशिया-प्रशांत सुरक्षा ढांचे का अभिन्न हिस्सा भी। वहीं रूस पारंपरिक सहयोगी है और दशकों से भारत के रक्षा ढांचे का मुख्य स्तंभ बना हुआ है। इन दोनों स्तंभों के बीच संतुलन बनाए रखना भारत की कूटनीति के लिए अत्यंत जटिल किंतु आवश्यक कार्य है। भारत को यह दिखाना होगा कि दोनों साझेदारियों में विरोधाभास नहीं बल्कि परस्पर पूरक लाभ हैं। भारत इस मुश्किल संतुलन को बनाए रखने के लिए कई कूटनीतिक रणनीतियां अपना सकता है। सबसे पहले, उसे रक्षा आयात पर निर्भरता कम करके मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को तेजी से आगे ले जाने की नीति अपनानी होगी। रूस के साथ संयुक्त उत्पादन और तकनीकी सहयोग को भारतीय भूमि पर बढ़ाया जा सकता है, जिससे सीधे आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रतिबंधों का प्रभाव न्यूनतम होगा। इसके साथ ही भारत को यूरोप, अमेरिका, फ्रांस और इजराइल जैसे देशों के साथ नई रक्षा साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि भारत रूस के साथ ऊर्जा, कृषि, फार्मा, आईटी और अन्य गैर-रक्षात्मक क्षेत्रों में व्यापारिक विविधता को बढ़ाए। इससे व्यापारिक असंतुलन कम होगा और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता आएगी। तीसरा उपाय यह है कि भारत को एक विश्वसनीय और प्रतिबंध-सुरक्षित भुगतान व्यवस्था विकसित करनी होगी। इसके लिए ब्रिक्स, एससीओ और वैकल्पिक वित्तीय प्रणालियों का उपयोग कारगर हो सकता है। कूटनीतिक स्तर पर भारत को रूस के साथ भरोसेमंद संवाद बनाए रखना होगा, और साथ ही पश्चिमी देशों को यह संदेश भी देना होगा कि भारत की तटस्थता उसकी जिम्मेदार सामरिक सोच का परिणाम है। भारत ने पहले भी यह सिद्ध किया है कि वह किसी ब्लॉक में शामिल हुए बिना भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। आज की वैश्विक परिस्थितियाँ भारत से और भी परिपक्व एवं बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं।

इन सभी परिवर्तनों के बीच यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए किसी भी महाशक्ति का अनुसरण न करे। भारत ने हमेशा एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का समर्थन किया है, जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो। रूस के साथ संबंध बनाए रखते हुए भी भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की दिशा को स्पष्ट रखना होगा–एक ऐसी नीति जो न तो दबाव में निर्णय ले और न ही किसी संघर्ष में अनावश्यक पक्षधरता दिखाए।

अंततः भारत-रूस संबंध आज ऐतिहासिक मोड़ पर खड़े हैं। यूक्रेन युद्ध, प्रतिबंधों की राजनीति और बदलते गठबंधन ढांचे ने इस संबंध को चुनौतीपूर्ण बना दिया है, परंतु इसमें अवसर भी छिपे हैं। भारत को यह समझना होगा कि रूस उसके लिए सिर्फ रक्षा सहयोगी नहीं, बल्कि एक ऐसा साझेदार है जिसके साथ ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संतुलन और एशियाई राजनीति के कई पहलू जुड़े हुए हैं। इसी तरह पश्चिम भी भारत के उदय का अनिवार्य साझेदार है। इसलिए भारत का लक्ष्य किसी भी एक ध्रुव की ओर झुकना नहीं, बल्कि संतुलन का वह मार्ग चुनना होना चाहिए जो उसकी सामरिक स्वायत्तता, आर्थिक स्थिरता और वैश्विक भूमिका को अधिक सशक्त बनाता है।

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सह पलामू जिला प्रभारी सतीश कुमार का हुआ निधन

सतीश बाबू का जाना पार्टी की अपूर्णीय क्षती सुदेश महतो

शोषण के विरुद्ध संघर्ष के पर्याय मुख्य नायक थे सतीश कुमार - अविनाश देव

मेदिनीनगर पलामू/ झारखंड आंदोलनकारी कॉमरेड सतीश कुमार नहीं रहे। कल 10 दिसंबर को गए रात पटना के अस्पताल में अंतिम सांस लिए। नई मोहल्ला उनके आवास पर जाकर अंतिम दर्शन किए। सतीश कुमार वर्तमान में आजसू के राजनीति करते थे। वे मूलतः सामाजिक राजनीतिक दुनिया में विचारधारा से वामपंथी थे। अगर सीधे कहें तो सतीश कुमार नक्सलाइट थे और गुरिल्ला युद्ध लड़े थे। जेल में आंदोलन के दरम्यान लाठी खाए हुए क्रांतिकारी नौजवान थे। भारत नौजवान सभा से राजनीति की शुरूआत किए और ता उम्र गरीबों के आवाज बने रहे शोषण के विरुद्ध जंग लड़ते रहे। नक्सली आंदोलन में सतीश जी का इतना ऊंचा कद था कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक दीपक वर्मा सलीके से सलूक करता और बगल में कुर्सी पर बैठता था। हम पूरी आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि पलामू में जो सामंती शोषण और जमींदारी जुल्म था उसके खिलाफ सतीश कुमार शारीखे नहीं लड़ते तो आज हमारी पीढ़ी इतना आजाद नहीं रहता। सतीश जी भूमिगत लड़ाई नहीं लड़ते तो आज प्रशासनिक महकमा में पदाधिकारी रहते। नौकरी पर लात मार कर मानवीय सम्मान के लिए कलम फेंक कर बंदूक उठा लिया। उनके समकक्ष रहे साथियों ने जो बताया पैर से जमीन खिसक गया। अपने स्वास्थ्य के परवाह किए बगैर घर परिवार मां पिता बीबी बच्चों से दूर जन मुक्ति के लिए भूखे रहा। कागज में पत्नी से तलाक हो गया बाप संपति से बेदखल कर दिए और अपनो से बेगाना आवाम के बीच बने रहे। अपने कॉमरेडाना विरासत के लिए विचारों से तनिक भी समझौता नहीं किया। मुख्यधारा के लिए चुनाव भी लड़े और विपरीत विचारधारा से भी पलामू के विकास में नैतिक समर्थन देते रहे। अति मृदुभाषी व्यवहार समृद्ध समाज लोगों के बीच लोकप्रियता उनकी पहचान थी। उनके निधन पर उनके चाहने वालों की भीड़ जिंदगी के कमाई का गवाही दे रहा था। सतीश कुमार हमारे पिता तुल्य थे क्योंकि हमारे पिता स्वर्गीय सुदामा पंडित के साथ मिलकर अलग झारखंड राज्य की लड़ाई संयुक्त रूप से लड़े थे। हमसे बहुत ही आत्मीय लगाव रखते थे संत मरियम विद्यालय में हमेशा आते मिलते और अपनी बात रखते। हर संभव उनके मदद में हमेशा खड़ा रहते थे। आज वे इस दुनिया को अलविदा कह दिए जिसका मलाल हमेशा खलता रहेगा। प्रकृति उनको शानदार जगह दे, दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। विनम्र श्रद्धांजलि, लाल सलाम,जय भीम, जोहार!

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू

सतीश कुमार का पार्थिक शरीर डालटनगंज पहुँचते ही शहर में शोक की लहर दौड़ गई लोग उनके असमाजिक निधन की खबर से आवाक रह गये और उनके आवास पहुँच कर श्रंद्धाजलि अर्पित की।

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार के निधन की समाचार मिलते ही आजसू के केन्द्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुये कहा कि सतीश बाबू का जाना पार्टी की अपूर्णीय क्षती है उनकी कमी हमेशा महसूस होती रहेगी। केबद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर,हसन अंसारी केन्द्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत ,केन्द्रीय महासचिव संजय मेहता ,केन्द्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान,पूर्व विधायक लम्बोदर महतो इम्तेयाज अहंमद नजमी सहित कई लोगो ने शोक सम्वेदना व्यक्त की। पार्थिक शरीर के डालटनगंज पहुचते ही आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव विजय मेहता, केंद्रीय सचिव विकेश शुक्ला, केंद्रीय सचिव चन्द्रशेखर सिंह छोटू, केंद्रीय सचिव बबलू गुप्ता, जिला कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी शुक्ला, सन्तन मेहता, गढ़वा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा शकर प्रताप विश्वकर्मा चम्पा देवी,लातेहार जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, केन्द्रीय सदस्य संजू सिंह, बुद्धिजीवी मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष शिवशंकर प्रसाद, सतीश तिवारी मनजीत मेहता संगठन सचिव शिवशंकर प्रसाद, तरहसी अध्यक्ष बिरेन्द्र मेहता , केन्द्रीय सदस्य प्रदीप पांडेय युवा संयोजक राहुल मिश्रा छात्र नेता अभिषेक राज सहित आजसू पार्टी के नेताओ ने पहुँच कर उनके पार्थिव शरीर पर पार्टी का झंडा लिपटा कर श्रंद्धाजलि अर्पित की। सतीस कुमार के निधन की सूचना मिलते ही भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, विधायक आलोक चौरसिया के प्रतिनिधि के रूप में भीषम चौरसिया अमरेश चौरसिया, विभाकर पाण्डेय, प्रभात भुइया, जे एम एम के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा सन्नू सिद्दीकी पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी धनन्जय त्रिपाठी रुद्र शुक्ला, मेयर अरुणा शंकर सहित कई दलों के नेता समाजसेवी व्यवसायी पत्रकार बुद्धिजीवियों ने पहुंचकर श्रंद्धाजलि अर्पित की।

अंतिम संस्कार बेलवाटिका स्थित श्मशान घाट पे किया गया

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार के असमय निधन पर गहरी शोक-संवेदना

मेदिनीनगर पलामू/ आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार का असमय निधन हम सबके लिए अत्यंत स्तब्ध करने वाला समाचार है। उनका जाना केवल संगठन की क्षति नहीं, बल्कि हम सभी के लिए एक व्यक्तिगत शोक है। वे हमेशा एक अभिभावक, संरक्षक और प्रेरक शक्ति की तरह हमारे साथ रहे। उनका स्नेह, सरलता, व्यवहार और संगठन के प्रति निस्वार्थ समर्पण आजसू परिवार के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनके मार्गदर्शन की कमी आजीवन खलेगी। इस दुःखद घड़ी में हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं और शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं। पूरी आजसू छात्र संघ इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ी है।

गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के अंपायर-स्कोरर पैनल की बैठक संपन्न

नवप्रदेश/गढ़वा/ 24वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर तैयारी जोरो पर है। प्रतियोगिता के अंपायर एवं स्कोरर पैनल की महत्वपूर्ण बैठक चिनिया रोड स्थित द फ्लेवर इंपायर में आयोजित की गई। बैठक में प्रतियोगिता संचालन से जुड़े सभी तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता प्रतियोगिता के उपाध्यक्ष दीपक ने किया जबकि संचालन सियाराम शरण वर्मा ने किया। मौके पर सचिव आनंद सिन्हा ने प्रतियोगिता के सफल बनाने को लेकर पैनल संयोजक की और से दी गई नामों पर चर्चा की। मैचों के लिए अंपायरों की तैनाती, स्कोररों की जिम्मेदारियां, ग्राउंड एवं टेक्निकल प्रोटोकॉल, खेल भावना बनाए रखने, और विवाद रहित मैच संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए गए।

प्रतिभागी टीमों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मैच शेड्यूल के अनुरूप समय-प्रबंधन पर भी विस्तृत विमर्श किया गया।

प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी सदस्यों को दायित्व सौंपे गए हैं। जिसमें खिलाड़ियों की पात्रता जांच, पैनल द्वारा जारी नियमावली के पालन तथा मैदान पर अनुशासन सुनिश्चित करना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रतियोगिता को निष्पक्ष, पारदर्शी और सफल तरीके से आयोजित करने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अंपायर पैनल के सदस्य सियाराम शरण वर्मा और चंद्रभूषण सिन्हा की देख रेख में अंपायर पैनल का गठन किया गया जिसके मैनेजमेंट कमिटी के प्रभारी प्रिंस सोनी,मनीष उपाध्याय,अमित उपाध्याय,को बनाया गया।उनके नेतृत्व में आठ सदस्यीय अंपायर कमिटी का गठन किया गया। जिसमें रोहन तिवारी, मनीष उपाध्याय, अभिषेक द्विवेदी, आदित्य तिवारी, आकाश कुमार, आलोक गुप्ता, प्रवीण मिश्रा का नाम शामिल है जबकि स्कोरर पैनल में नमन कुमार, अभिनव, आकाश, अभिषेक कुमार, दिव्य रंजन चौबे को रखा गया है। लंच कमीटी का प्रमुख अभिषेक द्विवेदी को बनाया गया हैकमेंटेटर के लिए मनोज तिवारी और प्रिंस खान को रखा गया है। वही मैदान संचालन कमिटी में नैतिक कुमार,शहजाद खान को रखा गया है। बैठक में जितेंद्र सिन्हा,सचिव आनंद सिन्हा,पंकज सोनी,प्रवीण मिश्रा मौजूद थे।

विद्यालय में शिक्षक के साथ हुये मारपीट के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार

नवप्रदेश/नौडीहा बाजार पलामू। भितिहरवा विद्यालय में शिक्षक के साथ हुये मारपीट के मामले में प्राथमिकी अभियुक्त लल्लू यादव पिता सरदार यादव ग्राम भितिहरवा थाना नौडीहा बाजार को गिरफ्तार कर दिनांक 11.12.2025 को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह नौडीहा बाजार थाना अंतर्गत ग्राम भितिहरवा में शिक्षक विश्वनाथ यादव के साथ विद्यालय में शिक्षण कार्य अवधि के दौरान गांव के कुछ लोगों ने मारपीट की घटना को अंजान दिया था। जिसमें लोगों को आरोप था कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा अनियमितता बरती जा रही है। इसी बात को लेकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। अपील- पलामू पुलिस की आम जनों से अपील है कि किसी भी संस्थान के शिकायत संबंधित विभाग के वरीय पदाधिकारी के समक्ष किया जाए। किसी भी परिस्थिति में ऐसा कृत्य नहीं करे जिस से विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो।

टाउन हॉल में जेएसएलपीएस के द्वारा ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम सह ऋण वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू/ मेदिनीनगर के टाउन हॉल में जेएसएलपीएस की ओर से ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम सह ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ मेदिनीनगर एसडीओ सुलोचना मीणा,एनडीसी नीरज कुमार,डीपीएम अनिता केर-केट्टा ने किया।इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता करकेटा द्वारा बताया गया की जेएसएलपीएस के द्वारा ग्रामीण महिलाओं को छोटे-छोटे उद्यम कराया जा रहा है साथ में बैंक से ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में इस वित्तीय वर्ष में 14000 से ज्यादा उद्यम शुरू किया गया है जैसे किराना दुकान,चाय समोसा, चूड़ी-बाला निर्माण,खाद सामग्री नमकीन, चुडा,सरसो तेल,आटा पैकिंग, पनीर दूध दही इत्यादि जैसे छोटे छोटे उद्यम विकास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। एसडीओ सुलोचना मीणा के द्वारा सखी मंडल के दीदी को कुछ नवाचार करने का प्रयास तथा जिले के सभी दीदी को उद्यम विकास से गरीबी से बाहर निकालने का प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि दीदी अपना पहचान खुद बनाये जिससे जिला का उस विशेष उद्ययम मे पहचान बने। ग्रामीण महिलाओं को सरकार के तरफ से समुचित सहयोग प्रदान किया जा रहा है। एसडीओ के द्वारा छह दीदी दुर्गवती देवी, सुलेखा कुमारी,मंजू देवी,सुप्रिया देवी,रानी बेगम,रीना देवी को व्यक्तिगत ऋण का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में एलडीएम आलोक श्रीवास्तव, झारखंड ग्रामीण बैंक के रीजनल मैनेजर अरुण कुमार, क्रेडिट मैनेजर संजीव कुमार, जिला कौशल पदाधिकारी नीरज कुमार,आरसेटी निदेशक ब्रह्मानंद,जिला प्रबंधक स्किल एवं जाब नवल किशोर राजू, मिथिलेश कुमार,शेखर लाल, संदीप मिश्रा,प्रधान से रुचिका सिंह, बीपीएम वैभव कांत,अंजनी कुमार, पिंकी सिंह,राम ध्यान,बीपीओ राजीव भारद्वाज,सुनील कुमार,मंदिप कुमार सहित जिले के उद्यमी

ब्लूमिंग बड्स ग्लोबल स्कूल में दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच कैंप सम्पन्न

नवप्रदेश/हरिहरगंज पलामू/ शहर के टंडवा रोड़ स्थित ब्लूमिंग बड्स ग्लोबल स्कूल में गुरुवार को आरबीएसके टीम द्वारा दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया. कैंप का नेतृत्व डॉ तौहीद अहमद और डॉ अनीश अख्तर ने किया. कैंप में नर्सरी से कक्षा 6 तक के करीब 350 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया. जांच के दौरान बच्चों के कान, आंख, दांत, ऊंचाई, वजन सहित अन्य आवश्यक पैरामीटर की विस्तृत जांच की गयी. डॉक्टरों ने छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी. विद्यालय परिवार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया. इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर अरुंजय कुमार और प्रिंसिपल रंजन शर्मा ने बताया कि ऐसे कैंप से छात्रों के नियमित स्वास्थ्य मूल्यांकन में काफी मदद मिलती है. मौके पर अभिमन्यु कुमार, शिक्षक गुप्ता सिंह, जुली कुमारी, अमन कुमार, राधा कुमारी, शैली कुमारी, प्रिया कुमारी, प्रियंका कुमारी, सिम्मी कुमारी, हेमा कुमारी, सुप्रिया कुमारी, सरिता कुमारी और संगीता कुमारी उपस्थित रहीं. कैंप में स्वास्थ्य कर्मी एएनएम संगीता कुमारी, अजीत कुमार रवि और सुमित कुमार ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. आरबीएसके द्वारा आयोजित यह स्वास्थ्य जांच कैंप छात्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सराहनीय पहल साबित हुआ.

कोरटा गांव में आंगनबाड़ी सेविका चयन, दूसरी बार चुनाव के बाद भी, पुष्पा बनी आंगनबाड़ी सेविका

कंडा मुखिया वादे के मुताबिक लगातार क्षेत्र के ग्रामीणों से हो रहे रूबरू, समस्याओं के निदान हेतु पहल जारी

नवप्रदेश/नावा बाजार पलामू/ कंडा पंचायत के मुखिया नरेंद्र सिंह ने वादे की मुताबिक लगातार अपने पंचायत क्षेत्र के गांवों में दौरा कर ग्रामीणों के समस्याओं से रूबरू होते हुए, समस्याओं को निदान करने में लगे नजर आ रहे हैं, मुखिया नरेंद्र सिंह पंचायत दिवस पर पंचायत के सभी कार्य निष्पादन करते हुए, अपने समर्थकों के साथ कोरटा गांव पहुंचे, जहां विवादित आंगनबाड़ी सेविका चयन का निष्पादन किया गया, आंगनबाड़ी सेविका का चयन मुख्य नरेंद्र सिंह के अध्यक्षता में किया गया, इससे पूर्व भी 6 फरवरी 2025 को आंगनबाड़ी सेविका को चयन किया

गया था, लेकिन विपक्ष सुषमा कुमारी पति संजय सिंह के द्वारा, आरोप लगाते हुए, उस चुनाव को रद करवा दिया गया था, पर्यवेक्षक-सीडीपीओ श्रीमती रेणु बाला, सुपरवाइजर विमला कुमारी, मुखिया नरेंद्र सिंह के संयुक्त द्वारा, दोनों पार्टियों के समस्त दस्तावेज जांच करते हुए, पुनः पुष्पा देवी पति अजय सिंह के आंगनबाड़ी सेविका के रूप में चयन किया गया, इसके बाद मुखिया नरेंद्र सिंह पुनः कंडा गांव के स्वयं सेवक संजय पासवान के घर उनके दादी के ब्रह्मभोज में शामिल हो कर, श्रद्धासुमन अर्पित कर, श्रद्धांजलि दी, इसके बाद पुनः लाल बिहारी मोची के घर पहुंचे, जहां उनकी पत्नी के देहांत होने के बाद दुःख व्यक्त करते हुए, मुखिया ने कार्यक्रम करने के लिए, नगद आर्थिक सहयोग किया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अमरेश सिंह के अलावे कई ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

चैनपुर थाना के पास चला वाहन चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर पलामू/न्यायालय के निदेर्शानुसार चैनपुर थाना के पास 2 पहिए वाहन की जांच की गई जिसने 9 दो पहिए को चालान काटने के बाद न्यायालय मेदिनीनगर भेजा गया सभी वाहन चैनपुर थाना में सुरक्षित है कुछ लोग जो हेलमेट रहते हुए भी अपने बाइक में लटका कर यात्रा कर रहे थें उन्हें समझा कर छोड़ दिया गया, चेकिंग का नेतृत्व, एसआई, अनिल विद्यार्थी, एएसआई संजय चौधरी एएसआई वीरेंद्र राम, कर रहे थें जवानों ने भी सक्रियता दिखाई, दीपू दुबे, मनीष दुबे, शिवम दुबे ओम प्रकाश चंद्रवंशी, धीरेन्द्र यादव सहित अन्य जवान शामिल थें, चैनपुर थाना प्रभारी श्री राम शर्मा ने बताया की यह चेकिंग, अभियान न्यायालय के निदेर्शानुसार किया जा रहा है, ताकि लोग अपने जीवन को महत्पूर्ण समझे बिना हेलमेट गाड़ी नहीं चलाए, साथ ही अपराधिक घटनाओं को मद्देनजर यह जांच माननीय न्यायालय ने दिया।

भाजपा नेता के निधन पर पहुंची पूर्व विधायक

पाटन पलामू/ भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सह वरिष्ठ नेता पाटन थाना क्षेत्र के सिरमा निवासी रामाधार साव 86 वर्ष के उम्र मे उनकी मृत्यु हो गई। जिससे भाजपा पार्टी मे शोक की लहर है। भाजपा नेता की निधन की खबर सुनकर छतरपुर पाटन विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक पुष्पा देवी मृतक के घर पहुंच कर अंतिम संस्कार मे शामिल हुई। साथ ही मृतक के परिजनों से मिलकर शोक सवेदना अर्पित की। मौके पर भाजपा जिला कार्यकरणी सदस्य अशोक तिवारी, मुखिया पति सह समाजसेवी सुरेंद्र सिंह, भेजो नेता आनंद सिंह, पप्पू सिंह, बिंदु साव, राधेश्याम मेहता समेत दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता शामिल होकर श्रद्धांजलि दिए।

सीएम ने मुलाकात के बाद झगरू पंडित के प्रतिमा अनावरण का दिया भरोसा

मेदिनीनगर पलामू/संत मरियम स्कूल के चेयरमैन सह झामुमो युवा नेता अविनाश देव ने विधानसभा में बुधवार को सूबे के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से मुलाकात किया। शीतकालीन सत्र में जामताड़ा निवासी झगरू बाबा के परिवार को माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करवाया।विदित हो कि झगरू पंडित झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में दिशोम गुरुजी के सहयोद्धा रहे थे और पारिवारिक संबंध था। दोनों दिग्गज दुनिया में अब नहीं है। गांव घर व समाज के सहयोग से दिवंगत झगरू पंडित की प्रतिमा बन कर तैयार है। सिर्फ अनावरण का इंतजार है। अनावरण को ले कर उनके बहु पोता पोती एवं परिवार के अन्य सदस्य ने सूबे के मुखिया से मिलकर अपनी बातों को रखा। अविनाश देव ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र देकर स्वागत किया और बातचीत हुई। प्रतिमा लोकार्पण के लिए आश्वासन दिए। माननीय सी एम से मुलाकात सकारात्मक और सार्थक रहा। अन्य विषयों पर अल्पावधि में ही बातें हुई। उम्मीद है आनेवाला वक्त में कुछ बेहतर होगा। जोहार!

कैमरा बुकिंग कर घर लौट रहे निशांत का भीषण सड़क हादसा

10 दिन से कोमा में हालत नाजुक, परिवार ने मदद की लगाई गुहार

पांकी पलामू: जिले के पांकी थाना क्षेत्र के हुरलौंग पंचायत निवासी निशांत कुमार एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार, निशांत 29 नवंबर 2025 को रामकंडा से अपने कैमरा की बुकिंग कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रंका मोड़ के पास उनकी बाइक का भीषण एक्सीडेंट हो गया। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया। पिछले 10 दिनों से आईसीयू में है निशांत कोमा में हैं और उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। निशांत कुमार परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनका परिवार इलाज का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं है। ऐसे में परिवार ने जनता एवं सरकार से मदद की अपील की है। परिवार ने लोगों से अनुरोध किया है कि दिए गए फोनपे स्कैनर के माध्यम से यथासंभव सहयोग करें, ताकि निशांत का बेहतर इलाज हो सके।

हरिहरगंज थाना में हिंसा के खिलाफ जागरूकता अभियान

हरिहरगंज पलामू/ महिला सुरक्षा और घरेलू हिंसा रोकथाम को लेकर गुरुवार को हरिहरगंज थाना परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. पुलिस पदाधिकारियों और जेएसएलपीएस की जेंडर सीआरपी टीम ने संयुक्त रूप से हिंसा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम का नेतृत्व एसआइ संतोष कुमार ने किया. उन्होंने जेंडर सीआरपी टीम को घरेलू हिंसा, दहेज निषेध कानून, बाल विवाह, महिला सुरक्षा और कानूनी सहायता की प्रक्रिया की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता फैलाने में जेंडर सीआरपी की भूमिका महत्वपूर्ण है. कार्यक्रम में एसआइ हेमंती बासेकी. राकेश सिंह. एएसआइ अभय त्रिपाठी. संजय कुमार. ममता देवी. पुनम देवी समेत कई सदस्य उपस्थित थे. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसी पहलें महिला सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं.

पलामू कप में रनों का तूफान, डब्लू ने जड़ा पहला शतक

मेदिनीनगर पलामू। दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीजन-3 के पाँचवें दिन दर्शकों ने जबरदस्त क्रिकेट के रोमांच का आनंद लिया। मैदान में रनों की ऐसी बरसात हुई कि दर्शक भी दंग रह गए। बारालोटा इलेवन के धाकड़ बल्लेबाज डब्लू ने सिर्फ 35 गेंदों पर 101 रन की धमाकेदार पारी खेलकर इस सीजन का पहला शतक जड़ा और मैन ऑफ द मैच बने। आज का टॉस डी.सी.ए के राजू शुक्ला ने कराया, जिसमें बेलवाटिका ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया, जो मैच के परिणाम को देखते हुए बेहद गलत साबित हुआ। बारालोटा इलेवन ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 172 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बेलवाटिका ने 141 रन बनाते हुए संघर्ष तो किया, लेकिन लक्ष्य से पीछे रह गए। डब्लू को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी एड वर्ल्ड के प्रोपराइटर मनीष सिंह ने प्रदान की। वहीं, तीन गेंद पर तीन लगातार छक्के जमाने के लिए शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी रौशन नाग ने 501 रुपए का विशेष इनाम दिया। आयोजक झामुमो नेता सन्नी शुक्ला और आशुतोष विनायक ने बताया कि अब टूनार्मेंट में केवल मजबूत और खिताब की दावेदार टीमें बची हैं। कल से क्वार्टर फाइनल मुकाबले शुरू होंगे, जो दर्शकों के लिए और भी रोमांचक साबित होंगे। पलामू कप के इस चरण ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले मैचों में रोमांच और बढ़ने वाला है।

कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं सहकारिता विभाग की बैठक हुई संपन्न , उपायुक्त ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

पशुपालन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, सभी पात्र लाभुकों तक लाभ पहुँचाने का दिया गया निर्देश

कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में सिंचाई, बीज वितरण और यंत्रीकरण योजनाओं की अद्यतन प्रगति पर हुई चर्चा

योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ ग्रामीणों तक पहुंचेः उपायुक्त

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, मत्स्य व सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कृषि विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं यथा बीज विनिमय एवं वितरण की योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कृषि यंत्रीकरण अन्य कृषि संबंधी कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा, पशुपालन विभाग से संचालित योजना यथा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, राष्ट्रीय कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम समेत मत्सय विभाग एवं सहकारिता विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी ढंग से हो और लाभुकों को समय पर आवश्यक इनपुट उपलब्ध कराया जाए।

कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में वित्तीय वर्ष 2024-2025, 2025-2026 में क्रियान्वित योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत- प्रतिशत योग्य किसानों को योजना का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया गया। बीज विनिमय एवं वितरण की योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध बीज वितरण का कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों की ओर प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही कृषि तकनीकी शिविरों का आयोजन कर किसानों को आधुनिक तकनीक, फसल विविधीकरण एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी दी जाए।

बैठक में उपायुक्त ने पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत लाभुकों के बीच आगामी बैठक से पहले पशु वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पशुओं का वैक्सीनेशन शत प्रतिशत करवाने का निर्देश दिया गया। पशुधन योजना अंतर्गत अभी तक हुए प्रगति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित सभी योजनाओं के संचालन के लिए लक्ष्य को पूर्ण करने और जन कल्याण के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी इन योजनाओं को शत प्रतिशत ग्रामीणों तक पहुंचा कर उन्हें इसका लाभ देने की बात कही। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर बल दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला कृषि पदाधिकारी नेहा निश्चा, जिला मत्स्य पदाधिकारी श्रीमती स्वर्णलता मधु लकड़ा, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुषमा प्रधिया, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, हरि कृष्ण, सहकारिता पदाधिकारी, एवं संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मिले कांग्रेस नेता

लातेहार में कृषि विकास को लेकर रखे कई अहम सुझाव

लातेहार। जिला मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से उनके कार्यालय वेश्म में मिला। प्रतिनिधिमंडल में पंकज तिवारी के साथ युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब आलम, कामगार कर्मचारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष कामिल अंसारी, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रब्बानी हुसैन तथा युवा कांग्रेस लातेहार विधानसभा अध्यक्ष शहादत हुसैन टिंकू शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने मंत्री तिर्की को लातेहार जिले की कृषि गतिविधियों, समस्याओं और संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि लातेहार में कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएँ मौजूद हैं, जिनका लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीक का प्रशिक्षण जरूरी है। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों को प्रोत्साहन राशि और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की। पंकज तिवारी ने जिले में धान अधिप्राप्ति केंद्रों को शीघ्र शुरू करने की मांग करते हुए कहा कि समय पर धान क्रय और भुगतान से किसानों को बड़ी राहत मिलती है। कई किसान अपनी जमा पूंजी लगाकर खेती करते हैं, ऐसे में भुगतान में देरी होने पर उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से किसानों की सुविधा के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया।

एनटीपीसी नॉर्थ धाधू कोल परियोजना के लिए तीन गांवों में विशेष ग्राम सभाएं 15 से 17 दिसंबर तक

लातेहार। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की बालूमाथ स्थित नॉर्थ धाधू कोल परियोजना के लिए वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रखंड के बिशुनपुर, गेरेंजा और भैंसादन गांवों में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। इस संबंध में बालूमाथ अंचल अधिकारी ने पत्रांक 1109 के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम सभाओं की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 दिसंबर को बिशुनपुर के प्राथमिक विद्यालय में, 16 दिसंबर को गेरेंजा के प्राथमिक विद्यालय में और 17 दिसंबर को भैंसादन के मध्य विद्यालय में ग्राम सभा आयोजित होगी। इन बैठकों में गैरमजरूआ जंगल झाड़ी (डीम्ड फॉरेस्ट) और प्रोटेक्टेड डिमार्केटेड वन भूमि के अधियोजन प्रस्ताव पर ग्रामीणों की सहमति हेतु अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। ग्राम सभा में प्रस्तावित अधियोजित वन भूमि से संबंधित नक्शा, रकबा, प्लॉट संख्या सहित अन्य विवरण प्रस्तुत किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि वनाधिकार अधिनियम के तहत एनओसी प्रदान करने की प्रक्रिया में ग्राम सभा की सामूहिक सहमति अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्राम सभा द्वारा प्रस्ताव पारित होने के बाद ही जिला स्तरीय समिति द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी। अंचल अधिकारी ने ग्राम प्रधान, वन अधिकार समिति के अध्यक्ष एवं सचिव सहित सभी ग्रामीण परिवारों से अपील की है कि वे ग्राम सभा में उपस्थित होकर महत्वपूर्ण निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बनें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला ग्रामीण विकास शाखा एवं जिला

पंचायती राज द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं कि समीक्षा बैठक हुई संपन्न

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला ग्रामीण विकास शाखा द्वारा कार्यान्वित करायी जा रही योजनाओं एवं जिला पंचायती राज कार्यालय के कार्यों की गति व धरातल पे हो रहे कार्यों की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जातीय, आय, स्थानीय निवासी, विवाह प्रमाण पत्र, वृद्ध पेंशन, विधवा पेंशन सहित विभिन्न प्रमाणझ्पत्र/पेंशन योजनाओं से जुड़े आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुविधाओं, पेंशन एवं प्रमाण-पत्र निर्गमन से संबंधित कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इस दौरान विभिन्न विभागीय पदाधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने विस्तृत रूप से प्रखंडवार संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द सभी अपूर्ण योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, स्वीकृत योजनाओं की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पंचायत स्तर तक विकास योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुँचाने का निर्देश दिया। बैठक में अबुआ आवास, मिट्टी मोरम रोड, पोटो हो खेल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, मानव दिवस, बिरसा हरित ग्राम योजना, जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, एरिया ऑफिसर एप, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, एनआरएम एक्सपेंडिचर, सोशल ऑडिट, जिओ टैगिंग एवं मनरेगा की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। जिला पंचायती राज कार्यालय से संबंधित कार्यों पंचायत स्तर पर चल रही गतिविधियों, ग्राम सभाओं, योजनाओं की निगरानी व्यवस्था, पंचायत भवनों से जुड़े कार्यों, तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान की जा रही जनसुविधाओंकी स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों एवं आवेदनों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को सुविधाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक श्री प्रभात रंजन चौधरी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी, बीपीओ उपस्थित थे।

विधायक रामचंद्र सिंह ने फिर उठाया वन विभाग की रोक के कारण लात और चुगरू सड़क अधूरा रहने का मामला

नव प्रदेश संवाददाताःसुरेंद्र कुमार,बरवाडीहः मनिका विधानसभा क्षेत्र विधायक सह सभापति रामचंद्र सिंह ने झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी विधायक रामचंद्र सिंह ने लात और चुगरू सड़क निर्माण कार्य के अधूरा रहने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाये,उन्होंने कहा कि वन विभाग से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं मिलने के कारण सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से बाधित है,जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इस पर जवाब देते हुए वन मंत्री सुदीव्य सोनू ने सदन को आश्वस्त किया कि विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दे पर विभाग गंभीर है और सभी आवश्यक प्रक्रियाएँ जल्द पूरी कर दी जाएंगी, जिसके बाद वन विभाग की ओर से एनओसी जारी कर दी जाएगी,

बालूमाथ में बड़ा एक्शनः टास्क फोर्स की छापेमारी में 720 टन अवैध कोयला जब्त, कारोबारी रडार पर

नवप्रदेश/लातेहार/बालूमाथ। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी अजय रजक के नेतृत्व में गठित जिला टास्क फोर्स ने बालूमाथ में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के बालू पंचायत अंतर्गत घुटाम इलाके में 12 नंबर खदान के पास छापेमारी कर लगभग 720 टन अवैध कोयला जब्त किया। जब्त कोयले को बालूमाथ थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। टीम ने हरैयाखांड में भी छापेमारी की, हालांकि वहां से कुछ बरामद नहीं हुआ। एसडीओ अजय रजक ने बताया कि उपायुक्त को गुप्त सूचना मिली थी कि घुटाम के 12 नंबर खदान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन चल रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद तत्काल टास्क फोर्स गठित कर कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने कहा कि कोयला व्यवसाय में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और पहचान होते ही सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिस भूमि पर अवैध उत्खनन हुआ है, उसके मालिक को भी चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है। छापेमारी दल में बालूमाथ व हेरहंज के सीओ, खान निरीक्षक पद्मलोचन पोद्दार सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे। उधर, डीएमओ नदीम शफी ने स्पष्ट कहा कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध कोयला या अन्य खनिज संपदा के उत्खनन व परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई तय है। गौरतलब है कि इसी स्थान पर 17 मार्च को भी अवैध कोयला उत्खनन पकड़ा गया था, जिसके बाद बालूमाथ थाना कांड संख्या 26/25 दर्ज कर कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। अफीम के तीन सौदागरों को 8- 8 वर्षों का सश्रम कारावास एवं 50-50 हजार रुपए जुमार्ना लातेहार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा की अदालत ने एनडीपीएस केस संख्या 8/ 2016 की सुनवाई के उपरांत दोषियों को 8- 8 वर्षों का सश्रम कारावास एवं 50-50 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाया है। जुमार्ना की राशि का भुगतान नहीं करने पर 1- 1वर्ष की अतिरिक्त सजा निर्धारित किया है। अपर जिला अभि योजन पदाधिकारी शिव शंकर राम ने अदालत में कुल नौ गवाहों को प्रस्तुत किया। मामले के अनुसार तत्कालीन थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के फर्दबयान पर गत 17 जुलाई 2016 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पुलिस के वरीय पदाधिकारियो को अफीम की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी,जिसके सत्यापन में पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के नेतृत्व में एक टीम टोरी रेलवे स्टेशन पर घात लगाकर तैयार थी। इसी क्रम में तीन संदिग्ध जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन के इंतजार करते देखे गए तीनों अपराधी पुलिस को आगे बढ़ता देखकर भागने का प्रयास किया। जिन्हें पुलिस बल द्वारा दौड़ाकर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों ने अपना - अपना नाम नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव बताया। पुलिस ने बारी-बारी से तीनों की तलाशी ली। तलाशी के क्रम में हैंडबैग में एक प्लास्टिक में रखा एक किलोग्राम अफीम एवं कई आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की। न्यायाधीश श्री मिश्रा ने दोनों पक्षों की दलीलें एवं गवाहों के बयान के आधार पर तीनों आरोपियों नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव को अफीम तस्करी के आरोप को सत्य पाया।

महुआडांड़ में विधिक जागरूकता शिविरः बाल विवाह रोकथाम पर छात्रों को दिया गया संदेश

नवप्रदेश/लातेहार। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के सचिव शिवम चौरसिया के निर्देश पर कानूनी सहायता केंद्र, महुआडांड़ के पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। यह कार्यक्रम महुआडांड़ स्थित संत तेरेसा प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। मौके पर श्री प्रसाद ने बताया कि नालसा दिल्ली के निर्देश पर ह्यनालसा आशाह्न का गठन किया गया है, जो बाल विवाह रोकने की एक प्रभावी और कानूनी रूप से मजबूत पहल है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई है और इसके उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मिलकर प्रयास करना होगा। बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है और इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति दोषी माना जाता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी दुनिया में होने वाले कुल बाल विवाहों में एक तिहाई भारत में होते हैं, जिसे कम करना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार भी इसके लिए लगातार जनजागरूकता और कानूनी सहायता के माध्यम से प्रयासरत है। उन्होंने छात्रों को बताया कि लड़की की न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। कम उम्र में विवाह से लड़कियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और कुपोषित बच्चों के जन्म की संभावना बढ़ जाती है। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रभा लकड़ा, राजू खाखा, विनोद लकड़ा, सुनीता केरकेट्टा, कलरा तिर्की, बेरोनिका एक्का, सिस्टर सुनीता समद, सिस्टर रजनी बाड़ा, उषा एवं अनिता सहित कई शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में पीने का पानी नहीं उपर छत के लिए पानी का सोखता बनाई जा रही है

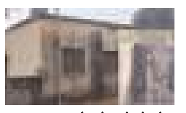

नव प्रदेश संवाददाता :सुरेंद्र कुमार/बरवाडीह : लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र पंचायत केड़ पुलिस पिकेट स्थित बंगला टोला में आंगनबाड़ी केंद्र तिन माह से चापाकल और जल मीनार खराब है,भवन का हालत भी जर्जर हो गई है,भवन की दीवारों से लेकर छत तक हर हिस्सा टूट-फूट कर जर्जर हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र की स्थिति इतनी खराब है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है,इसी बीच केंद्र परिसर में छत से निकलने वाले पानी के लिए सोखता का निर्माण कराए जाने से लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। जर्जर भवन में इस तरह के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि जब पूरा भवन ही उपयोग लायक नहीं है, तब ऐसे समय में सोखता निर्माण पर पैसा खर्च करना समझ से परे है,गौरतलब हो कि आंगनबाड़ी केंद्र में चापाकल खराब है,बच्चो के पीने के पानी का कोई व्यवस्था नही है। विभाग वास्तविक जरूरतों की अनदेखी कर ऐसी परियोजनाओं को प्राथमिकता दे रही है इससे सरकारी राशि की अनावश्यक बबार्दी हो रही है। उन्होंने मांग की है कि पहले भवन की मरम्मत और जरूरी चीजें कराया जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जिलंगा में सरकारी संपत्तियों के फर्जी बंदोबस्त का आरोप, उच्च स्तरीय जांच की मांग

नवप्रदेश/बालूमाथ प्रखंड के मारंगलोईया पंचायत के जिलंगा गांव में ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी कार्यालय पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकारी तालाब, मंदिर परिसर, आंगनबाड़ी केंद्र और विधायक मद से बने पीसीसी पथ का फर्जी बंदोबस्त कर किसी निजी व्यक्ति के नाम ऑनलाइन रसीद जारी कर दी गई है। ग्रामीणों ने इसे पूरी तरह अवैध बताते हुए कहा कि यह सार्वजनिक संपत्तियों पर सीधा अतिक्रमण है।

ग्रामीणों के अनुसार 35 वर्ष पुराना तालाब, आंगनबाड़ी तथा मंदिर गांव की सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र हैं, जबकि पीसीसी सड़क से रोजाना सैकड़ों लोग आवाजाही करते हैं। ऐसे में इन परिसंपत्तियों का बंदोबस्त जनहित के खिलाफ बताया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्रवाई अंचल कार्यालय की मिलीभगत से हुई है, क्योंकि न ग्रामसभा की सहमति ली गई और न कोई सार्वजनिक सूचना जारी हुई। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच, ऑनलाइन निर्गत रसीद की तत्काल निरस्तीकरण और कार्रवाई की मांग की है, साथ ही चेतावनी दी है कि यदि फर्जीवाड़ा नहीं रुका तो वे आंदोलन करेंगे।

अंचलाधिकारी का पक्ष

बालूमाथ अंचलाधिकारी बालेश्वर राम ने कहा कि 87 के तहत डिग्री मिली है और कोर्ट आदेश के अनुसार रसीद निर्गत हुई है। फिर भी मामले की पूरी जांच की जाएगी कि पूर्व रिकॉर्ड में भूमि की प्रकृति क्या दर्ज है।

परिवारिक विवाद में महिला ने किटनाशक खाकर किया आत्महत्या का प्रयास

बालूमाथ संवादाता बारियातू थाना क्षेत्र के बनवार ग्राम में पारिवारिक विवाद ने एक दर्दनाक मोड़ ले लिया, जहां एक विवाहित महिला ने आवेश में आकर कीटनाशक दवा का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। महिला की पहचान जगनी देवी, पति संतोष लोहरा, निवासी बनवार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत उसे बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उपस्थित डॉ अलीशा टोप्पो और डॉ अशोक कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। उसकी हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आवेश में आकर महिला ने यह खतरनाक कदम उठाया। हालांकि, विवाद का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।महिला की स्थिति फिलहाल नाजुक बताई जा रही है और चिकित्सकों की टीम उसकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए है। घटना की सूचना मिलते ही बारियातू थाना पुलिस भी सक्रिय हो गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के वास्तविक कारण और घटना की परिस्थितियों को पता लगाने का प्रयास कर रही है।

वाहन जांच अभियान में परिवहन विभाग ने वसूले 1,30,500 जुमार्ना

बालूमाथ के मकईयाटाड़ पिकेट एवं चन्दवा के सिकनी पिकेट में समीप हुआ जांचः

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के उद्देश्य से उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर बुधवार को जिला परिवहन विभाग ने विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल ने किया।यह जांच चंदवा थाना क्षेत्र के सिकनी पुलिस पिकेट और बालूमाथ थाना अंतर्गत मकईयाटाड़ पुलिस पिकेट के पास संचालित की गई। अभियान के दौरान दोपहिया एवं भारी वाहनों की गहन जांच की गई। टीम ने हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, ओवरलोडिंग, हाईबीम, वैध कागजात, परमिट, फिटनेस सहित सभी अनिवार्य नियमों की सख्ती से जांच की। नियमों का उल्लंघन करने पर मोटरयान अधिनियम के तहत मौके पर ही चालान काटा गया। कुल 80 वाहनों की जांच में 19 वाहनों पर कार्रवाई की गई, जिनमें 10 दोपहिया और 9 भारी वाहन शामिल हैं। वहीं एक वाहन को जब्त भी किया गया। इस अभियान में विभाग ने कुल 1,30,500 की दंड राशि वसूल की। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

अफीम के तीन सौदागरों को 8- 8 वर्षों का सश्रम कारावास एवं 50-50 हजार रुपए जुमार्ना

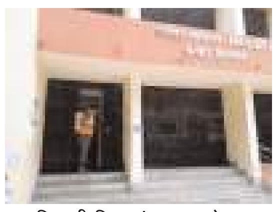

नवप्रदेश/लातेहार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा की अदालत ने एनडीपीएस केस संख्या 8/ 2016 की सुनवाई के उपरांत दोषियों को 8- 8 वर्षों का सश्रम कारावास एवं 50-50 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाया है। जुमार्ना की राशि का भुगतान नहीं करने पर 1- 1वर्ष की अतिरिक्त सजा निर्धारित किया है। अपर जिला अभि योजन पदाधिकारी शिव शंकर राम ने अदालत में कुल नौ गवाहों को प्रस्तुत किया। मामले के अनुसार तत्कालीन थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के फर्दबयान पर गत 17 जुलाई 2016 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पुलिस के वरीय पदाधिकारियो को अफीम की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी,जिसके सत्यापन में पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के नेतृत्व में एक टीम टोरी रेलवे स्टेशन पर घात लगाकर तैयार थी। इसी क्रम में तीन संदिग्ध जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन के इंतजार करते देखे गए तीनों अपराधी पुलिस को आगे बढ़ता देखकर भागने का प्रयास किया। जिन्हें पुलिस बल द्वारा दौड़ाकर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों ने अपना - अपना नाम नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव बताया।

पशुधन विकास योजना के तहत 1603 में से 779 लाभुकों को दी गई राशि

पश्चिमी सिंहभूम। समाहरणालय स्थित प्रकोष्ठ में गुरुवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में गव्य विकास, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति से संबंधित रिपोर्ट प्रस्?तुत किया। मौके पर उपायुक्त को जानकारी दी गई कि वित्त वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 1603 लाभुकों को लाभ देने का लक्ष्य तय है। अब तक चयन समिति के माध्यम से 779 लाभुकों को डीबीटी से राशि हस्तांतरित की गई है और 195 यूनिट का वितरण पूरा हुआ है। वहीं वर्ष 2024-25 में 2596 लाभुकों को डीबीटी से राशि दी गई और 2082 यूनिट का वितरण किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि चालू वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप सभी लाभुकों का चयन और उनके एस्क्रो बैंक खातों का समय पर संचालन सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राशि हस्तांतरण में देरी न हो।

बसिया रेलवे ब्रिज पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

जांच अभियान में पांच हाईवा और तीन ट्रैक्टरों पर लगा जुमार्ना, ट्रैक्टर जब्त

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददात बालूमाथ अंचल प्रशासन ने गुरुवार को अवैध परिवहन और बढ़ते प्रदूषण पर नकेल कसने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाते हुए विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। शअंचल अधिकारी बालेश्वर राम के निर्देशन में यह अभियान बालूमाथ मुरपा मुख्य मार्ग पर स्थित बसिया रेलवे ब्रिज के पास संचालित किया गया। करीब एक घंटे तक चले इस अभियान में प्रशासनिक टीम ने कई वाहनों की गहनता से जांच की और नियमों का उल्लंघन करते पाए गए वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की।जांच अभियान के दौरान पांच हाईवा वाहन बिना तिरपाल के खुले कोयला परिवहन करते हुए पाए गए। खुले रूप में कोयला ढोने से न केवल सड़क पर कोयले की धूल फैलती है, बल्कि स्थानीय पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। अंचलाधिकारी ने बताया कि इन हाईवा वाहनों द्वारा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन किया जा रहा था, जिसके मद्देनजर सभी वाहनों पर आर्थिक दंड लगाने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी को पत्र भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार जुमार्ना निर्धारित कर जल्द ही कार्रवाई पूरी की जाएगी।इसी दौरान तीन ट्रैक्टर बिना चालान, बिना गाड़ी नंबर और अवैध रूप से बालू परिवहन करते हुए पकड़े गए। तीनों ट्रैक्टरों को मौके पर ही जब्त किया गया और बाद में बालूमाथ थाना परिसर में सुरक्षित जमा करा दिया गया है। अंचलाधिकारी ने कहा कि बिना कागजात और बिना पंजीकरण के वाहन चलाना गंभीर कानूनी उल्लंघन है, जिस पर प्रशासन किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।अभियान के दौरान प्रशासनिक टीम ने सभी वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, प्रदूषण प्रमाणपत्र और कोयला परिवहन पास की विस्तारपूर्वक जांच की। कई वाहन चालक मौके से कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाए, जिसके बाद उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।अंचलाधिकारी बालेश्वर राम ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बालूमाथ अंचल क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण क्षेत्र में कोयला व बालू ढोने वाले वाहनों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी और सुरक्षा मानकों का पालन न करना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन लगातार शिकायतें प्राप्त कर रहा था, जिस पर संज्ञान लेते हुए यह विशेष जांच अभियान चलाया गया।उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा,अंचल क्षेत्र में कोई भी वाहन अगर नियमों का उल्लंघन करते पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन किसी भी कीमत पर अवैध परिवहन और नियम तोड़ने वालों को बख्शेगा नहीं।अभियान के दौरान अंचल कार्यालय के कई कर्मचारी और सशस्त्र पुलिस बल भी मौजूद रहे, जिससे जांच कार्यवाही सुचारू और सुरक्षित ढंग से पूरी की जा सकी। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद स्थानीय परिवहन व्यवसायियों और वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है। क्षेत्र में यह संदेश स्पष्ट रूप से चला गया है कि यातायात और पर्यावरण नियमों का उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए 50 संभावित खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली और पंत भी शामिल

नई दिल्ली: दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है, जिसमें टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के नाम भी शामिल हैं। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धता से दिल्ली की बल्लेबाजी को बड़ा बल मिलने की उम्मीद है।

बीसीसीआई के नियम अनुसार, अनुबंधित खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय व्यस्तता न होने पर घरेलू क्रिकेट में भाग लेना अनिवार्य है। दिल्ली की टीम एलीट ग्रुप-डी के अपने शुरूआती दो मैच आंध्र और गुजरात के खिलाफ बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। यह वही मैदान है, जहां कोहली अपनी आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हैं। शेष पांच मुकाबले बेंगलुरु के अलूर क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाएंगे।

फॉर्म में कोहली, लय पाने को उत्सुक पंत : कोहली हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से जीती गई वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। हालिया दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज नहीं खेलने वाले पंत घरेलू मंच पर लय हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे। दोनों खिलाड़ी 11 से 17 जनवरी 2026 के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज तक टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे।

चयन समिति की बैठक में हुआ चयन : संभावित खिलाड़ियों की सूची वरिष्ठ पुरुष चयन समिति की बैठक में तय की गई, जिसमें चयनकर्ता यशपाल सिंह, के. भास्कर पिल्लै, मनु नायर, मुख्य कोच सारनदीप सिंह, सीएसी चेयरमैन विजय दहिया और सचिव अशोक शर्मा मौजूद थे।

दिल्ली की 50 सदस्यीय संभावित सूची : देव लाकड़ा, दिविज मेहरा, युगल सैनी, सुजल सिंह, रजनीश ददर, अमन भारती, गोविंद मित्तल, सुमित बेनीवाल, शुभम दुबे, केशव दबस, राहुल चौधरी, सामर्थ सेठ, शिवम त्रिपाठी, अनमोल शर्मा, शिवम गुप्ता, लक्ष्य थरेजा, मनन भारद्वाज, रौनक वाघेला, मयंक गुसाईं, केशव आर. सिंह, लक्ष्मण, दिवांश रावत, प्रणव राजवंशी, प्रांशु विजयरण, सिद्धांत शर्मा, गगन वत्स, वंश बेदी, राहुल गहलोत, विशाल राय, समर्थ सिंह, सनत सांगवान, आयुष सिंह, सुमित माथुर, संपूरण त्रिपाठी, विवेक तिवारी, हतिक शौकीन, तेजस बरोका, सक्षम शर्मा, देव दुबे, शिवम शर्मा, रोहित यादव, अनिरुद्ध चौधरी, विशांत भाटी, प्रणव पंत, पंकज जसवाल, अजय गुलिया, सिद्धांत बंसल, विकास सोलंकी, दिविज प्रकाश, सूर्यकांत चौहान।

टी 20 मैच : शुक्रवार से शुरू होगी ऑफलाइन टिकट बिक्री

धर्मशाला: धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में 14 दिसम्बर को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले टी-20 मैच को लेकर शुक्रवार को ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू होगी। जानकारी के अनुसार गेट के बाहर टिकट की बिक्री के लिए काउंटर लगाया जाएगा, जहां मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों को 1500 रूपए की सबसे सस्ती टिकट के साथ ऑफलाइन टिकट मिल सकेगी। सुबह 10 बजे से लगने वाले काउंटर में लाइन में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर क्रिकेट प्रेमी अपनी वैध आई.डी. (आधार कार्ड) बताकर मैच का टिकट प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा मैच को लेकर ऑनलाइन टिकट बुकिंग की प्रकिया जारी है। जहां पांच हजार, सात हजार, नौ हजार, 12500 व 20 हजार की टिकट उपलब्ध है। गौरतलब है कि 14 दिसम्बर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच टी 20 मैचों की सीरीज का तीसरा मैच धर्मशाला में खेला जाना है।

कॉनवे और हे के अर्धशतकों से न्यूजीलैंड की बढ़त मजबूत

वेलिंगटन: वेलिंगटन टेस्ट मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 73 रनों की पहली पारी की बढ़त हासिल कर मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। इसके बाद दिन के अंतिम सत्र में कीवी तेज गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी की भी नींव हिला दी। स्टंप्स तक वेस्टइंडीज ने 2 विकेट पर 32 रन बनाए और अब भी 41 रन पीछे है।

हालांकि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने काफी अनुशासित गेंदबाजी की, लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (60) और डेब्यूटेंट मिचेल हे (61) ने महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया। कॉनवे का यह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला और कुल 13वां अर्धशतक रहा।

हे ने नंबर 6 पर उतरकर आक्रामक रुख अपनाया और महत्वपूर्ण मौके पर 73 रनों की साझेदारी के साथ टीम को 205 के पार पहुंचाया। न्यूजीलैंड ने 278/9 बनाए, घायल ब्लेयर टिकनर बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

वेस्टइंडीज की तेज गेंदबाजी ने बनाए मौके

केमार रोच, जेडन सील्स, ओजाय शील्ड्स और एंडरसन फिलिप ने स्विंग और सीम मूवमेंट का फायदा उठाते हुए लगातार कीवी बल्लेबाजों को परेशान किया। रोच ने टॉम लैथम (11) और रचिन रविंद्र (176 के बाद इस मैच में 0) को आउट किया।इसके बाद फिलिप ने केन विलियमसन (37) और बाद में डैरिल मिशेल को पवेलियन भेजा। कॉनवे को जस्टिन ग्रेव्स की लेग-साइड गेंद पर विकेटकीपर टेविन इमलाक ने शानदार कैच लपका।

अंत में जैक फॉल्क्स (23*) और जैकब डफी (18) ने उपयोगी रन जोड़ते हुए बढ़त को 73 तक पहुंचाया। माइक रे ने भी अपने टेस्ट करियर की शुरूआत ओवरथ्रो बाउंड्री से करते हुए 13 रन बनाए।

न्यूजीलैंड की गेंदबाजी ने फिर पलटा मैच

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही। जॉन कैंपबेल को रे ने क्लीन बोल्ड किया। अगले ओवर में नाइटवॉचमैन एंडरसन फिलिप एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। ब्रैंडन किंग (15*) और कैवेम हॉज (3*) ने संघर्ष करते हुए दिन का खेल निकाला। लेकिन वेस्टइंडीज अब भी दबाव में है और तीसरे दिन उसे बड़ा स्कोर खड़ा करने की चुनौती का सामना करना होगा।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड

वेस्टइंडीज: 205 और 32/2
न्यूजीलैंड: 278/9 (हे 61, कॉनवे 60, फिलिप 3/70)
वेस्टइंडीज अभी 41 रन पीछे है।

लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग में खेलेंगे रॉबिन उथप्पा, क्रिस गेल और जैक कैलिस

नई दिल्ली: लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग ने अपने डेब्यू सीजन के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की है, जिसमें क्रिस गेल, जैक कैलिस, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और स्टुअर्ट बिन्नी की भागीदारी की पुष्टि की गई है। क्रिस गेल आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में ने कहा, मेरी कई बेहतरीन क्रिकेट यादें उन खिलाड़ियों से जुड़ी हैं जो इस लीग में खेलेंगे। मैंने कैलिस के खिलाफ खेला है, जब उन्हें पार करना लगभग नामुमकिन लगता था। उथप्पा के साथ बल्लेबाजी की लय पर बात की है, और रायुडू के मजाक इतने सुने हैं कि अब गिन नहीं सकता और जब धवन या वॉटसन जैसे नाम फिर सामने आते हैं, तो वो एहसास और बढ़ जाता है। दोबारा साथ आना–वही मजाक, वही प्रतिस्पर्धा, वही सम्मान–सब वापस ले आता है। लेजेंड्स प्रो टी20 लीग हमें यही मौका दे रही है।

जैक कैलिस ने कहा, जब आप खेल से थोड़ा दूर रहते हैं तो एहसास होता है कि हाथ में बल्ला पकड़ने का एहसास कितना मिस होता है, मैं सच में उत्साहित हूँ– फिर से गेंद मारने की वह आसान-सी लय, टाइमिंग ढूँढना, एक खिलाड़ी जैसा महसूस होना और माइकल क्लार्क का लीग कमिश्नर के रूप में आना एक नई ऊर्जा जोड़ता है। उनका क्रिकेटिंग दिमाग हमेशा तेज रहा है, और उनकी नई भूमिका पूरे सेटअप में नई पेशेवरियत और विजन लाती है।

लियोनल मेसी 13 दिसंबर को आएंगे भारत

नई दिल्ली: फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी 13 से 15 दिसंबर तक होने वाले बहुप्रतीक्षित गोट टूर 2025 के लिए 13 दिसंबर को भारत पहुंचेंगे। तीन दिनों तक चलने वाला यह आयोजन देश के चार बड़े शहरों–कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा। मेसी मियामी से यात्रा कर रहे हैं और 13 दिसंबर की रात करीब 1:30 बजे कोलकाता पहुंचने का कार्यक्रम है। कोलकाता में उनका दिनभर व्यस्त शेड्यूल रहेगा, जिसकी शुरूआत सुबह 9:30 बजे से होने वाली बैठकों से होगी। इसके बाद वह कई कार्यक्रमों और इंटरैक्शन में हिस्सा लेंगे। दोपहर 2 बजे वह हैदराबाद रवाना होंगे। कोलकाता दौरे के दौरान मेसी की मुलाकात पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली और पश्चिम बंगाल की

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी तय है। हैदराबाद में मेसी का मुख्य कार्यक्रम राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाला 7५7 एग्ज़िबिशन फुटबॉल मैच होगा। इस आयोजन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे। शाम को मेसी के शानदार करियर का जश्न मनाने के लिए एक भव्य संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। गोट टूर हैदराबाद की मुख्य संरक्षक और सलाहकार, पार्वती रेड्डी ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद चरण का मुख्य आकर्षण युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष फुटबॉल क्लिनिक होगा। उन्होंने कहा, यह मुख्य रूप से फुटबॉल क्लिनिक पर केंद्रित है, जिसे मेसी खुद लीड करेंगे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि मेसी के साथ इंटर मियामी के साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

उन्होंने कहा, रोड्रिगो (डी पॉल) और लुइस सुआरेज भी क्लिनिक का हिस्सा होंगे। वे बच्चों को ट्रेनिंग देंगे, प्रेरित करेंगे और फुटबॉल के टिप्स साझा करेंगे। हैदराबाद के कार्यक्रमों के बाद मेसी मुंबई और फिर दिल्ली जाएंगे। गोट इंडिया टूर 2025 एक पैन-इंडिया उत्सव के रूप में बनाया गया है, जिसकी शुरूआत 13 दिसंबर को पूर्व (कोलकाता) और दक्षिण (हैदराबाद) से होगी, 14 दिसंबर को पश्चिम (मुंबई) में पहुंचेगी और 15 दिसंबर को उत्तर (दिल्ली) में सम्पन्न होगी।

कारोबार

माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने को लेकर उत्साहित : सत्य नडेला

बेंगलुरुः अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने गुरुवार को कहा कि कंपनी बड़े बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट के यहां आयोजित कार्यक्रम में सत्य नडेला ने कहा कि हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर

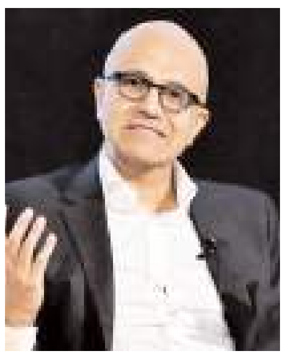

रहा है और एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने अपने संबोधन में देशभर में कंपनी के क्लाउड नेटवर्क के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनियाभर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं। नडेला ने कहा कि भारत में हमारी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। अब हमारे पास मध्य भारत, पश्चिम भारत, दक्षिण भारत में नेटवर्क है और हमने जियो के साथ भी साझेदारी की है। माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ने कहा कि हमें बेहद खुशी है कि 2026 में दक्षिण मध्य में हमारा एक नया डिजिटल सेंटर होगा। सबसे रोमांचक बात यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है। उन्होंने एआई के बढ़ते उपयोग के इस युग में डिजिटल संप्रभुता एवं साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। नडेला ने आगे बताया कि हाल में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई, जिन्होंने समाज, अर्थव्यवस्था एवं वृद्धि को गति देने के लिए इस निवेश (17.5 अरब अमेरिकी डॉलर) को लेकर काफी उत्साह दिखाया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता उनकी पिछली यात्रा के दौरान घोषित तीन अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है। भारत में प्रतिभाओं की उपलब्धता के बारे में नडेला ने कहा कि कंपनी अपने कौशल विकास कार्यक्रमों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि हम अब समूचे भारत में दो करोड़ लोगों को एआई कौशल में प्रशिक्षित करने जा रहे हैं। नडेला ने साथ ही कहा कि सरकार के ई-श्रम कार्यक्रम जैसी पहलें यह दशार्ती हैं कि एआई असंगठित श्रमिकों का उत्थान कैसे कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत 2030 तक गिटहब के साथ दुनिया का अग्रणी समुदाय बनने के लिए तैयार है।

विदेशी टैलेंट को लुभाने के लिए ट्रंप का बड़ा दांव!

नई दिल्ली: अमेरिका में विदेशी टैलेंट को रोकने की जद्दोजहद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो न सिर्फ अमेरिका की इकोनॉमी, बल्कि पूरी दुनिया के जॉब मार्केट का समीकरण बदल सकता है। ट्रंप ने ट्रंप गोल्ड कार्ड लॉन्च करने का एलान किया है। यह एक खास इमिग्रेशन कार्ड, जो विदेशी प्रोफेशनल्स, खासकर भारत और चीन जैसे देशों के युवाओं के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। ट्रंप ने इसे ग्रीन कार्ड जैसा, लेकिन उससे कहीं बेहतर बताते हुए कहा कि यह कार्ड विदेशी टैलेंट को अमेरिका में रोकने में मदद करेगा, साथ ही अमेरिकी कंपनियों को बेहतरीन ग्लोबल स्किल हायर करने में आसानी देगा। यह घोषणा उस समय आई है जब अमेरिका में हाई-स्किल्ड वर्कर्स की भारी मांग है और टेक कंपनियां लंबे समय से आसान इमिग्रेशन प्रक्रिया की मांग कर रही थीं।

इंडिगो का ऐलान! 3-5 दिसंबर के दौरान फंसे यात्रियों को मिलेंगे दस हजार रुपये के वाउचर

मुंबईः हवाई सफर के दौरान अचानक प्लान बिगड़ जाना किसी के लिए भी सिर दर्द बन सकता है। खासकर जब हजारों लोग घंटों एयरपोर्ट पर फंसे रह जाएं। दिसंबर की शुरूआत में कुछ ऐसा ही हुआ था, जब इंडिगो की कई फ्लाइट्स कैंसिल और डिले होने से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई थीं। अब एयरलाइन ने इस परेशानी का बड़ा समाधान पेश किया है।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने यात्रियों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने 3,4 और 5 दिसंबर को परेशान हुए यात्रियों की नाराजगी दूर करने के लिए 10,000 रुपये तक के ट्रैवल वाउचर देने का ऐलान किया है।

हवाई सफर के दौरान अचानक प्लान बिगड़ जाना किसी

के लिए भी सिर दर्द बन सकता है। खासकर जब हजारों लोग घंटों एयरपोर्ट पर फंसे रह जाएं। दिसंबर की शुरूआत में कुछ ऐसा ही हुआ था, जब इंडिगो की कई फ्लाइट्स कैंसिल और डिले होने से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई थीं। अब एयरलाइन ने इस परेशानी का बड़ा समाधान पेश किया है।

इंडिगो ने घोषणा की है कि 3 से 5 दिसंबर के बीच ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण एयरपोर्ट पर लंबी देर तक फंसे यात्रियों को 10,000 रुपये तक के यात्रा वाउचर दिए जाएंगे। ये वाउचर अगले 12 महीनों तक किसी भी इंडिगो उड़ान में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। यह कदम उन यात्रियों के लिए बड़ा राहत पैकेज साबित होगा जो घंटों काउंटर पर अटके रहे थे और जिनकी प्लानिंग पूरी तरह गड़बड़ा गई थीं।

एयरलाइन का बयान : एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि उसका सबसे बड़ा फोकस हमेशा यात्रियों की सुविधा और देखभाल पर रहता है। इंडिगो ने बताया कि कैंसिल हुई फ्लाइट्स के सभी रिफंड प्रोसेस कर दिए गए हैं और ज्यादातर ग्राहकों के खाते में राशि भी पहुंच चुकी है। जिनका टिकट ट्रैवल एजेंसी या अन्य प्लेटफॉर्म से बुक था, उनके मामले भी तेजी से निपटाए जा रहे हैं। कंपनी ने ऐसे यात्रियों से अपील की है कि वे अपने विवरण customer.experience@goindigo.in पर भेजें, ताकि उन्हें तुरंत मदद मिल सके।

हरे निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 427 अंक उछला

नई दिल्ली: हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 426.86 अंक यानी 0.51 फीसदी उछलकर 84,818.13 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 140.55 अंक यानी 0.55 फीसदी बढ़कर 25,898.55 के स्तर पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमख कंपनियों में से कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, सन फार्मास्यूटिकल्स और टेक महिंद्रा के शेयर में तेजी रही। वहीं, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, टाइटन, आईटीसी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज हुई है। इसके अलावा एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का

- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 426.86 अंक यानी 0.51 फीसदी उछलकर 84,818.13 के स्तर पर बंद हुआ।
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 140.55 अंक यानी 0.55 फीसदी बढ़कर 25,898.55 के स्तर पर बंद हुआ

कॉस्पी नुकसान में रहे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 फीसदी की गिरावट के साथ 61.82 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 275.01 अंक यानी 0.32 फीसदी टूटकर 84,391.27 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 81.65 अंक यानी 0.32 फीसदी गिरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ था।

नाबार्ड के सर्वे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार का दावा

नई दिल्ली: राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के दो महीनों के सर्वे से पता चला है कि ग्रामीण इलाकों में आय बढ़ने से लोगों में जबरदस्त उम्मीद जगी है। सर्वे में 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने एक साल में लगातार ज्यादा खपत होने की बात कही है।

नाबार्ड के 8वें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) के मुताबिक पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं। एक वर्ष के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उपभोग में वृद्धि, आय में बढ़ोतरी, घटती महंगाई और वित्तीय सतर्कता के बेहतर मानकों के साथ ग्रामीण भारत विकास की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। निरंतर कल्याणकारी सहायता और मजबूत सार्वजनिक निवेश इस गति को और बल दे रहे हैं। सितंबर, 2024 से नवंबर 2025 के बीच ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय मजबूती दर्ज की गई।

सर्वे के मुताबिक ग्रामीण परिवारों में मासिक आय का 67.3 फीसदी हिस्सा अब उपभोग पर खर्च किया जाता है। यह सर्वेक्षण शुरू होने के बाद का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और इसमें जीएसटी दरों में सुधार का भी महत्वपूर्ण योगदान है। ग्रामीण परिवारों में से 42.2 फीसदी ने अपनी आय में वृद्धि दर्ज की है, जो अब तक के सभी सर्वेक्षणों में सबसे बेहतर प्रदर्शन है। केवल 15.7 फीसदी लोगों ने किसी भी प्रकार की आय में कमी का उल्लेख किया है, जो अब तक का सबसे न्यूनतम स्तर है। भविष्य की संभावनाएं काफी मजबूत नजर आ रही हैं, जिसमें 75.9 फीसदी लोगों को उम्मीद है कि उनकी आय अगले वर्ष बढ़ेगी जो सितंबर 2024 के बाद से सबसे ऊंचे स्तर का आशावाद है। पिछले वर्ष की तुलना में 29.3 फीसदी परिवारों में पूंजी निवेश में वृद्धि देखी गई है, जो पिछले किसी भी चरण में अधिक है जो कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में संपत्ति सृजन में नई तेजी को दशार्ता है। निवेश में यह तेजी मजबूत उपभोग और आय में वृद्धि के कारण है, न कि ऋण संकट के कारण। 58.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने केवल औपचारिक ऋण स्रोतों का ही उपयोग किया है जो अब तक के सभी सर्वेक्षणों में अब तक का सबसे उच्च स्तर है। सितंबर 2024 में यह 48.7 फीसदी था। हालांकि, अनौपचारिक ऋण का हिस्सा लगभग 20 फीसदी है, जो यह दशार्ता है कि औपचारिक ऋण की पहुंच को और व्यापक बनाने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है।

औसत मासिक आय का 10 फीसदी हिस्सा सब्सिडी वाले भोजन, बिजली, पानी, खाना पकाने की गैस, उर्वरक, स्कूल सहायता, पेंशन, परिवहन लाभ और अन्य कल्याणकारी हस्तांतरणों के माध्यम से प्रभावी रूप से पूरा हो रहा है। कुछ परिवारों के लिए, अंतरित धनराशि कुल आय के 20 फीसदी से अधिक तक होती है, जो आवश्यक उपभोग सहायता प्रदान करती है और ग्रामीण मांग को स्थिर करने में मदद करती है।

चांदी की कीमतों ने तोड़े सारे रिकॉर्ड! सोना भी चमका

मुंबईः घरेलू बाजार में आज की सुबह कीमती धातुओं के लिए इतिहास रचने वाली साबित हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 62.50 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इस तेज बढ़त का असर भारत पर भी दिखा है और चांदी का भाव 2 लाख रुपये प्रति किलो से ऊपर निकल गया है। सोना भी पीछे नहीं रहा और मजबूत बढ़त के साथ नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ गया। इसकी सबसे बड़ी वजह है अमेरिकी फेडरल रिजर्व का बुधवार देर रात लिया गया बड़ा फैसला। फेडरल रिजर्व ने लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती की है। इस फैसले के बाद ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी की डिमांड अचानक तेज हुई और इसका सीधा असर भारत के घरेलू बाजार पर भी दिखा।

सोना-चांदी में उछाल

सोने की कीमतों में 11 दिसंबर की सुबह बढ़ोतरी देखी गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,30,470 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं मुंबई में यह कीमत

1,30,320 रुपये प्रति 10 ग्राम है। फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें घटने पर लोग अक्सर सोने में ज्यादा निवेश करते हैं, इसलिए कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

ग्लोबल मार्केट में भी तेज चमक

ग्लोबल मार्केट में भी सोना-चांदी की रफ्तार तेज रही। अमेरिकी सोने का फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1% से अधिक उछलकर 4,271.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी भी लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। इस साल अमेरिकी फेड ने कुल 75 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर अपनी बेंचमार्क दर को 3.50-3.75% के दायरे में ला दिया है, जो 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। ब्याज दरें घटते ही निवेशकों का रुझान एक बार फिर सेफ-हेवन यानी सोने और चांदी की ओर बढ़ गया है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधार व स्मार्ट क्लास से लेकर व्यवस्थाओं का गहन समीक्षा

उपायुक्त ऋतुराज द्वारा पथलडीहा प्लस टू विद्यालय का औचक निरीक्षण

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज ने गुरुवार को पथलडीहा पंचायत स्थित राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया. और शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय संचालन, कक्षाओं की स्थिति, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, साफ. सफाई, मध्याह्न भोजन, आधारभूत संरचना, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, इको क्लब गतिविधियां तथा प्रोजेक्ट ह्यरेल परीक्षाह्न की प्रगति का जायजा लिया। आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि छात्रों को सिलेबस के अनुसार अध्यायवार पढ़ाई कराई जाए और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कक्षाएं चलाई जाएं। उन्होंने पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के आधार पर विशेष तैयारी कराने पर भी बल दिया, ताकि विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों पर उपायुक्त ने संबंधित कर्मियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने नियमित सफाई व्यवस्था, सभी रजिस्टरों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, मेन्यू के अनुरूप मध्याह्न भोजन सुनिश्चित करने और स्मार्ट क्लास व आईसीटी लैब को पूरी तरह क्रियाशील रखने के स्पष्ट निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और समग्र शिक्षा उपलब्ध कराना है और इसके लिए शिक्षक पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करें।

पंजाब से आया गुणवत्तापूर्ण काला व सेंधा नमक स्थानीय ग्रामीणो ने उत्साह से की खरीद

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के जीटी रोड पर गुरुवार को पंजाब से आए राज कुमार एवं सुमित्रा देवी अपने ट्रैक्टर पर लोड कर उच्च गुणवत्ता वाला काला व सेंधा नमक लेकर पहुंचे। उनके द्वारा लाया गया नमक शुद्धता और किफायती मूल्य के कारण स्थानीय लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। ट्रैक्टर के पहुंचते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार नमक खरीदने लगे।

नमक की गुणवत्ता की चर्चा पूरे बाजार में रही, जिसके बाद युवाओं ने बढ़-चढ़कर खरीदारी की। खरीदने वालों में देवल यादव, दिनेश यादव उर्फ गांधी, प्रकाश यादव, बासुदेव यादव, उमेश यादव, दीपू, रंजीत, शशिकुमार, लेखों यादव, सीताराम यादव सहित कई ग्रामीण शामिल थे। लोगों ने बताया कि पंजाब से आने वाला नमक बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, इसलिए इसकी मांग हमेशा बनी रहती है।स्थानीय ग्रामीणों ने राज कुमार और सुमित्रा देवी का धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे सामान गांव में उपलब्ध होने से उन्हें बाजार तक नहीं जाना पड़ता और उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता मिल जाती है। ग्रामीणों की संतुष्टि देख दोनों विक्रेताओं ने आगे भी नियमित रूप से आपूर्ति करने की बात कही।

जम्मू. कश्मीर में तैनात कोडरमा के जवान ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच जारी

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा नवलशाही थाना क्षेत्र के देवीपुर गांव के सीआरपीएफ जवान सुजीत सिंह (27 वर्ष) की जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात श्रीनगर के बाहरी इलाके निशात के करपुरा ब्राने में नाका ड्यूटी के दौरान जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। हालांकि, अभी तक किसी अधिकारी द्वारा आत्महत्या की पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं की गई है। मृतक के बड़े भाई विकास सिंह ने बताया कि रात में कश्मीर के एरिया कमांडर का फोन आया, जिसमें सुजीत की मौत की जानकारी दी गई। खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सुजीत सीआरपीएफ की 54वीं बटालियन में तैनात थे। कश्मीर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार जवान का पार्थिव शरीर गुरुवार देर रात रांची एयरपोर्ट पहुंचा, जिसके बाद उसे कोडरमा के मरकच्चो लाया जाएगा, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुजीत की असामयिक मौत से देवीपुर गांव समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

नव चयनित एएसओ अरविंद को जनप्रतिनिधियो ने किया सम्मानित

नवप्रदेश/चौपारण/बच्छई के प्रतिभाशाली युवा अरविंद कुमार राणा पिता रूपलाल राणा, माता कुसुम देवी के द्वारा प्रतिष्ठित असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर पद पर चयनित होने की उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। अरविंद की इस सफलता को समाज की सामूहिक उपलब्धि मानते हुए गांव में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे अतिथियों ने सफल अरविंद, उनके माता कुसुम देवी-पिता रूपलाल राणा, दादी रेमका देवी और भैया पप्पू राणा-भाभी खुशबू देवी को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर भव्य सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला मंडल प्रांगण, बच्छई में किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों से आये सम्मानित अतिथि शामिल हुए। अतिथि सेवानिवृत शिक्षक महेश राणा, एसएलजे उवि एचएम विजय सिन्हा, बीरेंद्र कुमार राणा, मुखिया बीरेंद्र रजक, नेता भुनेश्वर यादव, मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी, रामलखन राणा, देवल यादव, पंसस सहदेव प्र. यादव, संतोष रजक, बैजनाथ यादव, शिक्षक प्रदीप राणा, डीएसपी अशोक प्रियदर्शी के पिता भीखन रविदास, नकुल रजक, सुखदेव यादव, दिनेश यादव, बासुदेव रविदास एवं मंच संचालित करते प्रकाश यादव ने बताया कि अरविंद कुमार राणा ने कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प, निरंतर संघर्ष और कई समस्याओं को झेलते हुए यह सफलता हासिल की है, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। सम्मान समारोह के माध्यम से समाज उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया और युवाओं को शिक्षा एवं लक्ष्य के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व युवा वार्ड सदस्य सुजीत कुमार यादव कर रहे हैं। आयोजन समिति के दीनानाथ यादव और विजय यादव ने सभी सम्मानित अतिथियों, ग्रामवासियों, समाजबंधुओं को धन्यवाद दिया। यह कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए बढ़-चढ़ कर भाग लिए। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों का जुटान हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन ऐतिहासिक पल में बदल गया। इससे पहले अशोक प्रियदर्शी के डीएसपी पद पर चयनित होने पर डीवीसी फीस फार्म में किया गया था। बतादें कि अरविंद राणा ने फारेस्ट रेंज ऑफिसर एवं जेपीएससी का फारेस्ट कंजर्वेशन ऑफिसर में भी चयन हुए हैं।

आरपीवाई बीएड कॉलेज में ऑनलाइन सेल्फ स्टडी कोर्स पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय कोडरमा में गुरुवार को महाविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्वावधान में सहायक प्राध्यापक विनोद यादव के नेतृत्व में ऑनलाइन सेल्फ स्टडी कोर्स पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर व द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। मंच संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार ने किया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि, ऑनलाइन सेल्फ स्टडी कोर्स के अंतर्गत स्वयं पोर्टल में आप सभी प्रशिक्षु ऑनलाइन बिना कोई शुल्क दिए अपने इच्छुक कोर्स को पूरा करके प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। हमारा महाविद्यालय स्वयं में लोकल चैप्टर के लिए रजिस्टर्ड है। आप प्रशिक्षु महाविद्यालय का नाम लोकल चैप्टर के रूप में चुनकर किसी भी कोर्स के लिए एनरोल हो सकते हैं। वहीं समन्वयक विनोद यादव ने स्वयं पोर्टल के बारे में पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से बताया। उन्होंने स्वयं पोर्टल पर शामिल संस्थानों, विभिन्न कोर्स, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, चयनित कोर्स में नामित होने, स्वमूल्यांकन, प्रमाण. पत्र आदि से संबंधित सभी बातों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षुओं को बताए। मौके पर सहायक प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण व सत्र 2025. 27 के प्रशिक्षुगण शामिल थे।

श्री दिगम्बर जैन विद्यालय में हुआ साइंस लैंब का भव्य उद्धाटन

नव प्रदेश संवाददाता/झुमरी तिलैया। पानी टंकी जैन मुहल्ला स्थित श्री दिगम्बर जैन विद्यालय में साइंस लैब का उद्घाटन विद्यालय के संयोजक सुनील जैन छाबड़ा, सह संयोजक पियूष जैन, ईशान जैन, किरण जी सेठी के कर कमलों से किया गया। साइंस लैंब के इंचार्ज व्रजेश सर ने कहा कि विज्ञान प्रयोगशाला की मुख्यता (महत्व) अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावहारिक कौशल विकास, वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझना, नवाचार को बढ़ावा देना और स्व-निर्देशित सीखने को प्रोत्साहित करना है, जहाँ छात्र प्रयोगों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते हैं और उसे स्थायी बनाते हैं, जिससे वे वास्तविक दुनिया की समस्याओं को सुलझाने में सक्षम बनते हैं. मौके पर विद्यालय के इंचार्ज अभिषेक जैन ने साइंस लैंब के उद्घाटन पर खुशी व्यक्त की। साथ ही विद्यालय के बच्चों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सांइस लैंब खुलने से छात्रों में वैज्ञानिक सिद्धांतों का विकास होगा। मौके पर सुप्रिया गौरव ,वसंत कुमार मानसी जैन, विनय गिरी, ऋतु जैन जूही सिंह, सौम्या जैन, ममता जैन, चाँदनी कुमारी, प्रतीक्षा सिंह, सूरज प्रकाश, सतीश सिन्हा, शुभम दारूका, अंजली मैम , मुस्कान गुप्ता, मुस्कान सिंह, सनाया मैम, शालनी मैंम, अरुण सर, राकेश शर्मा सर, चौरसिया सर ,आयुष सिंह आदि मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद प्रखण्ड अध्यक्ष ने प्रशासन से किया सार्वजनिक स्थलों में अलाव जलाने की मांग

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। प्रखण्ड में तेज होती शीतलहर और गिरते तापमान के बीच आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इसी को लेकर विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष बबलु सिंह ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत उपाय लागू करने की अपील की है। उन्होंने मांग की कि शहर से लेकर प्रखंड क्षेत्रों तक सभी प्रमुख चौक. चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था तुरंत की जाए, ताकि राहगीरों और गरीब परिवारों को ठंड से राहत मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने आयुर्वेद अस्पताल में लोगों के लिए काढ़ा वितरण शुरू करने की भी मांग की। बबलु सिंह ने कहा कि काढ़ा पीना सर्दी, खांसी, बुखार और ठंडजनित बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से गरीब और अनाथ परिवारों तक गरम कपड़ों का वितरण कराने का आग्रह भी किया। बबलु सिंह ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन जल्द कार्रवाई कर नागरिकों को राहत देगा।

मतदान केन्द्रों के युक्तीकरण एवं नये केन्द्रों की स्थापना पर समीक्षा बैठक संपन्न, दिये जरूरी दिशा-निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में मतदान केन्द्रों की प्रारूप सूची के प्रकाशन के उपरांत युक्तीकरण तथा नये मतदान केन्द्रों की स्थापना से संबंधित बैठक संपन्न हुई। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी ने 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों के युक्तीकरण तथा 56 नये मतदान केन्द्रों की स्थापना के संबंध में उपस्थित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को अवगत कराया। मतदान केन्द्रों के निर्माण से संबंधित प्रस्ताव पर सभी उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सहमति प्रदान की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी दी तथा उनसे बी.एल.ए. की प्रतिनियुक्ति कर उसकी सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस अवसर पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजुर, सभी सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी तथा सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तिलैया पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिल किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को मिली गुप्त सूचना पर तिलैया थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद कर मुख्य आरोपी बंटी पांडेय (30) को गिरफ्तार किया। बता दें कि 8 दिसंबर को अग्रसेन भवन गली से चोरी हुई हीरो होंडा मोटरसाइकिल नं. जेएच 02 टी 5116 के मामले में तिलैया थाना कांड संख्या 371 /25 दर्ज किया गया था। एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसने छापेमारी कर आरोपी को उसके घर से दबोचा। पूछताछ में बंटी ने मोटरसाइकिल चोरी की बात कबूल की और बताया कि वह बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहन से रेकी कर चोरी को अंजाम देता था। उसकी निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिलें एवं दो अलग. अलग चेसिस और इंजन नंबर वाली बाइक बरामद की गईं। तिलैया पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एएसओ पद पर चयनित हुए दिलीप बने भगहर के प्रेरणा स्रोत

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के भगहर निवासी होनहार युवक दिलीप कुमार गुप्ता ने अपनी लगन और मेहनत के बल पर एएसओ पद पर चयन पाकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। सुदूरवर्ती और संसाधनहीन इलाके से निकलकर यह उपलब्धि हासिल करना युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश है कि यदि लक्ष्य बड़ा और निष्ठा सच्ची हो, तो कोई भी बाधा सफलता के रास्ते में नहीं खड़ी रह सकती।दिलीप कुमार गुप्ता, भगहर निवासी रामेश्वर साव के छोटे पुत्र हैं। उनके चयन से पूरा पंचायत गौरवान्वित है। इसी खुशी के अवसर पर पंचायत के मुखिया कृष्णा रविदास के नेतृत्व में पंचायत भवन में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां उन्हें बुके और फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

मौके पर ग्राम भंडार निवासी एवं प्रखंड मीडिया प्रभारी सहायक शिक्षक संघ के दिनेश यादव, संतोष रविदास, दीपक कुमार गुप्ता, राम साव, मुंशी दांगी, अशोक दांगी, मनीष, मो. असलम, प्रमोद दांगी, भुनेश्वर यादव, दीपक कुमार, राकेश केसरी, बैजनाथ यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मध्य विद्यालय भगहर के प्राचार्य बसंत कुमार दास, सहायक अध्यापक बालेश्वर राम एवं कविलास देवी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दिलीप की उपलब्धि वर्तमान में अध्ययनरत बच्चों के लिए बेहतर संदेश है। दिनेश यादव ने कहा,

ह्नजब तक आप खुद नहीं हारते, आपको कोई हरा नहीं सकता।ह्व समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने दिलीप कुमार गुप्ता को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एक नजर

भाजपा डोमचांच ग्रामीण मंडल द्वारा हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी अभियान का शुभारंभ

नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। भाजपा डोमचांच ग्रामीण मंडल ने गुरुवार को मसनोडीह शक्तिकेंद्र से मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी अभियान का शुभारंभ किया गया। मंडल पदाधिकारियों ने घर. घर जाकर लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया और बताया कि स्वदेशी खरीद से स्थानीय कारीगरों व छोटे व्यवसायियों को रोजगार मिलेगा तथा देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। अभियान के तहत लोगों से योजना का पत्रक भरवाया गया, घरों पर स्टिकर चस्पा किए गए और मोदी सरकार का संदेश भी पहुंचाया गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लेते हुए विश्वास दिलाया कि वे स्वदेशी अपनाकर मोदी जी के हर मिशन में देशहित में साथ खड़े रहेंगे। मौके पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष महेश वर्मा, पारिजात सिंह के साथ अन्य मौजूद थे।

मरकच्चो में आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम का केंद्रीय प्रभारी ने किया उच्च स्तरीय निरीक्षण

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जिले के मरकच्चो आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत गुरुवार को केंद्रीय प्रभारी पदाधिकारी एवं पेंशन निदेशक राकेश कुमार ने मरकच्चो प्रखंड में व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण में स्वास्थ्य, पोषण, कृषि और आजीविका से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। उन्होंने आरोग्य मंदिर, दशारोखुर्द में ई.एन.क्यू.ए.एस के मानकों और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद एसएचजी संचालित बैंक क्रॉसपौडिंग सेंटर एवं जेंडर रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण किया और महिलाओं के सशक्तिकरण व आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कई किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उनके हाथों से प्रदान किए गए। टीम ने तेलोडीह वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, एस.एच.जी संचालित एफ.पी.ओ सेंटर, बिरसा आम बागवानी परियोजना, मिक्स क्रॉपिंग और फिश केज मॉडल का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने समितियों से संवाद कर उनकी समस्याएँ और सुझाव भी सुने। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, बीडीओ हुलास महतो, समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

सदर अस्पताल में 12 मरीजों की जांच, 9 को जारी किए गए दिव्यांग प्रमाण पत्र

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। सदर अस्पताल कोडरमा में आयोजित दिव्यांग बोर्ड की बैठक में गुरुवार को कुल 12 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 9 व्यक्तियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्रों में अस्थि दिव्यांगता 3, गूंगा. बहरा 4, तथा मानसिक दिव्यांगता 2, शामिल हैं। दिव्यांगता निर्धारण की प्रक्रिया विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम की उपस्थिति में पूरी की गई। इसमें अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. रमण कुमार, फिजिशियन डॉ. मनोज कुमार, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रेमनाथ सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट राजीव रंजन, ऑडियोलॉजिस्ट मनोज कुमार, कार्यालय सहायक सुनील कुमार और अनीश कुमार शामिल रहे। डॉ. रमण कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल द्वारा जनहित में ऐसे शिविर आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि दिव्यांगजन समय पर प्रमाण पत्र एवं आवश्यक सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

झुमरी तिलैया में आरबीआई का विशेष शिविर आज, बंद खातों की राशि दावे. निकासी की होगी सुविधा

नव प्रदेश संवाददाता/झुमरी तिलैया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहल पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 12 दिसम्बर 2025 को झुमरी तिलैया स्थित शिव वाटिका में एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 11:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विभिन्न बैंकों में बंद पड़े खातों की राशि से संबंधित दावा एवं निकासी की प्रक्रिया को सरल करना है। आरबीआई की टीम मौके पर मौजूद रहकर नागरिकों को आवश्यक जानकारी व सहायता उपलब्ध कराएगी, ताकि वे बिना किसी जटिल प्रक्रिया के अपने दावे निपटा सकें। सांसद सह भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और जिला अध्यक्ष अनूप जोशी की ओर से क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस महत्वपूर्ण शिविर का लाभ उठाएँ।

मंत्री सुदिव्य सोनू व प्रो. जानकी यादव 14 दिसंबर को होंगे मुख्य अतिथि

सतगांवा में क्रिकेट टूनार्मेंट की तैयारियों का जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पांडे ने लिया जायजा

नव प्रदेश संवाददाता/सतगांवा (कोडरमा) झारखंड नगर विकास, खेल, पर्यटन एवं उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू तथा झारखंड राज्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष प्रो. जानकी प्रसाद यादव के प्रस्तावित आगमन को लेकर झामुमो जिला समिति ने गुरुवार को सतगांवा प्रखंड का दौरा किया। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय के नेतृत्व में टीम ने ब्लॉक मैदान स्थित अर्धनिर्मित स्टेडियम का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बता दें कि 14 दिसंबर 2025, रविवार को दोपहर 12:30 बजे दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन स्मृति क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मैच आयोजित किया जाएगा, जिसमें मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू मुख्य अतिथि जबकि प्रो. जानकी प्रसाद यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने पार्टी नेताओं व कार्यकताओं को आवश्यक दिशा. निर्देश दिए और कहा कि कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए सभी विभाग एवं टीम समन्वय के साथ कार्य करें। इस मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, प्रखंड अध्यक्ष गणेश राय, सचिव निशांत कुमार, छात्र मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अजीत भगत, सुबोध कुमार, हितेश मिश्रा, विजय सिंह, बालमुकुंद सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नीतीश के 'एग्जिट' के बगैर निशांत की 'एंट्री' मुमकिन है?

बिहार की सत्ता में बड़े बदलाव की अटकलें क्यों लगाई जा रही

निरंकार भाष्कर, नवप्रदेश

पटनाः नीतीश कुमार ने पहली बार गृह विभाग भाजपा को सौंप दिया, उससे लगता है कि नीतीश अब आराम करने की ओर बढ़ रहे हैं। ये भी कि अभी तक सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक ही हो रहा है। यानी, भाजपा को पता है कि नीतीश खुद अपनी कुर्सी खाली कर देंगे और इस तरह निशांत की राजनीति में एंट्री की राह आसान हो जाएगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत के बारे में चचाएं थमने का नाम ले रहीं। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार का एग्जिट प्लान अगर सच में तैयार है तो निशांत की एंट्री भी निश्चित है। इधर, नीतीश कुमार के तेवर से तनिक भी एहसास नहीं होती कि वे अभी एग्जिट के मूड में हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि वे इस बार अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद ही सियासत से संन्यास की बात सोच रहे हैं। दरअसल, नीतीश कुमार

विधायकों की संख्या के लिहाज से जहां खड़े हैं, उससे उनके दोनों हाथ में लड्डू आ गए हैं। अगर भाजपा ने दबाव डाला तो नीतीश का प्लान 'इ' भी तैयार है। मसलन, वे महागठबंधन की पार्टियों के साथ हाथ मिला कर समय काट सकते हैं। दरअसल, नीतीश कुमार के एग्जिट और उनके बेटे निशांत की एंट्री की बात अमित शाह की उस बैठक के बाद उठ रही है, जहां उन्होंने जेडीयू के दो बड़े नेताओं से नीतीश कुमार की सेहत और उनके एग्जिट प्लान के बारे में चर्चा की थी।

निशांत को राजनीति में आने के न्यौते जैसे पोस्टर-बैनर जेडीयू समर्थक लगाते रहे हैं। हाल में भी इस आशय के पोस्टर जेडीयू दफ्तर के आसपास लगाए गए थे। जनवरी से इस तरह के पोस्टर कई बार लग चुके हैं। निशांत भी इस पर कुछ नहीं बोलते। वे राजनीति और अपने पिता की सरकार की चर्चा तो करते हैं, लेकिन राजनीति में आने के सवाल पर हंस कर टाल देते हैं। नीतीश कुमार की जुबान से भी उनके बारे में कोई बात नहीं निकली। हां, सीएम आवास या कल्याण बिगहा में पहुंचने वाले नेताओं के बीच उनकी उपस्थिति से इतना संकेत तो मिलता है कि बीते 20 वर्षों में राजनीतिक चचाओं से दूर रहने वाले निशांत को अचानक अपने पिता के लिए वोट करने की अपील क्यों करनी पड़ती है? ये भी कि वे अपने पिता को सफल मुख्यमंत्री मानते हैं। वे कहते हैं कि बिहार के विकास के लिए नीतीश कुमार ने काफी काम किए हैं। उन्होंने अगर एक करोड़ नौकरी-रोजगार का वादा किया है तो उसे भी वे अवश्य पूरा करेंगे।

निशांत के बारे में नीतीश का निर्णय अंतिम

नीतीश ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में वंशवादी राजनीति का कभी पक्ष नहीं लिया। अलबत्ता समय-समय पर उन्होंने मुखालफत ही की है। इस बार विधानसभा चुनाव के दौरान नीतीश ने एक सभा में वंशवादी राजनीति के लिए लालू यादव की खिंचाई भी की थी। उन्होंने कहा था कि अपने जेल गए तो बीवी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। ऐसा कहीं होता है? इसलिए ये उम्मीद बेमानी है कि वे राजनीति में एक्टिव रहते निशांत के लिए कोई जगह बनाएंगे। हां, अगर सच में उन्होंने राजनीति से संन्यास की कोई योजना बनाई है तो निशांत को अवश्य मौका मिल सकता है। तब नीतीश जैसा चाहेंगे, वैसा ही होगा। इसलिए कि उनके विधायकों की जो संख्या है, उस आधार पर वे एनडीए में बारगेन करने में सक्षम हैं।

पहले ना और अब संजय झा की हां क्यों?

ये भी एक सवाल है कि निशांत के राजनीति में आने की बात जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा नकारते रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने भी हां में हां मिलाना शुरू कर दिया है। बीते दिनों संजय झा ने कहा था कि जेडीयू परिवार के सभी लोग चाहते हैं कि निशांत राजनीति में आएं। उन्होंने ये बात निशांत के सामने ही कही। निशांत ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने न संजय झा के प्रस्ताव को स्वीकार किया और न राजनीति में आने की बात से इनकार ही किया। हंस कर उन्होंने इस सवाल को टाल दिया। इससे ही अटकलें तेज हो गईं कि निशांत की राजनीति में एंट्री की भूमिका तैयार हो चुकी है। संजय झा पहले इस सवाल को नकारते रहे हैं। अशोक चौधरी, श्रवण कुमार समेत जेडीयू के दूसरे नेता भी निशांत को राजनीति में लाने के लिए बेचैन हैं। मगर, आश्चर्य है कि नीतीश और निशांत की ओर से कभी इसका कोई संकेत नहीं मिला और न कहीं उनकी जुबान से इसकी चर्चा निकली।

लग्जरी कार से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

आरा/भोजपुर : जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया के निर्देश पर मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को बड़ी सफलता मिली। सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश कुमार के नेतृत्व में विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सलेमपुरझआरा रोड स्थित मझौआ, संभावना स्कूल के पास एक लग्जरी क्रेटा कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। वाहन जाँच के दौरान बिना निबंधन संख्या की उक्त कार से 8 पीएम स्पेशल ब्लेंडेड ऑफ स्कॉच व्हिस्की (180') के 1344 पीस (कुल 241.920 लीटर) अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से वाहन चालक रवि कुमार, पिता-सुभास सिंह, निवासी-सुईथा, वार्ड-12, थाना परसा बाजार, जिला पटना को गिरफ्तार कर न्यायिक

प्रक्रिया हेतु अदालत को सुपुर्द किया गया। जप्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 3 लाख रुपये आंका गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शराब को उत्तर प्रदेश से पटना ले जाया जा रहा था। छापेमारी दल में निरीक्षक प्रकाश चंद्र, अवर निरीक्षक शिवम कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक रवि कुमार सहित मद्यनिषेध सिपाही, सैप एवं होमगार्ड के जवान शामिल थे। मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग ने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी और वाहन जांच अभियान लगातार जारी है तथा आगे भी जारी रहेगा।

मुकेश अंबानी के समधी अजय पिरामल ने गया जी में किया पिंडदान,

गयाजीः देश के प्रसिद्ध उद्योगपति और पिरामल फाउंडेशन के चेयरमैन अजय पिरामल बुधवार की सुबह गया जी शहर पहुंचे। सबसे पहले विष्णुपद में पितरों के लिए पिंडदान किया। इसके बाद उद्योगपति मुकेश अंबानी के समधी अजय पिराम शहर के प्रसिद्ध अस्पताल जय प्रकाश नारायण अस्पताल पहुंचे। यहां पूरी व्यवस्था का जायजा लिया। विष्णुपद मंदिर पहुंचे प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी के समधी अजय पिरामल ने विष्णुपद मंदिर परिसर में पिंडदान किया। एक दिनी गया श्राद्ध कर निमित पिंडदान कर पितरों के मोक्ष की कामना की। गयापाल सह श्री विष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के सचिव गजाधर लाल पाठक ने पूरे विधान के साथ पिंडदान कराया। विष्णुपद के हनुमान मंदिर परिसर में करीब एक घंटे बैठकर पिरामल फाउंडेशन के चेयरमैन ने पिंडदान किया।

लालू-तेजस्वी की मुश्किलें और बढ़ाएंगे तेज प्रताप यादव, अब छेड़ दिया नया अभियान

पटनाः लालू परिवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निकाले जाने के बाद नीतीश सरकार में दो बार मंत्री रहे तेज प्रताप यादव ने अपनी अलग राजनैतिक पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) का गठन कर लिया। अब वे अपनी पार्टी के विस्तार में जुट गए हैं। पार्टी की सदस्यता अभियान का ऐलान कर दिया गया है। इससे तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि तेज प्रताप राजद के बेस वोट बैंक लालू प्रसाद यादव की विरासत में ही बंटवारा करेंगे। गुरुवार को तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सदस्यता अभियान की जानकारी दी। 12 दिसम्बर शुक्रवार को उनके सरकारी आवास 26 एम स्ट्रैंड रोड से अभियान की शुरूआत होगी। इसके लिए दोपहर 1 बजे का समय

तय किया गया है। तेज प्रताप यादव ने कहा है कि जनशक्ति जनता दल द्वारा महा सदस्यता अभियान (2025-28) की शुरूआत होने जा रही है। आप सभी से अनुरोध करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में जनशक्ति जनता दल से जुड़े, ताकि संगठन की शक्ति से राज्य को एक नई दिशा और मजबूती मिल सके।जनशक्ति जनता दल का यह महा सदस्यता अभियान सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार का विस्तार और एक वैचारिक आंदोलन भी है। दरअसल तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव राजनीति के मैदान में खुलकर एक दूसरे के विरोध में हैं। विधानसभा चुनाव 2025 में दोनों भाइयों ने के दूसरे के चुनावी क्षेत्र में ना सिर्फ उम्मीदवार दिया बल्कि अपने अपने प्रत्याशियों के लिए वोट भी मांगा।

तेज प्रताप यादव भले ही चुनाव हार गए पर उनकी सक्रियता बनी हुई है। उनकी पार्टी जेजेडी का विस्तार होता है और कार्यकताओं की ताकत बढ़ती है तो इसका सीधा नुकसान राजद को ही होने वाला है। तेज प्रताप यह भी कह चुके हैं कि राजद में वापसी से मर जाना बेहतर है तेज प्रताप यादव अपनी गतिविधियों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। उनकी फैन फॉलोविंग भी अच्छी खासी है।

पुलिस ने 18 सालों से दबा रखा है अदालत का आदेश, पटना हाईकोर्ट सख्त; थानेदार और आईओ तलब

नवप्रदेश, मुजफ्फरपुरः बिहार की मुजफ्फरपुर पुलिस की भयानक लापरवाही सामने आई है। जिले के साहेबगंज थाने में 28 साल पुराने डकैती के लिए योजना बनाने और आर्म्स एक्ट के मामले में आरोपित के खिलाफ कुर्की का आदेश 18 वर्षों से थाने में दबा रहा। वर्ष 2007 में जारी हुए कुर्की के आदेश का अब तक अनुपालन नहीं कराया गया। पुलिस रिकॉर्ड में 1997 से फरार बताए गए आरोपित पूर्वी चंपारण के कल्याणपुर थाना के बनुआरामनी दिलावरपुर निवासी उमाशंकर सिंह (72) के खिलाफ बीते दिनों कार्रवाई शुरू हुई तो वह हाईकोर्ट पहुंच गए। उन्होंने याचिका में दावा किया है कि झूठे केस में उन्हें फंसाया गया है। उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस ने 12 दिसंबर को साहेबगंज के थानेदार और केस के आईओ को पूरे केस रिकॉर्ड के साथ हाजिर होने का आदेश दिया

है। ताकि, पुलिस यह बता सके कि इतने दिनों तक वारंट और कुर्की आदेश थाने में क्यों दबी रही। एसएसपी को इस आदेश की प्रति भेजकर थानेदार व आईओ को हाईकोर्ट में पेश कराने के लिए कहा गया साहेबगंज के तत्कालीन थानेदार को नौ अगस्त 1997 को स्थानीय चौकीदार शत्रुघ्न राय और रमेश महतो से जानकारी मिली कि गोपाल तिवारी नाम का एक व्यक्ति अपने साथियों के साथ नयाटोला दोस्तपुर में डकैती करने की योजना बना रहा है। इसके बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। छापेमारी के दौरान रामबाबू सिंह उर्फ एक्सविजय सिंह को लोडेड राइफल के साथ पकड़ा गया। उसके अन्य साथी फरार हो गए। पुलिस की पूछताछ में रामबाबू ने भागने वाले साथी के रूप में केसरिया के उमा सिंह का भी नाम बताया, जिसके आधार पर पुलिस ने केस में उमा सिंह को भी नामजद आरोपित बनाया।

केस में उसका पता और पिता का नाम नहीं था

फरार रहने के कारण पुलिस ने कोर्ट में अर्जी देकर उमा के खिलाफ पहले वारंट लिया। इसके बाद इश्तेहार व 2007 में कुर्की आदेश जारी कराया गया। तब से यह केस ऐसे ही पड़ा रहा। इन दिनों केस निष्पादन का अभियान चल रहा है। इसमें फरार आरोपित की खोज खबर ली गई तो पुलिस कल्याणपुर थाना क्षेत्र के उमाशंकर सिंह के पास कार्रवाई के लिए पहुंची।

13 तथा 14 दिसंबर को त्रिदंडी देव राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारी पुरी

शाहपुरः त्रिदंडी देव राजकीय महाविद्यालय गौतम नगर शाहपुर में आयोजित 13 तथा 14 दिसंबर की आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारी महाविद्यालय प्रशासन पुरी कर ली गई है। इस प्रतियोगिता को लेकर वी के एस यू से अंगीभूत एवं संबद्ध अधिकांश महाविद्यालय ने अपनी अपनी टीम भेजने की इच्छा प्रकट की है। जिससे आयोजन को लेकर खिलाडियों और दर्शकों में उत्साह का माहौल है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा गुलाब फलहारी ने सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो से अनुरोध किया है कि अपने अपने महाविद्यालयों से खिलाडियों की टीम अवश्य भेजें ताकि अधिक से अधिक की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। महाविद्यालय के खेल अधिकारी डा अम्बरीष गौतम, ने जानकारी की तैयारी पुरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि सफलता को लेकर सभी का सहयोग का होना चाहिए।

पराली जलाने को लेकर विभाग ने 20 किसानों के विरुद्ध दर्ज कराई प्राथमिकी

नवप्रदेश, बिक्रमगंजः प्रखंड क्षेत्र के घुसियां खुर्द पंचायत के घुसियां खुर्द गांव के 20 किसानों पर पराली जलाने को लेकर गुरुवार को कृषि विभाग द्वारा बिक्रमगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कृषि समन्वयक अशोक कुमार सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि धुसिया खुर्द पंचायत के राजस्व ग्राम घुसिया खुर्द में किसानों के द्वारा पराली (पुआल) जलाने की सूचना, किसान सलाहकार घुसियाँ खुर्द के द्वारा दी गई, सूचना प्राप्ती के बाद प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी बिक्रमगंज एवं राजस्व कर्मचारी घुसिया खुर्द के द्वारा संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में धुसियाँ खुर्द के किसान भी उपस्थित थे। जिसमें पाया गया कि किसानों द्वारा पराली जलाया गया हैं, जिसका पुष्टि अंचलाधिकारी बिक्रमगंज के द्वारा किसानों का खाता, खेसरा, रकबा एवं किसानों के सूची के साथ प्रखण्ड कृषि

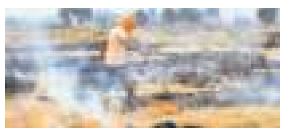

पदाधिकारी को दिया गया। अंचलाधिकारी के कार्यालम से प्राप्त सूची का मेरे एवं पंचायत धुसियों खुर्द के किसान सलाहकार के द्वारा संयुक्त रुप से सत्यापन किया गया। जिसमें उक्त खाता, खेसरा पर कृषि कार्य करने वाले लोगों की सूची के अनुसार राजेन्द्र प्रसाद सिंह पिता स्व. रामगढ़ सिंह, देवनारायण कुमार पिता स्व. राम निवास चौधरी, अशोक कुमार पिता स्व. श्याम बिहारी चौधरी, सुनिल कुमार चौधरी पिता स्व. रामलाल चौधरी, नरगिस जहाँ पति असफाक अहमद खां, रघुवंश प्रसाद पिता स्व. रामगढ़ सिंह, संतोष कुमार सिंह पिता स्व. कैलाश पति चौधरी, सुनिल कुमार चौधरी पिता स्व बिगूचंद चौधरी, मनोज कुमार चौधरी पिता स्व. बिगूचंद चौधरी सहित अन्य व्यक्ति नामित हैं।

प्लस टू के नवनिर्मित भवन का मंत्री नारायण प्रसाद ने किया उद्घाटन

नवप्रदेश, नौतनः प्रखंड के धुमनगर पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्लस टू के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन गुरुवार को स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री नारायण प्रसाद ने फीता काटकर शिक्षा के लिए छात्र छात्राओं को समर्पित किया। उद्घाटन समारोह में मंत्री ने कहा कि यह भवन छात्रों को बेहतर शिक्षा का माहौल प्रदान करेगा और क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनायेगा। मंत्री ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही राष्ट्र को प्रगति की ओर ले जा सकता है। इस दौरान आपदा प्रबंधन मंत्री ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया तथा भवन निर्माण की गुणवत्ता की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली।वहीं मंडल अध्यक्ष देवीदयाल प्रसाद ने उद्घाटन शिलापट्ट पर अशुद्धियों को लेकर नाराजगी जताई। वहीं ग्रामीण ने खुशी जाहिर करते हुए विधायक सह मंत्री नारायण प्रसाद को धन्यवाद देते हुए कहा कि पंचायत के छात्र छात्राओं को प्लस टू की शिक्षा के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा।खासकर लड़कियों को शिक्षित करने का सुनहरा अवसर मिला है।कार्यक्रम में बीडीओ शैलेंद्र कुमार सिंह, सीओ अल्का कुमारी, बीईओ रेयाज अहमद, मनोज पाड़े, जिप सदस्य मनोज कुशवाहा, संवेदक लक्ष्मण सिंह, एच एम रशमी वर्मा, जदयू अध्यक्ष अरूण कुशवाहा स्कूटी इंजीनियर मनोज पांडे संजीत कुशवाहा, मुखिया अफरोज नैयर, मंडल अध्यक्ष छोटे लाल कुशवाहा, उपेंद्र राम,उपस्थित रहे।

हर थाने में लगेगा जनता दरबारः सम्राट चौधरी

गुंडा बैंक पर होगी कार्रवाई, तकनीक से लॉ एंड ऑर्डर पर लगेगा लगाम; 48 स्टेनो को दिया नियुक्ति पत्र

नवप्रदेश संवाददाता

पटनाः बिहार के गृह मंत्री सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को सरदार पटेल भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 48 नव-नियुक्त स्टेनोग्राफर पुलिसकर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से बिहार में युवाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से सरकारी नौकरी देने की परंपरा कायम है जिसे वर्तमान सरकार मजबूती से आगे बढ़ा रही है।

अनुकंपा नहीं सीधी भर्ती से युवाओं को मौकाः सम्राट चौधरी ने कहा कि आमतौर पर यह धारणा रही है कि पुलिस विभाग में स्टेनोग्राफर जैसे पदों पर नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर होती है, यानी किसी पुलिसकर्मी के निधन के बाद उनके परिजनों को नौकरी दी जाती है। लेकिन आज यह देखकर संतोष होता है कि योग्य और पढ़े-लिखे युवाओं को सीधी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से पुलिस विभाग में अवसर दिया जा रहा है।

हर थाने में जनता दरबार, बढ़ेंगे

फास्ट ट्रैक कोर्ट : गृह मंत्री ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे अपने जिले के प्रत्येक थाना में नियमित रूप से जनता दरबार लगाएं, ताकि आम लोगों की समस्याओं को सीधे सुना और हल किया जा सके। इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की संख्या बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है, जिससे मामलों का त्वरित निपटारा हो सके।

गुंडा बैंक और अवैध सूदखोरी पर सख्त कार्रवाई जल्द : सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में सक्रिय ₹गुंडा बैंकर₹ और अवैध सूदखोरी पर नकेल कसने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस संबंध में डीजीपी से बातचीत हो चुकी है और जल्द ही नोटिफिकेशन जारी कर सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि जो भी अवैध बैंक संचालित हो रहे हैं, उन्हें बंद कराया जाएगा।

पांच वर्षों में साढ़े ग्यारह लाख से अधिक नियुक्तियां : गृह मंत्री ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में राज्य में साढ़े ग्यारह लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा कि आज स्टेनो सहायक के रूप में दी गई यह नियुक्ति उसी व्यापक अभियान की कड़ी है। आगे भी पुलिस विभाग में सिपाही, चालक और अन्य पदों पर बड़े पैमाने पर बहाली की जाएगी।

4300 सिपाही चालक पद की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न : सम्राट चौधरी ने बताया कि मंगलवार को ही लगभग 4300 सिपाही चालक पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई, जो पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने इसे प्रशासन की बेहतर कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था की मजबूती का उदाहरण बताया।

टेक्नोलॉजी से मजबूत होगा लॉ एंड ऑर्डर : लॉ एंड ऑर्डर को और बेहतर बनाने के लिए सरकार आधुनिक तकनीक पर विशेष ध्यान दे रही है। गृह मंत्री ने कहा कि राज्य की सभी जेलों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं और कुल 10 हजार सीसीटीवी लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था में भी व्यापक सुधार किया जा रहा है। गांवों के प्रवेश और निकास मार्गों पर एआई आधारित कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी।

नव-नियुक्त कर्मियों से ईमानदार सेवा की अपेक्षा : कार्यक्रम के समापन पर सम्राट चौधरी ने नव-नियुक्त स्टेनो पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार को उनसे ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन की मजबूती में इन युवाओं की भूमिका अहम होगी और इनके योगदान से बिहार में कानूनव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

संक्षिप्त खबरें

नवनिर्वाचित विधायक ने जनता जनार्दन की सुनी फरियाद

नवप्रदेश, शाहपुर : अपने पैतृक गांव ओझवलिया में जनता जनार्दन की समस्याओं के निदान करने के लिए नवनिर्वाचित विधायक राकेश रंजन ओझा ने फरियाद सुना। समस्याएं को बारी बारी से सुना। तथा अवाश्यक निदान को लेकर संबंधित अधिकारी व पदाधिकारी को अवगत कराने के पश्चात समाधान कराने का आश्वासन दिया। बिधायक ने कहा कि कभी भी लोगों की समस्या के समाधान के लिए जनता दरबार लगाकर उनका निदान किया जाएगा। आम लोगों की समर्पित भावना से उनका समाधान करने की पहल की

जाएगी। अपनी अपनी समस्या को लेकर दियरांचल के प्रत्येक गांव के लोग भाग लिए। तथा अपनी फरियाद से अवगत कराये। बिधायक ने हरसंभव सहयोग दिलाने का आश्वासन दिया।

निपुण बिहार मिशन के तहत स्कूल कॉम्प्लेक्स स्तरीय टीएलएम मेला आयोजित

नवप्रदेश, सूर्यपुरा : प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय अगरेड खुर्द एवं बलिहार में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद रोहतास के बैनर तले निपुण बिहार मिशन के तहत स्कूल कॉम्प्लेक्स स्तरीय टी एल एम मेला का आयोजन किया गया. जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संकुल स्तरीय विद्यालय के शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. अगरेडखुर्द मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील दत्त तिवारी ने बताया कि संचालक सौरभ कुमार के नेतृत्व में स्कूल कॉम्प्लेक्स स्तरीय टी एल एम मेला में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने स्व निर्मित पठन पाठन सामग्री का प्रदर्शन आयोजित टी एल एम मेला में किया. जिसमें उत्कृष्ट एवं सराहनीय प्रदर्शन करने वाले मध्य विद्यालय आगरा खुर्द के हिंदी में प्रथम स्थान नेहा कुमारी अंग्रेजी में प्रथम स्थान शिवानी कुमारी गणित में प्रथम स्थान शशि भूषण कुमार पर्यावरण में प्रथम सुनीता यादव जबकि उर्दू में प्रथम स्थान शबाना आजमी प्राप्त वहीं प्राथमिक विद्यालय शीतलपुर को द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान मध्य विद्यालय रामपुर एवं लखनपुरा ने प्राप्त किया जिन्हें विद्यालय के प्रधानाध्यापक का संचालक सौरभ कुमार ने प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर से सम्मानित किया. वही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि 12 दिसंबर को शिवोबाहर सीआरसी पर तथा 13 दिसंबर को सूर्य पुरा एवं गोशलडीह में टी एल एम मेला का प्रदर्शन किया जाएगा.

कैमूर के नवपदस्थापित जिला पदाधिकारी श्री नितिन कुमार सिंह ने किया कार्यभार ग्रहण

नवप्रदेश, कैमूर : खबर कैमूर जिले का है। जहां तारीख 11 दिसंबर 2025 दिन गुरुवार को कैमूर जिला में नवपदस्थापित जिला पदाधिकारी श्री नितिन कुमार सिंह ने समाहरणालय परिसर में अपने पूर्ववर्ती जिलाधिकारी श्री सुनील कुमार से औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। बता दें कि समाहरणालय पहुंचने पर पूर्ववर्ती जिला पदाधिकारी श्री सुनील कुमार द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात श्री नितिन कुमार सिंह ने औपचारिक रूप से जिला पदाधिकारी का प्रभार ग्रहण किया। वही कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों का परिचय प्राप्त कर प्रशासनिक कार्यों

की जानकारी भी प्राप्त की। वही इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सूर्य प्रताप सिंह, अपर समाहर्ता श्री ओमप्रकाश मंडल, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), अनुमंडल पदाधिकारी भभुआ, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला सब रजिस्टार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, स्थापना उप समाहर्ता, नजारत उप समाहर्ता सहित जिला प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

आपसी बर्चस्व कि लड़ाई में जमकर चलीं गोलियां, दो घायल

नवप्रदेश, अकोढ़ीगोला : थाना क्षेत्र के पकड़िया गांव में मंगलवार की रात दो गुटों में पूर्व की विवाद व आपसी बर्चस्व को लेकर क?ई राउंड फायरिंग हुई। गोलीबारी की घटना में दो युवक घायल हो गए । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच घायलों को इलाज के लिए ले गई । वहीं घटना स्थल से पुलिस ने 29 जिन्दा कारतूस, 21 खोखा (देशी पिस्टल का),11 देशी कट्टा का खोखा,दो दुनाली बंदूक का खोखा, तीन पिस्टल का पिलेट,एक देशी कट्टा का फटा हुआ बैरल बरामद किया । एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि पकड़िया निवासी विमलेश सिंह के पुत्र रितिक कुमार व महुआरी निवासी सोनू कुमार व कौशल पासवान उर्फ सूर्या डॉन के बीच पूर्व से विवाद चल रहा था। वही मंगलवार की देर रात करीब 11 बजे महुवारी निवासी सोनू कुमार उर्फ सूर्या डॉन अपने साथी नोखा थाना के कदवा निवासी राधा पासवान के साथ पकड़िया गांव पहुंच विमलेश सिंह के साथ हो हल्ला शुरू कर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। जिसके बाद विमलेश सिंह ने भी गोलीबारी शुरू कर दिया दोनों तरफ से रात में गोलियों की तड़तड़ाहट सुन ग्रामीणों सकते में पड़ गए । ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दिया । पुलिस मौके पर पहुंची तो गोली लगने से सोनू कुमार व राधा पासवान घायल अवस्था में पड़े हुए थे। पुलिस ने दोनों घायलो को उठा कर इलाज के लिए नारायण मेडिकल कालेज अस्पताल जमुहार ले गई । पुलिस ने घटना में शामिल विमलेश सिंह को घर से गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एएसपी ने बताया की घायल सोनू कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है । पूर्व में कई आपराधिक मामलो में जेल जा चुका है। एएसपी ने बताया की घायल युवक की स्थिति चिंताजनक देख पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए वाराणसी ले भेजा गया है।

पटना में सुबह-सुबह एनकाउंटर, रंगदारी मांगने के आरोपी को पुलिस ने मारी गोली

नवप्रदेश, पटना : सुबह-सुबह अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। पटना के जानीपुर के मुरादपुर में मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने एक अपराधी को पैर में गोली मार दी है। पुलिस की गोली से अपराधी घाायल हुआ है और उसका इलाज फिलहाल एम्स में चल रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस की गोली से घायल अपराधी पर बैंककर्मी से रंगदारी मांगने का आरोप है। घायल अपराधी का नाम राकेश कुमार बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया है कि राकेश कुमार पर पुलिस लगातार नजर रख रही थी। राकेश को पकड़ने के लिए जब पुलिस पहुंची तब वो भागने लगा और इसी दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग भी कर दी। पुलिस ने भी तुरंत मोर्चा संभाला और अपराधी को पैर में गोली मार दी। राकेश कुमार के बारे में बताया जा रहा है कि वो दीघा थाना इलाके का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस को आशंका है कि राकेश के कुछ अन्य साथी भी इस कांड में शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

कुल नौ थानों में छापेमारी से बरामद 1343 लीटर देसी चुलाई व अंग्रेजी शराब का विनिष्टीकरण

नवप्रदेश, चौतरवा : शराबबंदी को सख्ती से लागू करने की दिशा में जिला पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई छापेमारी के दौरान बरामद कुल 1343 लीटर देसी चुलाई और अंग्रेजी शराब को चौतरवा थाना परिसर में विधिवत रूप से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम की मौजूदगी में पूरे प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया गया।विनिष्टीकरण कार्यक्रम के दौरान उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह, सीओ प्रभारी विकास कुमार, तथा चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह के साथ कई थाना क्षेत्रों के दर्जनों पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों की देखरेख में जब्त शराब को गड्ढे में डालकर व मिट्टी से भरकर नष्ट किया गया।

कांग्रेस ने भारत की संस्कृति, सोच और मूल्यों से किया समझौता: नड्डा

नई दिल्ली: राज्य सभा में गुरुवार को वंदे मातरम पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर वंदे मातरम गीत की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, शुरू से ही कांग्रेस ने भारत की संस्कृति, सोच और मूल्यों से समझौता किया।

संसद में वंदे मातरम पर हुई चर्चा के समापन वक्तव्य में जेपी नड्डा ने कहा यह चर्चा दर्शाती है कि वंदे मातरम कितना प्रासंगिक और हमारे दिलों के कितना करीब है। यह बहस उन युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम की एक झलक देता है जिन्होंने उन दिनों को अपनी आँखों से नहीं देखा है।

यह गीत कई ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी है और इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम से उत्पन्न भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। यह हमें प्रेरित करता है और

स्वतंत्रता संग्राम के प्रति हमारे अंदर जोश भर देता है। जब अंग्रेजों ने हमारे स्कूलों में अपना राष्ट्रगान 'गॉड सेव द क्वीन' थोपना चाहा, तब बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने हमें वंदे मातरम गीत दिया, जिसका असर पूरे देश में हुआ।

नड्डा ने कहा कि वंदे मातरम को वह सम्मान और स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था और उस समय के नेता इसके लिए जिम्मेदार थे। नड्डा ने नेहरू द्वारा 1937 में लिखे गए एक पत्र का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि गीत में कठिन शब्द हैं और यह आधुनिक राष्ट्रवाद के अनुरूप नहीं है। वह उस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे। नेहरू के नेतृत्व में साम्प्रदायिक तत्वों के दबाव में उन्होंने इस पवित्र गीत को बदला और उन अंतरों को हटा दिया जिनमें भारत माता को माँ दुर्गा के रूप में स्वतंत्रता के अस्त्र-शस्त्र धारण किए हुए चित्रित किया गया था। 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 1937 तक की कांग्रेस कार्यसमिति की रिपोर्टों का हवाला देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि उस समय में प्रस्ताव में कहा गया था कि अन्य अंतरे कम जाने जाते हैं और शायद ही कभी गाए जाते हैं; उनमें ऐसे संकेत और धार्मिक विचारधाराएँ हैं जो भारत के अन्य धार्मिक समूहों की विचारधाराओं के अनुरूप नहीं हो सकतीं। समिति ने अपने मुस्लिम मित्रों की आपत्तियों को स्वीकार किया और निर्णय लिया कि जब भी यह गीत गाया जाए, केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाएँ, वे पढ़ते हैं।

सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने अपने भाषण का समापन करते हुए कहा कि चर्चा तभी सार्थक होगी जब वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय ध्वज के समान सम्मान दिया जाएगा। राष्ट्रीय गीत का दर्जा समान है।

ई-20 पेट्रोल से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं : गडकरी

नई दिल्ली: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ई-20 यानी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि व्यापक परीक्षणों में यह ईंधन पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है और इससे प्रदूषण कम करने तथा विदेशी मुद्रा बचाने में भी मदद मिलती है।

लोकसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की प्रभावशीलता पर उठे सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार द्वारा कराए गए विस्तृत परीक्षणों में ई-20 पेट्रोल से वाहनों की ड्राइवेबिलिटी, स्टार्टेबिलिटी, धातु और प्लास्टिक संगतता पर कोई नकारात्मक असर सामने नहीं आया है। ई-20 के प्रयोग से देश को महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ मिल रहे हैं। एथनॉल मिश्रण से अब तक 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, जबकि कच्चे माल के रूप में गन्ना और मक्का उपलब्ध कराने वाले किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

गडकरी ने कहा कि एक अप्रैल 2023 से पहले बेचे गए वाहन ई-10 के अनुकूल हैं, जबकि इसके बाद बेचे गए वाहन ई-20 सामग्री-अनुपालन के मानकों पर खरे उतरते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पुराने वाहन को चरणबद्ध तरीके से हटाने या रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता नहीं है और सामान्य घिसावट को नियमित सर्विसिंग में आसानी से संभाला जा सकता है।

आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े जिहादियों के ठिकानों पर कोलकाता में ईडी की छापेमारी

कोलकाता: आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से जुड़े पैडघा मॉड्यूल की जांच में गुरुवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस कार्रवाई का मकसद उन लोगों की गतिविधियों की जांच करना है, जिन पर आतंक से जुड़े कामों को बढ़ावा देने, हथियार जुटाने और पैसे का इंतजाम करने का आरोप है।

जांच एजेंसी ने सुबह से देशभर में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के पैडघा-बोरीवली इलाके, रत्नागिरी, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कई शहरों के साथ ही कोलकाता स्थित घरों और दफ्तरों में तलाशी ली। मुंबई में छापों के दौरान महाराष्ट्र एटीएस ने सुरक्षा दी, जबकि कोलकाता में केंद्रीय बलों की मदद ली गई। ईडी ने यह जांच उस मामले के आधार पर शुरू की है, जिसे एनआईए ने पिछले साल

दर्ज किया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का आरोप है कि कुछ लोग आईएसआईएस की सोच से प्रभावित होकर युवाओं को इस रास्ते पर ले जाने, उन्हें तैयार करने, हथियार और विस्फोटक जुटाने और इसके लिए पैसे इकट्ठा करने में जुटे थे।

एनआईए ने अपनी चार्जशीट में 21 लोगों के नाम दिए हैं जिन पर देश में हिंसा फैलाने और लोकतांत्रिक माहौल को तहस-नहस करने की साजिश का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया कि इन लोगों ने ठाणे के पैडघा गांव को कथित तौर पर अल-शाम नाम देकर अपना अड्डा बनाया था और युवाओं को वहां आने के लिए उकसाया जाता था।

जांच एजेंसियों ने यह भी बताया कि आरोपित एक दूसरे मामले में गिरफ्तार शहनवाज आलम से जुड़े हुए थे, जो कई पहले के आतंकी मामलों में आरोपित रह चुका है। इस पूरे नेटवर्क को संभालने वाला साकीब अब्दुल हमीद नाचन नाम का व्यक्ति था, जिसकी मौत इस साल जून में दिल्ली में हुई थी। ईडी को महाराष्ट्र एटीएस से यह जानकारी भी मिली है कि कुछ लोग खैर की लकड़ी की तस्करी से जो पैसा कमाते थे, उसका इस्तेमाल भी कट्टरपंथी गतिविधियों में किया जा रहा था। मामले की जांच जारी है और एजेंसी कई जगह से मिले दस्तावेजों और डिजिटल सामग्री की जांच कर रही है।

हिंदी फिल्म 'धुरंधर' का गुजरात में विरोध, प्रतिबंध लगाने की उठी मांग

अहमदाबाद: आदित्य धर के निर्देशन में बनी हिंदी फिल्म 'धुरंधर' का जूनागढ़ में तीव्र विरोध शुरू हो गया है। फिल्म में अभिनेता संजय दत्त के बोले गए एक संवाद को लेकर बलोच मकरानी समाज में भारी नाराजगी फैल रही है। समाज का कहना है कि यह संवाद उनकी जाति को निशाना बनाकर बोला गया है, जिससे उनकी भावनाओं को गंभीर ठेस पहुंची है। जूनागढ़ बलोच मकरानी समाज के प्रमुख और एडवोकेट एजाज मकरानी ने फिल्म के अभिनेता, संवाद लेखक और निर्देशक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए तालुका पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि फिल्म कमाई के उद्देश्य से एक समुदाय की छवि खराब करने का प्रयास करती है। एडवोकेट एजाज मकरानी ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर पुलिस उचित कार्रवाई नहीं करती है, तो समाज गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर विदेशी विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई: मुंबई एयरपोर्ट के ईमेल पर गुरुवार को सुबह एक के बाद एक विदेशी विमानों को बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद एयरपोर्ट परिसर में पुलिस का तलाशी अभियान जारी है। इस धमकी के बाद एयरपोर्ट के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही पुलिस धमकी भेजने वाले के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह एयरपोर्ट के ईमेल पर अज्ञात शख्स ने मैसेज भेजा है। ईमेल भेजने वाले का दावा है कि जापान, कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जाने वाली फ्लाइट्स में विस्फोटक पहले ही रखे जा चुके हैं। फ्लाइट्स के टेकऑफ करने के करीब आधे घंटे बाद वे एक के बाद एक फटेंगे। यहीं नहीं, ईमेल में आगे कहा गया है कि अगर आप ऐसी मुसीबत से बचना चाहते हैं, तो दस मिलियन डॉलर तैयार रखें। मुंबई पुलिस के एंटी-टेरिज्म स्क्वॉड (एटीएस), साइबर विंग और एयरपोर्ट सिक्योरिटी फोर्स ने मिलकर जांच शुरू कर दी है। ईमेल का सोर्स, आईपी एड्रेस, मेल भेजने के लिए इस्तेमाल किया गया मीडियम और उससे जुड़े टेक्निकल सबूत ढूंढने का काम चल रहा है। एयरपोर्ट के सभी टर्मिनल पर सिक्योरिटी चेकिंग कड़ी कर दी गई है और इंटरनेशनल फ्लाइट्स को भी एक्स्ट्रा चेकिंग के बाद ही जाने दिया जा रहा है। पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है कि क्या इस मामले में आतंकी मकसद है या कोई पैसे ऐंठने के लिए हत्या करने की धमकी दे रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 3 युवकों की मौके पर मौत

सुरेन्द्रनगर : गुजरात के सुरेन्द्रनगर ज़िले में पाटडी तालुका के नवियाणी गांव के पास देर शाम भीषण दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, नवियाणी गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवकों की मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। नागरिकों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को हादसे की सूचना दी। जानकारी के मुताबिक मृतकों में दो सगे भाइयों सहित तीनों युवक आज सुबह एरवाड़ा गांव से बेचराजी में अपनी नई नौकरी पर जाने के लिए निकले थे। दोनों भाइयों की आज नई नौकरी का पहला दिन था। लेकिन नवियाणी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से तीनों की मौत हो गई।

बांग्लादेश के वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन 6 घंटे बाद मुक्त

ढाका: बांग्लादेश में बुधवार दोपहर कार्यालय में बंधक बनाए गए वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. अहमद को उनके कार्यालय में ही बंधक बना लिया था। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है।

ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक बांग्लादेश के प्रशासनिक हलकों में बुधवार दोपहर करीब 02 बजे उस समय हलचल मच गई जब विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में बंधक बना लिया। सचिवालय की चौथी मंजिल पर प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सलाहकार के कार्यालय के बाहर नाकाबंदी कर दी थी। प्रदर्शनकारी सभी सरकारी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत विशेष भत्ता दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

घटनाक्रम के मुताबिक प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार को उनके कार्यालय में गुरुवार तक मांगें पूरी किए जाने की बात कह कर वार्ता के लिए बुलाया। उनके कार्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारी तत्काल मांगें पूरी करने पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना था कि सरकार जबतक गजट अधिसूचना जारी नहीं करती वे पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने उनके कार्यालय की नाकेबंदी कर दी। आखिरकार रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया।

काशी तमिल संगमम: हनुमान घाट पर तमिल के पेशेवरों और कारीगरों के समूह ने किया गंगा स्नान

वाराणसी: उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में भाग लेने आए तमिलनाडु के पेशेवरों और कारीगरों ने गुरुवार को हनुमानघाट पर गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान ध्यान के बाद सभी ने मां गंगा का पूजन भी पूरे श्रद्धाभाव से किया। गंगा स्नान के बाद तमिल समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान सभी लोगों को मंदिरों के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। इसके उपरांत तमिल डेलीगेट हनुमान घाट स्थित महाकवि सुब्रमण्यम भारती के घर पहुंचा। आवास पर महाकवि के तीसरे पीढ़ी के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की। समूह के लोगों में महाकवि के बारे में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी। उन्होंने सुब्रमण्यम भारती के

घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। महाकवि के घर पर भ्रमण करने के उपरांत यह समूह कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। काशी के हनुमानघाट में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर पेशेवरों और कारीगरों का दल उत्साहित दिखा।

तमिल समूह को काशी का इतिहास समझाने वाले वाले वी. चंद्रशेखर द्रविड़ घनपाठी बताते हैं कि केदार घाट और हनुमान घाट ऐसे मोहल्ले हैं, जहां दक्षिण भारत के लोग कई पीढ़ियों से रहते हैं। अब वह सभी काशीवासी हो चुके हैं। कोई यहां 5 पीढ़ियों से रहता है, तो कोई 10 पीढ़ियों से यहां रह रहा है। यह सभी यहां की परंपरा को आत्मसात कर रहे हैं और अपनी परंपराओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं। एक तरीके से कहें तो महादेव की काशी में उत्तर भारत और दक्षिण भारत की साझा संस्कृति यहां विकसित हो चुकी है। पेशेवरों और कारीगरों का यह समूह काशी में कई अन्य कार्यक्रमों में शामिल होते हुए शाम को नमो घाट पहुंचेगा।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर राष्ट्रपति सहित कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली: भारत के पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रणब मुखर्जी भारतीय लोकतंत्र और संविधान के सच्चे रक्षक थे और उनका जीवन राष्ट्रहित, कर्तव्यनिष्ठा और सार्वजनिक सेवा का प्रतीक रहा। साथ ही उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, अमित शाह, नितिन गडकरी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत तमाम नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें सच्चा समाजसेवक और मार्गदर्शक बताया।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने कहा कि प्रणब मुखर्जी भारतीय राजनीति के महान स्तंभ थे। उनके दीर्घ और समर्पित सार्वजनिक जीवन ने देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सांसद, मंत्री और राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया। उनकी बुद्धिमत्ता, दूरदर्शिता और सार्वजनिक जीवन के प्रति निष्ठा आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की व्यक्तित्व और राजनीतिक प्रतिभा हमेशा याद रखी जाएगी। प्रणब बाबू का व्यक्तित्व राजनीति से परे था और उनके आदर्श, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी हर नागरिक के लिए प्रेरणा है। गृहमंत्री ने मुखर्जी के योगदान को राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में अविस्मरणीय बताया।

भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सेतु है जो तमिलनाडु और काशी को एक परिवार की तरह जोड़ता है: जयंत चौधरी

वाराणसी: उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में गुरुवार को केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने भी भागीदारी की। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पं. ओंकारनाथ ठाकुर ऑडिटोरियम में आयोजित शैक्षणिक सत्र में केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि हम भले अलग भाषाएं बोलें और हमारे विचार भिन्न हों, परंतु हमारा साझा मूल्य-तंत्र और संविधान हमें एक सूत्र में बाँधता है। भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि वह सेतु है, जो तमिलनाडु और काशी को एक परिवार की तरह जोड़ती है। केन्द्रीय मंत्री ने काशी तमिल संगमम की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश की दो प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को अद्भुत रूप से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मंच है। केन्द्रीय मंत्री ने काशी नगरी के अध्यात्म और

प्राचीनता का उल्लेख कर कहा कि कौन बनारस आना नहीं चाहता? यह शहर स्वयं लोगों को अपनी ओर खींच लेता है। उन्होंने बीएचयू को मात्र एक शिक्षण स्थल नहीं बल्कि एक सशक्त सामाजिक संस्थान बताया। मार्क ट्वेन के एक उद्धरण का जिक्र कर जयंत चौधरी ने कहा कि बनारस इतिहास, परंपराओं और किंवदंतियों से भी अधिक प्राचीन है। बदलते वैश्विक परिवेश का उल्लेख कर उन्होंने कहा कि आज परिवर्तन की गति वर्षों में नहीं, बल्कि क्षणों में मापी जाती है। ऐसे समय में बीएचयू से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, नवीन शोध और पेटेंट जैसे उपलब्धियों की अपेक्षा स्वाभाविक है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी बहुभाषी, संवेदनशील और वैश्विक दृष्टिकोण रखने वाली है, और उन्होंने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय भाषाएँ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। सत्र में बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु के बीच आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ज्ञानपरंपरा पर आधारित संबंध सदियों से स्थापित हैं। शैव-वैष्णव परंपराएं, मठ-पीठ, संत-विद्वान तथा तीर्थयात्राएं इन दोनों प्रदेशों को एक अदृश्य सेतु से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम कोई नया संबंध नहीं रचता, बल्कि एक प्राचीन बंधन को नई पीढ़ियों के लिए पुनर्जीवित करता है। उन्होंने बताया कि वाराणसी के विभिन्न विद्यालयों में लगभग 50 तमिल भाषा शिक्षक कार्यरत हैं, जो इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान की जीवंत मिसाल है। सत्र में बीएचयू प्रबंध शास्त्र संस्थान के निदेशक प्रो. आशीष बाजपेयी ने अतिथियों का स्वागत कर कहा कि काशी की प्रत्येक गली, घाट और शिखर में सदियों का ज्ञान, प्रेम और भक्ति गुंजित है, और आज यह पावन नगरी तमिलनाडु के प्रतिनिधियों का हृदय से स्वागत कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

त्योहार के साथ एक सभ्यतागत संदेश भी है दीपावली: राधाकृष्णन

नई दिल्ली: राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को सदन में दीपोत्सव दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 10 दिसंबर 2025 को घोषित इस प्रतिष्ठित मान्यता से हमारे देश और दुनियाभर में रह रहे भारतीयों के बीच खुशी और उल्लास का संचार हुआ है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं है; यह एक सभ्यतागत संदेश है। राधाकृष्णन ने कहा कि यह अंधकार पर प्रकाश की, अज्ञान पर ज्ञान की, निराशा पर आशा की और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसका सार्वभौमिक दर्शन आस्थाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों से परे है, जो भारत की मूल भावना अर्थात समावेशिता, करुणा और दृढ़ता को दर्शाता है। दीपावली भारत का 16वां तत्व है जिसे यूनेस्को की मान्यता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है, जिससे भारत की सभ्यतागत विरासत की आभा और संवर्धित हुई है। उन्होंने सदन की ओर से सभी भारतीयों, अपने सांस्कृतिक संदेशवाहकों और हर उस व्यक्ति तथा संस्था को बधाई दी जिनके इस वैश्विक मान्यता को प्राप्त करने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमें अपनी समृद्ध विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने, उन्हें बढ़ावा देने और उन पर गर्व करने के लिए नई प्रतिबद्धता और श्रद्धा के साथ प्रेरित करती है।

एनआईए ने रामलिंगम हत्याकांड में दो फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2019 के चर्चित रामलिंगम हत्याकांड में सात वर्ष से फरार चल रहे दो मुख्य आरोपितों– मोहम्मद बुरहानुद्दीन और मोहम्मद नबील हसन को तमिलनाडु के वेल्लोर जिले के पल्लिकोंडा से गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके तीन सहयोगियों के, मोहिदीन, मोहम्मद इमरान और थमीम अंसारी को भी हिरासत में ले लिया, जिन्होंने हत्या के बाद आरोपितों को छिपाने में उनकी मदद की थी। एनआईए के अनुसार, दोनों मुख्य आरोपित प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से जुड़े थे और उन्होंने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर रामलिंगम की हत्या की साजिश रची थी। इनपुट मिलने के बाद एजेंसी ने कार्रवाई करते हुए सभी को पकड़ा। एजेंसी ने इस मामले की जांच मार्च 2019 में स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में ली थी और अगस्त 2019 में आरोपपत्र दाखिल किया था। छह आरोपितों को फरार घोषित कर उन पर 5 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। अब तक पांच फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक आरोपित मोहम्मद अली जिन्नाह अभी भी फरार है। रामलिंगम की हत्या 5 फरवरी 2019 को तमिलनाडु के थाञ्जावुर जिले में हुई थी। उनकी हत्या प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के सदस्यों ने बेरहमी से की थी।

अरुणाचल में दर्दनाक हादसा, असम के 22 मजदूरों की मौत

तिनसुकिया: अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में असम के 22 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि एक डंपर अनियंत्रित होकर पहाड़ी सड़क से गहरी खाई में गिर गया, जिससे यह दुर्घटना हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डंपर मजदूरों को लेकर कार्यस्थल की ओर जा रहा था तभी अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सीधे खाई में जा गिरा। इनमें से 19 मजदूर तिनसुकिया के गेलापुखुरी चाय बागान एवं अन्य आसपास से अरुणाचल प्रदेश में काम के लिए गए थे। घटना की सूचना मिलते ही राहत–बचाव दल मौके पर पहुंचा। अब तक 13 मृतकों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि बाकी के लिए तलाशी अभियान जारी है। मृतकों की पहचान बुधेश्वर दीप, राहुल कुमार, समीर दीप, जॉन कुमार, पंकज मानकी, अजय मानकी, विजय कुमार, अभय भूमिज, रोहित मानकी, बीरेंद्र कुमार, अगर ताती, धीरेन चेतिया, रजनी नाग, दीप गोवाला, रामवबक सोनार, सोनातन नाग, संजय कुमार, करण कुमार और जोनाश मुंडा के रूप में हुई है। स्थानीय प्रशासन असम सरकार के साथ समन्वय कर मृतकों की पहचान, आगे की कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया तेज कर रहा है।

ओली ने सरकार और जेन जी समूह के बीच हुए समझौते को निरर्थक नाटक बताया

काठमांडू : पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने गुरुवार को अंतरिम सरकार और जेन जी पीपल्स मूवमेंट के प्रतिनिधियों के बीच हुए 10 बिंदुओं वाले समझौते को 'निरर्थक नाटक' करार देते हुए कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास जेन जी समूहों के साथ इस तरह की वार्ता करने का कोई वैध अधिकार नहीं है। संघादकों के साथ एक कार्यक्रम में ओली ने कहा कि यह समझौता व्यवहार में पहले ही खारिज हो चुका है। ऐसे दस्तावेजों को न मान्यता मिलनी चाहिए और न ही इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। ओली का कहना था कि हम इस निरर्थक नाटक को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करेंगे। इस समझौते में 8 और 9 सितंबर के जेन जी प्रदर्शनों में मारे गए व्यक्तियों को शहीद घोषित करने, उनके परिवारों को राहत देने, घायलों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा शहीद स्मारक फाउंडेशन स्थापित करने की व्यवस्था भी शामिल है। समझौते में मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच, राज्य संस्थानों पर दलगत प्रभाव कम करना, चुनाव में नन ऑफ द अबव विकल्प लागू करना, प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रधानमंत्री चुनाव कराना और उम्मीदवार बनने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष तय करने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। समझौते में सरकार को परामर्श देने के लिए जेन जी काउंसिल बनाने का प्रावधान भी है।

गोवा अग्निकांड: वांछित गौरव और सौरव लूथरा के पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध, विदेश मंत्रालय कर रहा विचार

नई दिल्ली: गोवा में नाइट क्लब में लगी भीषण आग में हुई मौतों के मामले में वांछित क्लब मालिक गौरव लूथरा और सौरव लूथरा पर सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। गोवा सरकार ने विदेश मंत्रालय से दोनों आरोपितों के पासपोर्ट रद्द करने का औपचारिक अनुरोध किया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, गोवा सरकार से प्राप्त अनुरोध पर विचार किया जा रहा है और निर्धारित नियमों के अनुसार आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों और मामले के तथ्यों की समीक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि इस अग्निकांड में कई लोगों की मौत हुई थी और जांच में क्लब मालिकों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे थे। घटना के बाद से दोनों भाई फरार हैं। जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपित वर्तमान में थाईलैंड में मौजूद हैं और वहीं से उनसे अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल की है। गोवा पुलिस ने पहले ही इनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। पासपोर्ट रद्द होने पर दोनों आरोपितों के विदेश में ठहरने और आवाजाही पर रोक लगने की संभावना बढ़ जाएगी, जिससे उन्हें भारत लाकर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो सकता है।

उत्तर प्रदेश में एसआईआर की समय सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ी

लखनऊ: केंद्रीय चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन निरीक्षण (एसआईआर) के लिए समय सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आयोग को पत्र भेज कर और समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी ताकि मृतक, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं का पुनः सत्यापन कराया जा सके। एसआईआर की पहले यह समय सीमा आज 11 दिसंबर को खत्म हो रही थी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश के अलावा गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु राज्य और केंद्र शासित अंडमान में भी एसआईआर की समय सीमा बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब तक 99.24 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का काम हो चुका है। डिजिटाइज्ड गणना प्रपत्रों में 18.85 प्रतिशत गणना प्रपत्र असंग्रहीत यानी मृतक, स्थाई रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की श्रेणी में चिह्नित किए जा चुके हैं। अभी तक 80.29 प्रतिशत गणना प्रपत्र मतदाता व उसके परिवार के अन्य सदस्य के हस्ताक्षर से वापस मिल चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगे बताया वर्तमान में स्थिति यह है कि उत्तर प्रदेश में 18.85 प्रतिशत लगभग 2.91 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र असंग्रहीत श्रेणी के हैं, जिसमें सर्वाधिक 8.22 प्रतिशत यानी लगभग 1.27 करोड़ स्थायी रूप से अपने निवास स्थान से स्थानांतरित मतदाता हैं।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटुआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No.